E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 285 | गुवाहाटी | शनिवार, 13 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

मानस राष्ट्रीय उद्यान ने पिछले सात वर्ष की तुलना में सबसे अधिक राजस्व संग्रह किया — पेज 3
भेदभावरहित योजना बनाना और लाभ पहुंचाना ही सच्ची... — पेज 4
द केरल स्टोरी में उठाए गए मुद्दे का दर्द पहले ही समझ गई थी योगी सरकार — पेज 5
सैंकडों समर्थकों की मौजूदगी में पायलट ने किशनगढ़ से जयपुर तक किया कूच — पेज 8

कर्नाटक विस चुनाव के नतीजे आज

36 केंद्रों पर सुबह आठ बजे से शुरू होगी मतगणना

बेंगलुरु(हि.स./एजे)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बुधवार को रिकॉर्ड 73.19 प्रतिशत मतदान के बाद शनिवार को होने वाली मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस चुनाव में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारामैया और डी के शिवकुमार के अलावा जनता दल (सेकुलर) के नेता एच डी कुमारस्वामी का भविष्य तय होगा। राज्य में विधानसभा की 224 सीटों के लिए 10 मई को मतदान हुआ था। पूरे कर्नाटक में 36 केंद्रों पर मतगणना कल प्रात: आठ बजे शुरू होगी और दोपहर तक तस्वीर साफ हो जाने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने के लिए पूरे कर्नाटक में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गये हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 104 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। कांग्रेस को 80 और जनता दल सेक्युलर को 37 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को 38.04 प्रतिशत वोट मिले थे, इसके बाद भाजपा ने 36.22 फीसदी मत हासिल किए थे। जनता दल सेक्युलर को 18.36 फीसदी मत मिले थे। भाजपा ने सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद पार्टी नेता बी एस येदुयुरप्पा ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था, लेकिन विश्वास मत हासिल करने से पहले ही -शेष पृष्ठ दो पर

गठबंधन का फैसला परिणाम के बाद : जेडीएस

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इसे घोषित होने में बस एक दिन बचा है। एग्जिट पोल आने के बाद किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलते दिखाई नहीं दे रहा है, जिसके बाद सियासी घमासान दिलचस्प होता जा रहा है। इसमें सबसे अहम पार्टी जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) है जो सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका अदा करेगी। पहले कहा गया कि जो भी पार्टी उससे संपर्क करेगी और सामंजस्य बैठेगा तो उसका जेडीएस समर्थन करेगी, लेकिन पार्टी ने इस तरह की बातों को सिरे से -शेष पृष्ठ दो पर

पुरातत्व सर्वे करेगी काशी विश्वेवरनाथ स्वयंभू शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में ज्ञानवापी, वाराणसी परिसर में सर्वे के दौरान मिले शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच व साइंटिफिक सर्वे की मांग में दाखिल याचिका स्वीकार कर ली है और भारतीय पुरातत्व सर्वे (एएसआई) को बिना क्षति पहुचांए शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच करने का आदेश दिया है। वाराणसी की अधीनस्थ अदालत ने सुप्रीम कोर्ट की यथास्थिति कायम रखने के आदेश के चलते कार्बन डेटिंग जांच कराने से इन्कार कर दिया था, इसे चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने वाराणसी की अदालत के आदेश को रद कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्र ने लक्ष्मी देवी व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी व मुख्य स्थायी अधिवक्ता बिपिन बिहारी पांडेय ने पक्ष रखा। अधिवक्ता हरिशंकर जैन व विष्णु शंकर जैन हिंदू पक्ष से -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : डिफ्यूज करते समय फटा बम, जवान घायल

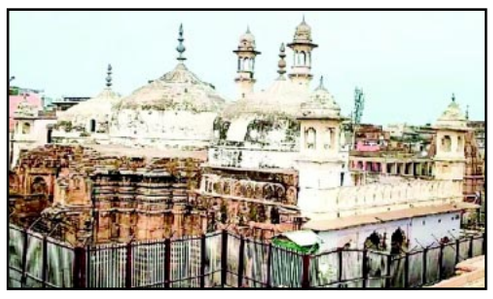

इंफाल। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में एक बड़ी घटना घटी है। एक बम को निष्क्रिय करते वक्त असम राइफल्स का जवान घायल हो गया है। बम निष्क्रिय वक्त वो फट गया, जिसमें जवान घायल हो गया। बताया जा रहा है कि बम फटने का मामला साउथ इंफाल से 60 किमी दूर सैतान गांव का है। आर्मी के हवाले से इसकी जानकारी दी गई है। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि स्थानीय तौर पर देशी बम बनाया गया था। उन्होंने बताया कि आर्मी जवान -शेष पृष्ठ दो पर

68 न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति पर एससी ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश हसमुखभाई वर्मा सहित गुजरात के 68 निचले न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति पर रोक लगा दी। सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) हसमुखभाई वर्मा ने ही मानहानि के एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि गुजरात राज्य न्यायिक सेवा नियमावली 2005 के अनुसार, योग्यता-सह-वरिष्ठता के सिद्धांत और योग्यता परीक्षा पास करने पर ही पदोन्नति होनी चाहिए। नियमावली में 2011 में संशोधन किया -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पुस्तकें एक मुर्ख आदमी के लिए वैसे ही हैं, जैसे एक अंधे के लिए आइना।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लव जिहाद आतंकवाद का अघोषित एजेंडा : योगी

लखनऊ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने *लव जिहाद* को मानवता के खिलाफ अघोषित आतंकवाद का एजेंडा कहा है। शुक्रवार को मंत्रिपरिषद के सदस्यों संग बहुप्रशंसित फिल्म *द केरल स्टोरी* देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म लव जिहाद जैसे षड्यंत्र के प्रति पूरे देश का ध्यान आकर्षित करती है। पूरे समाज को इस विकृति के बारे में जागरूक होना होगा। लोकभवन में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग होने के बाद उन्होंने फिल्म के विषय और प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

आर्यन मामला : समीर वानखेड़े के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आर्यन खान क्रूज मामले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में मुंबई एनसीबी के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े और तीन अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने मुंबई, दिल्ली, रांची (झारखंड) और कानपुर (उत्तर प्रदेश) में 29 ठिकानों पर छापेमारी भी की है। सीबीआई की टीम शुक्रवार को -शेष पृष्ठ दो पर

चक्रवात मोचा : आईएमडी का पूर्वोत्तर में ऑरेंज अलर्ट जारी

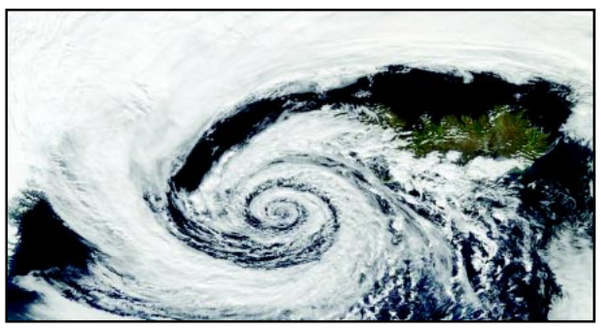

गुवाहाटी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सात पूर्वोत्तर राज्यों में से पांच को चक्रवात मोचा के आसन्न प्रभाव के बारे में अलर्ट किया है। आईएमडी के अनुसार, चक्रवात के 14 मई को म्यांमार-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ टकराने की आशंका है। इस बीच, म्यांमार और बांग्लादेश के करीब स्थित मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा के लिए उस दिन के लिए *ऑरेंज अलर्ट* जारी किया गया है। विभाग ने आपदा प्रबंधन एजेंसियों से सतर्क रहने और किसी भी संभावित प्रतिकूलता के लिए तैयार रहने का आग्रह किया है। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने 13 मई -शेष पृष्ठ दो पर

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान को सभी मामलों में दी जमानत

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सभी 201 मामलों में जमानत दे दी है। कोर्ट ने 17 मई तक जमानत देने के साथ ही उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। हालांकि, अभी भी पंजाब प्रांत के चार मामलों में इमरान खान कोर्ट नंबर 4 में सुनवाई के लिए मौजूद हैं। पूरे देश में अघोषित मार्शल लॉ जैसे हालात हो गए हैं, लेकिन इमरान खान ने देश में शांति की अपील की है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने इमरान के सुरक्षित स्थान पर पहुंचने तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया है। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से इमरान खान को तोशाखाना मामले में भी राहत मिली है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने इस अभियोग पर स्थगन आदेश जारी किया है। दूसरी ओर, अल-कादिर ट्रस्ट मामले में भी इमरान को इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने 2 सप्ताह के लिए जमानत दे दी है। इससे पहले हाई कोर्ट में सुनवाई शुरू होते ही हंगामा मच गया। पेशी के दौरान इमरान समर्थक वकीलों ने कोर्ट रूम में इमरान के नारों से हंगामा कर दिया, जिससे जज रूम छोड़कर चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताकर तत्काल रिहाई का आदेश दिया था। बीती शाम को इमरान ने अपने समर्थकों से शांति की अपील करते हुए दावा किया कि हिरासत में उन्हें डंडों से पीटा गया। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार किसी अपराधी के साथ भी स्वीकार नहीं है। पूर्व पीएम ने कहा कि उनके खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

ग्वालियर में बन रहा है मोदी का मंदिर, रोज होगी पूजा-अर्चना

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंदिर तैयार हो रहा है। पीएम मोदी की मूर्ति प्रसिद्ध मूर्तिकार प्रमोद विश्वकर्मा बना रहे हैं। मूर्ति करीब डेढ़ फीट की है। मूर्ति तैयार होने के बाद इसे मंदिर में स्थापित किया जाएगा। खास बात यह है कि पीएम नरेंद्र मोदी का मंदिर देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के मंदिर के पास बनेगा। मध्यप्रदेश का ग्वालियर जिला राजनीति का गढ़ माना जाता है। यह शहर देश के प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, राजमाता विजयाराजे, माधवराव सिंधिया सहित अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

राहत : पिछले 18 महीनों में खुदरा महंगाई सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली। देश को महंगाई की मार से राहत मिलती दिख रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले महीने यानी अप्रैल 2023 में खुदरा महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.70 फीसदी रही। यह बीते 18 महीनों में सबसे निम्नतम स्तर है। आपको बता दें कि लगातार तीसरे महीने में महंगाई दर में कमी देखी गई है। इससे पहले मार्च 2023 में खुदरा महंगाई दर 5.66 फीसदी थी। लगातार दूसरे महीने में खुदरा महंगाई के आंकड़े रिजर्व बैंक के दायरे (2 फीसदी से 6 फीसदी के बीच) में हैं। इस स्तर पर खुदरा महंगाई दर पिछली बार अक्तूबर 2021 में रही थी। उस समय सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 4.48 प्रतिशत रही थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के हालात का जम्मू-कश्मीर पर नहीं पड़ेगा कोई असर : भाजपा

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के हालात का जम्मू-कश्मीर पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने पाकिस्तान के मौजूदा हालात और इसके प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की है। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान में मौजूदा *खतरनाक* हालात को लेकर चिंता व्यक्त की है और साथ ही यह दावा किया है -शेष पृष्ठ दो पर

सूखे की आशंका

आपात स्थिति के लिए केंद्र ने राज्यों को प्लान बनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश और मानसून की अनिश्चितता की आशंका के कारण सूखे का खतरा भी नजर आने लगा है। इससे निपटने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों को आकस्मिक योजना बनाकर काम शुरू करने का निर्देश दिया है। केंद्रीय आपदा प्रबंधन समूह ने किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए सूखे की तैयारी पहले ही कर लेने को कहा है। हालांकि, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इस बार सामान्य वर्षा का अनुमान लगाया है। फिर भी केंद्र को आशंका है कि मानसून की स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। ऐसे में राज्यों को सूखा प्रबंधन केंद्र बनाकर जिला स्तर पर कृषि आकस्मिकता योजनाओं को अपडेट करने, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि विश्वविद्यालयों से समन्वय कर आपात स्थिति के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया है। जिले की मिट्टी और मौसम के अनुरूप प्रोसेस्ड फसलों के बीजों को पर्याप्त मात्रा में तैयार रखने के लिए कहा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर किसानों को अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया जा सके। आईसीएआर ने मंत्रालय को बताया है कि देश के 650 जिलों में अलग-अलग प्लान -शेष पृष्ठ दो पर

कलकत्ता हाई कोर्ट ने रद्द कीं 36 हजार प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्तियां

कोलकाता। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में शुक्रवार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने वर्ष 2016 के प्राथमिक पैनल की 36,000 भर्तियों को रद्द करने का आदेश दिया। साक्षात्कार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। साक्षात्कारकर्ताओं ने गवाही दी कि भर्ती परीक्षा में एप्टीट्यूड टेस्ट भी नहीं लिया गया। कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने शुक्रवार को अवैध तरीके से नियुक्त किए गए 36 हजार प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने का आदेश शुक्रवार को दिया है। ये सारे अप्रशिक्षित हैं। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि आगामी चार महीने तक ये सारे शिक्षक स्कूल तो जाएंगे, लेकिन इनका वेतन पैरा टीचर्स के तौर पर मिलेगा। तीन महीने के अंदर राज्य सरकार को इनकी जगह नई नियुक्ति कर इन पदों को भरना होगा। उल्लेखनीय है कि इस दौरान 42,500 शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी। कई उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। उन्होंने बताया था कि हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति की पूरी पैनल प्रकाशित की गई थी। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

अदाणी-हिंडनबर्ग मामला

सेबी को जांच के लिए नहीं मिलेंगे 6 महीने : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह सेबी को अदाणी समूह द्वारा शेयर की कीमत में हेरफेर के आरोपों की जांच के लिए तीन महीने का विस्तार दे सकता है। सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से छह महीने का समय मांगा था। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि छह महीने का समय सही नहीं है। इस मामले में अगली सुनवाई 15 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी से कहा कि हम जांच का समय बढ़ाएंगे, लेकिन छह महीने नहीं, बल्कि तीन महीने के लिए समय बढ़ाएंगे। कोर्ट ने समय बढ़ाने की मांग वाली सेबी की याचिका पर विचार के

लिए 15 मई के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। बता दें, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने छह सदस्यीय कमेटी भी बनाई थी और दो महीने के अंदर रिपोर्ट मांगी थी। 8 मई को कमेटी ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सौंप दी। चीफ जस्टिस ने कहा कि जस्टिस सप्रे की कमेटी की रिपोर्ट आ गई है। हम वीकेंड के दौरान इस रिपोर्ट को देखेंगे। हिंडनबर्ग ने 24 जनवरी 2023 को अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपनी एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि अदाणी ग्रुप की कंपनियां 80 प्रतिशत ओवरवैल्यूड हैं। इसके साथ ही आरोप लगाया गया था कि ग्रुप हेरफेर करके शेयरों के दाम बढ़ाता है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों के मूल्यों में भारी गिरावट देखने को मिली थी।

मामस ने सौंदर्यीकरण कार्यशाला का किया आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी महिला समिति गुवाहाटी के तत्वाधान में महिलाओं को अपने सौंदर्य में निखार लाने के उद्देश्य से मेकअप एंड हेयर स्टाइल पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। ताकि महिलाए अपने आप को स्वयं निखार सके। इस कार्यशाला में बैंगलोर के *जोरेन स्कूल ऑफ आर्ट एंड मैकअप* से प्रशिक्षित आर्टिस्ट हिमाक्षी बगड़ीया द्वारा उनके स्टूडियो में करवाया गया था। समिति द्वारा हिमाक्षी बगड़िया फुलाम गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। इस वर्कशॉप के लिए महिलाएं बहुत उत्सुक थी और सबने मेकअप करना और हेयर स्टाईल करना सीखा। हिमाक्षी ने सब को बहुत ही सुंदर एवं सरल तरीके से सिखाया। जन संपर्क सचिव सीमा सोनी ने बताया सीखने वालो की संख्या अधिक होने के कारण वर्कशॉप के दो ग्रुप बनाए गए। इस कार्य में अध्यक्षा वर्षा सोमानी, सचिव पुष्पा सोनी, कोषाध्यक्ष मधुलिका चांडक, संयोजिका रीता साबू के साथ लगभग चालीस से अधिक महिलाओं एवं युवतियों ने भाग लिया और इस कार्यशाला को करवाने के लिए महिला समिति की भूरि- भूरि प्रशंसा की।

आगरा : हाइटेंशन लाइन में उलझने से कमांडों की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में वायुसेना स्टेशन के निकट शुक्रवार की सुबह पैराशूट जम्पिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मलपुरा थाना क्षेत्र में पैराशूट जम्पिंग के दौरान कमांडो अंकुर शर्मा का पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मलपुरा के ड्रॉपिंग जोन से दूर पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया, जिसके बाद हाईटेंशन लाइन से कमांडो नीचे गिरे। ये देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। ये देख किसानों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। कमांडो को उपचार के लिए मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया गया है कि कमांडो अंकुर शर्मा जम्मू कश्मीर में तैनात थे। कमांडो अंकुश शर्मा को जब हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, उस समय उनकी नाक से खून बह रहा था।

समाजसेवी सरदार हलवंत सिंह वासित को दी गई भाव-भीनी श्रद्धांजलि

होजाई (होसं)। होजाई के जाने-माने समाजसेवी सरदार हलवंत सिंह वासित को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन स्थानीय जुगल किशोर केडीया स्मृति भवन में मंगलवार को आयोजित हुआ। उक्त श्रद्धांजलि सभा में सिख प्रतिनिधि बोर्ड, ईस्टर्न जोन; ऑल असम सिख यूथ एसोसिएशन; पतंजलि योग समिति,होजाई ; स्थानीय गुरुद्वारा कमेटी के अलावा विभिन्न संगठनो के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर सरदार हलवंत सिंह वासित के सामाजिक अवदानों को याद करते हुए उन्हें भावविभोर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विभिन्न संगठनों ने उनकी धर्मपत्नी दलजीत कौर वासित व पुत्र कनवलजीत सिंह वासित को नम आंखों के साथ श्रद्धांजलि पत्र सौंपा। उल्लेखयोग्य है, सरदार हलवंत सिंह वासित एक अच्छे व्यवसायई के साथ-साथ कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे हंसमुख स्वभाव के धनी, मिलनसार व्यक्तित्व व सामाजिक कर्तव्यों का निर्वहन निडी के साथ करते थे। उन्होंने सचिव के रूप में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहब, होजाई; सलाहकार के रूप में ऑल असम सिख यूथ एसोसिएशन, लाइब्रेरियन के रूप में सिख प्रतिनिधि बोर्ड ईस्टर्न जोन, धूबड़ी, पतंजलि योग समिति, होजाई में निरंतर अपनी सेवाएं दी। इसके अलावा भी वे विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। श्रद्धांजलि सभा के साथ-साथ कीर्तन दरबार, अंतिम अरदास व गुरु का लंगर भी आयोजित हुआ जिसमें होजाई, लंका, नोगांव, कार्बी आंगलोंग, चपरमुख, गुवाहाटी व असम के अन्य हिस्सों से उनके शुभचिंतकों के अलावा स्थानीय विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान काफी संख्या में उनके रिश्तेदार भी उपस्थित थे। वे अपने पीछे धर्मपत्नी पुत्र व एक पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

ट्रेनों के सुरक्षित और तेज परिचालन के लिए पूसीरे की पहल

गुवाहाटी (हिंस)। संचार प्रौद्योगिकी में निरंतर आधुनिकता के कारण सिग्नल और दूरसंचार टीमों के बीच परस्पर बेहतर सामंजस्य आज की जरूरत है। भविष्य में सिग्नल उपकरणों की निगरानी दूर से की जाएगी। ट्रेनों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए ऐसे सभी उपकरणों की निश्चित समय पर और तेजी से निगरानी करना अनिवार्य हो गया है। यह सिग्नलिंग सिस्टम ट्रेनों और दूरसंचार प्रणालियों के सुरक्षित और तेज आवागमन के लिए आवश्यक हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ ने बताया है कि ट्रेन परिचालन में उत्तम लचीलापन प्रदान करने के लिए, पूसीरे के अधीन कटिहार, अलीपुरद्वार, रंगिया और लमडिंग मंडल के 156 स्टेशनों पर नेटवर्क प्रबंधन प्रणाली (एनएमएस) की सुविधा के साथ इंटरनेट प्रोटोकॉल मल्टीप्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपीएमपीएलएस) प्रदान की गई है। इसके अलावा, सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन (एससीएडीए), यूटीएस/पीआरएस रेलनेट सर्किट्स को सिंक्रोनस डिजिटल हाइरार्की (एसडीएच) से आईपीएमपीएलएस में माइग्रेट किया जाता है। एससीएडीए का उपयोग रेलवे प्रणाली के प्रभावी निगरानी नियंत्रण प्रदान करने के लिए किया जाता है। आईपीएमपीएलएस का किसी प्रकार का भी संपर्क वातावरण में एक बड़ा लाभ है, जो वर्तमान में संचार आवश्यकताओं के आधुनिकीकरण के लिए भारतीय रेल के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। सिस्टम मॉनिटरिंग एंड प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस सेंटर (एसएमपीएमसी) और नेटवर्क कंट्रोल एंड डाटा एनालिटिक सेंटर (एनसीडीएसी) को केंद्रीकृत स्थानों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित परिसंपत्तियों का अनुमानित रखरखाव, रीयल-टाइम डाटा एक्विजिशन और संसाधनों के आवंटन के लिए स्थापित किया गया है। इससे महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों को प्राथमिकता के आधार पर मानव-शक्ति की तैनाती में सुधार होगा और समग्र रखरखाव की लागत में कमी आएगी। इसके अलावा, सभी 382 स्टेशनों पर वाई-फाई की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए वाई-फाई डैशबोर्डस प्रदान किए गए हैं। साथ ही 11 स्टेशनों पर सीसीटीवी की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए सीसीटीवी डैशबोर्ड लगाये गए हैं। वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआइपी) आधारित ट्रेन कंट्रोल कम्युनिकेशन सिस्टम को 26 स्टेशनों पर चालू किया गया है। वीओआइपी एक ऐसी तकनीक है, जो नियमित फोन लाइन के बजाय ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करके वॉयस कॉल करने की अनुमति देती है। पूसीरे के कर्मचारियों के सूझबूझ, निरंतरता और संबंधित प्रयासों से ये उपलब्धियां हासिल हो पायी हैं।

नगरबेड़ा सीबीएसई परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

नगरबेड़ा (विभास)। सीबीएसई परीक्षा की घोषणा आज कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के सामरिया प्राथमिक शिक्षा खंड के तहत मॉडल स्कूल, डोकुसी के कक्षा 10वीं के परिणामों ने शैक्षणिक संस्थान के साथ-साथ क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है। संस्थान ने अपनी पिछली निरंतरता बनाए रखी और इस बार भी स्कूल से उपस्थित होने वाले सभी 43 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए। स्कूल के प्राचार्य डॉ. रमन बायन शिक्षक के साथ ही अति पिछड़े क्षेत्र में शिक्षण संस्थान के परिणाम से उत्साहित हैं। छात्र और माता-पिता। रिजल्ट आने के बाद स्कूल की ओर से सर्वाधिक 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले बेदब्रत दास का स्कूल के छात्रों और शिक्षकों के प्रधानाचार्य डॉ. रामेन बायन ने फुलम गमोछा देकर जोरदार स्वागत किया।

पृष्ठ एक का शेष

कर्नाटक विस चुनाव...

तीन दिनों के भीतर सरकार गिर गयी थी। सरकार बनाने के बावजूद भाजपा बहुमत का आंकड़ा जुटा पाने में असमर्थ रही थी। इसके बाद कांग्रेस-जनता दल सेक्युलर ने मिलकर कर्नाटक में सरकार बनाई थी और कुमारस्वामी राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। चौदह महीने के भीतर ही हालांकि यह सरकार भी गिर गई थी क्योंकि कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर के 17 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था और सभी भाजपा में शामिल हो गये थे। वर्ष 2019 में हुए उपचुनावों में भाजपा ने 15 में से 12 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद भाजपा ने फिर सरकार बनाई थी। कर्नाटक में 10 मई के मतदान के बाद आए ज्यादातर चुनाव बाद सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में कांग्रेस के सबसे बड़े दल के तौर पर उभरने का अनुमान लगाया गया है। *इंडिया टुडे-एक्सिस मॉय इंडिया* और *न्यूज 24-टुडेज चाणक्या* के सर्वेक्षण में कांग्रेस को बहुमत मिलने की भी संभावना जताई गई है। दूसरी तरफ, *न्यूज नेशन-सीजीएस* के एग्जिट पोल में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इस बीच प्रशासन ने कर्नाटक के 36 केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। संवेदनशील मतदान केंद्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबल भी तैनात किए गए हैं। मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी। दोपहर दो बजे तक चुनाव परिणाम की स्पष्ट तस्वीर सामने आने का अनुमान है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मतगणना केंद्रों के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों ने व्यापक कदम उठाए हैं। राज्य में विधानसभा की 224 सीटों के लिए 10 मई को वोट डाले गए थे। जिसमें 73.19 प्रतिशत मतदान हुआ।

गठबंधन का फैसला...

खारिज कर दिया। एचडी कुमारस्वामी की जेडीएस के राज्य प्रमुख सीएम इब्राहिम का कहना है कि तनवीर अहमद उनकी पार्टी के प्रवक्ता नहीं हैं और न ही सदस्य हैं। दरअसल, तनवीर ने ही कांग्रेस-भाजपा के लिए दरवाजे खुले रहने का एलान किया था। इब्राहिम ने साफ कर दिया कि तनवीर उनकी पार्टी में कुछ भी नहीं हैं। उन्होंने बहुत पहले ही पार्टी को छोड़ दिया। गठबंधन सरकार पर कुछ भी तय नहीं किया गया है। रिजल्ट सामने आने के बाद ही फैसला लिया जाएगा। तनवीर अहमद ने दावा किया था एग्जिट पोल सामने आने के बाद राज्य में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनते देखे जाने पर जेडीएस को कांग्रेस व भाजपा दोनों से संपर्क साधने के संकेत मिले हैं। उन्होंने तय कर लिया है कि गठबंधन किसके साथ होने वाला है। इस समय एचडी कुमारस्वामी सिंगापुर में हैं। वह बुधवार रात में सिंगापुर के लिए रवाना हुए थे। कांग्रेस दावा कर रही है कि वह राज्य में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। वहीं, भाजपा ने भी जेडीएस से संपर्क साधने की बात को सिरे से खारिज किया है और उसका कहना है कि उसे स्पष्ट जनादेश मिलने जा रहा है। चुनाव का रिजल्ट कल यानि शनिवार को घोषित होने जा रहा है। दोपहर तक स्थिति साफ हो जाएगी कि कर्नाटक में नई सरकार किस पार्टी की बनने वाली है। इस बार अधिकतर एग्जिट पोल ने कांग्रेस की बढ़त दिखाई गई है, जबकि सत्ताधारी भाजपा पिछड़ रही है। दोनों पार्टियों ने मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने ...

145 केस दर्ज हुए हैं और उनकी गिरफ्तारी एक आतंकी की तरह की गई। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान खान को मंगलवार को अर्धसैनिक बलों ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट से गिरफ्तार किया था। इमरान की रिहाई को लेकर उनकी पार्टी के समर्थक सत्ताधारी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पर हमलावर हो गए और देश भर से हिंसा, आगजनी और सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं।

पुरातत्व सर्वे करेगी ...

थे, जबकि ज्ञानवापी मस्जिद की तरफ से एसएफए नकवी ने पक्ष रखा। कोर्ट ने भारत सरकार के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह से पूछा था कि क्या शिवलिंग को नुक्सान पहुंचाए बगैर कार्बन डेटिंग से जांच की जा सकती है, क्योंकि इस जांच से शिवलिंग की आयु का पता चलेगा। एएसआई ने कहा बिना क्षति शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच की जा सकती है। ज्ञानवापी परिसर में 16मई 2022 की कमीशन कार्यवाही के दौरान मिले कथित शिवलिंग का साइंटिफिक सर्वे एएसआई से कराए जाने की मांग को लेकर दाखिल वाद जिला अदालत वाराणसी ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट कर रही है। ऐसे में सिविल कोर्ट को आदेश पारित करने का अधिकार नहीं है। जिला जज वाराणसी के 14 अक्तूबर 2022 के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक की ओर से यह सिविल रिवीजन दाखिल की गई। कोर्ट ने इसे दोनों पक्षों की बहस के बाद स्वीकार कर लिया है।

मणिपुर : डिफ्यूज ...

इसे निष्क्रिय करने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान वह घायल हो गया। जवान को ज्यादा चोट नहीं आई है। बता दें कि एक दिन पहले विष्णुपुर जिले में तेरा खोंगफंगबी के पास संदिग्ध आतंकवादियों ने एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस आतंकी हमले में चार लोग घायल भी हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि आतंकियों को पकड़ने के लिए तब से ही क्षेत्र में पुलिस और सेना तलाशी अभियान चला रही है। गौरतलब है कि मणिपुर में हाल ही में आदिवासी प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में मार्च हुआ था। इस दौरान हिंसा भड़क गई थी।

68 न्यायिक अधिकारियों ...

गया था। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा जारी की गई सूची और जिला न्यायाधीशों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश गैरकानूनी और इस अदालत के निर्णय के विपरीत है। इसलिए इसे बरकरार नहीं रखा जा सकता। न्यायालय ने कहा कि हम पदोन्नति सूची के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हैं। पदोन्नति पाने वाले संबंधित अधिकारियों को उनके मूल पदों पर भेजा जाता है जिन पर वह अपनी पदोन्नति से पहले नियुक्त थे। शीर्ष न्यायालय ने पदोन्नति पर रोक लगाते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया और मामले को सुनवाई के लिए उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया क्योंकि न्यायमूर्ति शाह 15 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट वरिष्ठ सिविल जज कैडर के अधिकारी रविकुमार महेता और सचिन प्रतापराय मेहता की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें 68 न्यायिक अधिकारियों के जिला न्यायाधीशों के उच्च कैडर में चयन को चुनौती दी गई है। जिन 68 न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति को चुनौती दी गई है उनमें सूरत के सीजेएम वर्मा भी शामिल है जो अभी गुजरात सरकार के कानूनी विभाग में अवर सचिव एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहायक निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दो न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर 13 अप्रैल को गुजरात हाईकोर्ट के महापंजीयक और राज्य सरकार को नोटिस जारी किए थे। सुप्रीम कोर्ट ने पारित आदेश की आलोचना करते हुए कहा था कि यह जानते हुए 68 अधिकारियों की पदोन्नति के लिए 18 अप्रैल को आदेश दिया गया कि मामला उसके समक्ष लंबित है।

चक्रवात मोचा : आईएमडी...

को त्रिपुरा और मिजोरम में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है, जिसमें अधिकांश स्थानों पर बारिश और दो पूर्वोत्तर राज्यों के अलग-अलग क्षेत्रों में भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। इसके अलावा, 14 मई को त्रिपुरा और मिजोरम के साथ-साथ नगालैंड, मणिपुर और दक्षिण असम में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने त्रिपुरा, मिजोरम और दक्षिण मणिपुर के लिए एक *हवा चेतावनी* भी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि 14 मई को 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं, 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। मौसम कार्यालय के अनुसार, चक्रवात मोचा के 13 मई की शाम से थोड़ा कमजोर होने का अनुमान है और 14 मई की पूर्वाह्न के आसपास कॉक्स बाजार और क्यौकप्यू के बीच बांग्लादेश और म्यांमार के दक्षिण-पूर्वी तटों को पार करने से पहले।

ग्वालियर में बन रहा...

बड़े नेताओं की कर्मभूमि भी रहा है। यहां पहले से ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी का मंदिर बना हुआ है। उनके चाहने वाले रोज सुबह-शाम आरती उतारते हैं। देशभर में यह इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां अटल जी विराजमान हैं। जल्द ही इस मंदिर के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंदिर साकार होगा। इस मंदिर में भी रोज पीएम नरेंद्र मोदी की आरती उतारी जाएगी और पूजा-अर्चना होगी। अखिल भारतीय युवा अभिभाषक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने बताया कि यह मंदिर शहर के सत्यनारायण की टेकरी पर तैयार हो रहा है। वहीं पर पहले से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का मंदिर मौजूद है। पीएम मोदी की मूर्ति बनकर तैयार हो चुकी है। हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे विश्व के ऐसे प्रधानमंत्री है, जिन्होंने हिंदुत्व को आगे बढ़ाया है। दुनियाभर में हिंदुत्व को एक अलग पहचान दी है। इस वजह से हम और ग्वालियर वासी चाहते हैं कि मोदी जी का नाम सदियों तक चलता रहे। उनका यह भी कहना है कि देश के प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे देश का मान और सम्मान बढ़ाया है। इसे हमारा देश सदियों तक याद करता रहेगा।

राहत : पिछले 18 ...

दर अप्रैल महीने में 3.84 प्रतिशत रही, जो मार्च में 4.79 प्रतिशत थी। पिछले साल अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई दर 8.31 प्रतिशत दर्ज की गई थी। दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर 5.7 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 6.4 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। उस दौरान देश में अनाज, दूध और फलों की कीमतों में उछाल आया था। मार्च महीने के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी आ गए हैं। मार्च 2023 में देश का औद्योगिक उत्पादन 1.1 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले साल इसी महीने में यह 2.2 प्रतिशत था। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मार्च 2023 में 1.1 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 0.5 प्रतिशत ही बढ़ा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी महीने मार्च में देश के खनन क्षेत्र का उत्पादन 6.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि बिजली के उत्पादन में 1.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 की बात करें तो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 5.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान इसमें 11.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच मई को समाप्त सप्ताह के दौरान 7.196 अरब डॉलर बढ़कर 595.976 अरब डॉलर हो गई है।

पाकिस्तान के हालात ...

कि इसका असर भारत पर भी पड़ेगा। भाजपा की प्रदेश इकाई के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने कहा कि पाकिस्तान के हालात चाहे जो भी हों, जम्मू-कश्मीर के हालात पर उसका कोई असर नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान ने पिछले 30 वर्षों में जो कुछ भी किया है, वह अपने ही गड्ढे में गिरेगा। अशोक कौल ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में क्षेत्रीय दल पाकिस्तान को लेकर चिंतित हैं और इन दलों के नेताओं ने बयान दिया है कि वहां बिगड़ते हालात का जम्मू-कश्मीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अशोक कौल ने कहा कि वे सिर्फ अपने पुराने राग अलाप रहे हैं। जहां तक पाकिस्तान के साथ संबंधों पर भारत के रुख का सवाल है, यह ऐसा ही है कि जब तक वे आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देना बंद नहीं करते, भारत उनसे बातचीत करने के बारे में सोच भी नहीं सकता। पाकिस्तान में अर्धसैनिक रेंजरों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में सेना को तैनात कर दिया गया था।

आपात स्थिति के लिए ...

तैयार है, जिसे संशोधित किया जा रहा है। साथ ही, जिलों की मिट्टी के अनुरूप विभिन्न फसलों की 158 किस्में भी विकसित कर ली गई हैं। जिलाधिकारियों को कहा गया है कि वे अपने जिले में सूखे के सभी संकेतकों की सतत निगरानी करें। वर्षा और जल संग्रहण की स्थिति और बुवाई की प्रगति पर भी नजर रखें। किसानों को भी वैसी फसलें लगाने की सलाह दी गई है, जिन्हें कम से कम पानी में उगाया-उपजाया जा सके। ग्रामीण विकास मंत्रालय को तालाब निर्माण, नहरों की सफाई, नलकूपों को ठीक करने और खराब पड़े पंपों को बदलने या मरम्मत करने का निर्देश दिया गया है। देश में कुल खेती योग्य भूमि का लगभग 56 प्रतिशत भाग वर्षा पर आधारित है। जून से सितंबर तक लगभग 73 प्रतिशत वर्षा दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से होती है, जो खरीफ फसलों के लिए जरूरी है। ऐसे में प्रभावी प्रबंधन के जरिए सूखे के खतरे को कम किया जा सकता है। सूखा प्रबंधन की प्रारंभिक जिम्मेदारी राज्यों की होती है। लेकिन, केंद्रीय कृषि एवं किसान मंत्रालय समन्वय के साथ अतिरिक्त मदद और राहत की व्यवस्था करता है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ...

इसमें पता चला कि जिन लोगों को शिक्षक के तौर पर नौकरी मिली है, उनके नंबर याचिकाकर्ताओं के मुकाबले बेहद कम हैं। अनेक अप्रशिक्षित उम्मीदवारों को सिफारिश के तौर पर नौकरी मिल गई थी। न्यायाधीश ने पूरे पैनल को रद्द करने का आदेश दिया है। वे पहले भी कह चुके हैं कि 2016 में नियुक्त हुए प्राथमिक शिक्षकों का पूरा पैनल भ्रष्टाचार से युक्त है।

लव जिहाद आतंकवाद ...

फिल्म के निर्माता, निर्देशक सहित पूरी टीम के प्रयासों को साहसिक बताते हुए सराहना की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर उस विकृति के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है जो सामाजिक एकता में बाधा हो, राष्ट्रीय एकता को चुनौती देती हो तथा मानवता के लिए खतरा उत्पन्न करती हो। इसीलिए हमारी सरकार ने लव जिहाद जैसी विकृति के खिलाफ 27 नवंबर 2020 को ही उत्तर प्रदेश विरुद्ध धर्म सम्परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम को पहले अध्यादेश और फिर विधिवत कानून बनाकर इसे प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू किया है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार नवंबर 2020 में उत्तर प्रदेश विरुद्ध धर्म समपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू होने के बाद से अब तक इस कानून के अंतर्गत प्रदेश में अब तक कुल 433 अभियोग पंजीकृत हो चुके हैं। उक्त अभियोगों में नामजद कुल 1229 अभियुक्त तथा विवेचना के दौरान प्रकाश में आए कुल 242 अभियुक्तों को मिलाकर 1471 आरोपितों पर कार्यवाही की है, जिसमें 855 गिरफ्तारियां हुईं हैं। अद्यतन स्थिति के मुताबिक 339 में आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किए जा चुके हैं तथा 184 पीड़िताओं द्वारा 164 दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत मा. न्यायालय के समक्ष अपने अभिकथन की पुष्टि की गई है। इनमें 66 अभियोग नाबालिगों से संबंधित है।

आर्यन मामला : समीर ...

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के मुंबई स्थित आवास पर छापामार कार्रवाई कर रही है। अभी तक सीबीआई की ओर से इस छापेमारी की अधिकृत जानकारी मीडिया को साझा नहीं की गई है। सीबीआई ने समीर वानखेड़े सहित चार लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है और आज दिल्ली, मुंबई, रांची और कानपुर समेत देश के 29 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि फिल्म अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को समीर वानखेड़े ने कार्डिलिया क्रूज ड्रग मामले में गिरफ्तार किया था। उस समय समीर वानखेड़े पर आर्यन खान के खिलाफ मामला दर्ज न करने के लिए 25 करोड़ रुपए रंगदारी मांगने का आरोप लगा था। इस मामले की जांच के लिए एनसीबी ने एसआईटी गठित की थी। एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर ही सीबीआई समीर वानखेड़े सहित चार लोगों पर मामला दर्ज करके देश के विभिन्न ठिकानों पर छापामार कार्रवाई कर रही है।

स्वर्वेद भाष्य

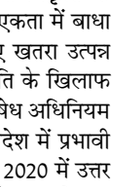

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(जिज्ञासू)

आरत दीन अधीन गुण, गति अनन्य गुरु सेव।
आस्तिक हँस विचार दृढ़, दीजे जन महँ देव॥ 09॥

शब्दार्थ : (आस्तिक) गुरु पर पूर्ण निष्ठा (अनन्य) एक शरण (विचार) विवेक (हँस) आत्मा।

भाष्य : हे देव! आरत, दीन, अधीन, दृढ़ विचार और आस्तिकता मुझे प्रदान करें, जिससे मै सद्गुरु का अनन्यशरण पवित्र भक्त हो आप की भक्ति करूं। सद्गुरु के अनन्यशरण भक्त द्वारा महाप्रभु की भक्ति होती है।

झूठ कपट अभिमान छल, गुरु पर कर परभाव।
चञ्चलता दुख मूल है, यह सब काल स्वभाव॥ 10॥

शब्दार्थ : (झूठ) असत्य (कपट) दो प्रकार का भाव (अभिमान) अहंकार (छल) धोखा, ठगना (चञ्चलता) स्थिरता का अभाव, (परभाव) माहात्म्य, व्यक्तित्व।

भाष्य : झूठ, छल, कपट, अभिमान, चंचलता और सद्गुरु पर अपने व्यक्तित्व का प्रभाव, ये सभी दु:खदायी काल के स्वभाव हैं।

मानस राष्ट्रीय उद्यान ने पिछले सात वर्ष की तुलना में सबसे अधिक राजस्व संग्रह किया

34 विदेशी देशों के 793 पर्यटक मनाह पहुंचे

बाक्सा (हिंस)। मानस उद्यान ने राजस्व संग्रह के मामले में इस वर्ष पिछले सात वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण को इन पर्यटकों से 1,35,62,500 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2022-23 में मानस में पर्यटकों से राजस्व संग्रह पिछले सात वर्षों की तुलना में सबसे अधिक हुआ है। पिछले वित्त वर्ष में 34 देशों से 793 विदेशी पर्यटकों ने मानस का दौरा किया, जबकि 33 राज्यों के 53,158 घरेलू पर्यटकों ने मानस का दौरा किया। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण को इन पर्यटकों से 1,35,62,500 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। उद्यान के अधिकारियों का यह भी दावा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय उद्यान के राजस्व में पिछले सात वर्षों में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, राष्ट्रीय उद्यान में अभी भी पर्यटकों का आगमन हो रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल माह में 6,551 और मई माह में अब तक एक हजार देशी-विदेशी पर्यटक राष्ट्रीय उद्यान में आ चुके हैं, जिनमें से 173 विदेशी पर्यटक भी हैं। दूसरी ओर, चालू वित्त वर्ष के पहले डेढ़ महीने में राष्ट्रीय उद्यान का पर्यटकों से राजस्व 18,15,625 रुपए है। मानस में पर्यटकों की संख्या और राजस्व में वृद्धि के संदर्भ में क्षेत्र निदेशक वैभव सी माथुर ने *मानस आवास और पर्यटन सोसाइटी* और जीप सफारी की शुरुआत का भी उल्लेख किया। मानस बाघ परियोजना के क्षेत्र निदेशक डॉ. वैभव सी माथुर ने उम्मीद जताई है कि चालू पर्यटन वर्ष में पर्यटकों की संख्या में और काफी इजाफा होगा।

डॉ. संगीता दत्ता के करतूत की इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी असम ने की निंदा

गुवाहाटी (विभास)। बाल उत्पीड़न के आरोपों में गिरफ्तार प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. संगीता दत्ता मामले में इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी असम शाखा ने कड़े शब्दों में इस घटना की निंदा की है। सोसाइटी के महासचिव डॉ. जयंत दत्ता व उपाध्यक्ष डॉ. दीपांजलि मेधी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस मामले में पीड़ित दोनों बच्चों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहित सभी पहलुओं में देखभाल करना बहुत जरूरी है। ऐसे में संबंधित विभागों से दोनों बच्चों की बेहतर देखभाल के अलावा उनके उचित पुनर्वास की मांग की गई है। साथ ही डॉ. संगीता दत्ता तथा अन्य आरोपियों के खिलाफ लगे संगीन आरोपों की गहन जांच एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की गई है। इसके अलावा पीड़ित दोनों बच्चों को जल्द से जल्द उचित न्याय दिलाने की मांग भी संस्था की ओर से की गई है।

रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। तथा उन्होंने सभी को नर्स दिवस की शुभकामनाएं दी तथा उन्होंने चिकित्सकों और नर्सों के अवदानों के बारे में अपने भाषण में बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि असम साहित्य सभा के मातृभाषा राज्य भाषा प्रयोग समिति के संयोजक हेमंत कलिता एवं रंगिया के प्रमुख पत्रकार दिनेश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन अस्पताल के कर्मचारी अमूल्य वैश्य ने किया। बैठक में अस्पताल के कई डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों ने भाग लिया। जिन्होंने नर्स दिवस की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान चिकित्सा कर्मियों ने केक काटकर उत्साह मनाया तथा नर्सों ने सुमधुर गीत गाकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में नर्सों को सम्मानित करने के साथ उन्हें उपहार भेंट किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त, एक गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिला के मेरापानी सीमावर्ती इलाके में सीआरपीएफ की टीम द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त किया गया। सीआरपी सूत्रों ने आज बताया है कि मेरापानी के असम-नगालैंड सीमावर्ती इलाके में सीआरपीएफ की 142वीं बटालियन द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान एक वाहन (एएस-05सी-0756) को जब्त किया गया। वाहन से 1,500 इंडोनेशिया की सिगरेट बरामद किया गया है। जब्त की गई सिगरेट की कीमत लाखों रुपए आंकी गई है। इस मामले में एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है।

अभामामस की पहल पर थैलेसेमिया से पीड़ित बच्ची के इलाज के लिए उठाए गए अहम कदम

रंगिया (विभास)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा की पहल पर रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन ने थैलेसीमिया से पीड़ित एक बच्ची के ईलाज की व्यवस्था कर सहायता का हाथ बढ़ाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंगिया के बिस्सेनाला निवासी रातुल कलिता की 5 वर्षीय बच्ची भूपश्री कलिता जन्म के तीन महीने के बाद से ही थैलेसीमिया नामक जटिल बीमारी से पीड़ित है। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन को बच्चे की बीमारी के बारे में खबर मिलने के बाद सदस्यों ने रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन को इसके बारे में बताया और मदद करने की अपील की। वहीं शुक्रवार को रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन अभामामस के सदस्यों के सहयोग से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अधिकारी नयनमनी कलिता के साथ पीड़ित बच्ची भूपश्री के घर में पहुचे और बच्ची की बीमारी के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर उसके मुफ्त इलाज के लिए बच्ची को आगामी सोमवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के माध्यम से आगे के इलाज के लिए बाहरी राज्य भेजने का कदम उठाया गया है।

मायुमं बेलतला शिखर शाखा ने सदस्यों व परिजनों को दिखाई *द केरला स्टोरी*

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच बेलतला शिखर शाखा ने सामाजिक एवं धार्मिक जागरूकता के उद्देश्य से शाखा सदस्यों व परिवारजनों को मैट्रिक्स सिनेमा हॉल में फिल्म द केरला स्टोरी दिखाया। सदस्यों की उपस्थिति से शो हाउसफुल रहा। शाखा की ओर से आयोजित इस शो में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया, प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश खटेड, प्रांतीय पदाधिकारियों में राहुल चमड़िया, प्रियांक जालान, प्रांतीय जनसंपर्क समिति सलाहकार संपत मिश्र एवं मंच की गुवाहाटी समृद्धि शाखा, कामाख्या शाखा, एवं गुवाहाटी शीरोज शाखा के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। शाखा मंत्री अविनाश अग्रवाल ने शाखा की ओर से आयोजित इस शो में पधारने के लिए सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं शाखाध्यक्ष संदीप पोद्दार

ने कहा कि द केरला स्टोरी फिल्म समाज की युवतियों के लिए अपने धर्म एवं परंपरा के प्रति जागरूकता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि जल्द ही वे महिला सदस्यों के लिए इस फिल्म का एक शो और दिखाने का प्रयास करेंगे। फिल्म प्रदर्शन के पश्चात मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने कहा कि यह फिल्म एक कहानी पर आधारित है। कहानी एक राइटर लिखता है, उसे निर्देशित किया जाता है और प्रायोजक उसे प्रस्तुत करता है।

एसएसबी ने अभियान चलाकर भूटानी शराब सहित दो तस्कर पकड़े

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा सशस्त्र बल (एसएसबी) की छठीं वाहिनी, रानीधुली ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भूटानी अवैध शराब जब्त किया। मिली जानकारी के अनुसार भारत-भूटान पिलर संख्या-172/3 से लगभग 2 किलोमीटर दूरी पर अभियान चलाकर मारुती 800 (नं. एएस 01 एच 2763) में लदे अवैध भूटानी शराब को ले जाते तस्तकर को भी गिरफ्तार किया। तस्कर के पास से वीवो माबाईल फोन भी बरामद किया। इसके अलावा एसएसबी की टीम ने भारत-भूटान पिलर संख्या-169/5 से लगभग 600 मीटर दूरी पर सीमा चौकी दादगिरी में टीवीएस स्कूटी (नं. एएस26-डी-0912) पर ले जाते भूटानी ब्लैक माउंटेन विस्की 06 बोतल (750 एमएल) तथा भूटानी स्ट्रांग बियर ड्रंक 1000 (650 एमएल) 60 बोतल के साथ एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए सामग्री शराबों की कुल कीमत 1,61.336 /- रुपए आंकि गई है। जब्द शराब सहति दोनों तस्करों को कस्टम स्टेशन हातीसार को सौंप दिया गया।

आग में अगरबत्ती और आइसक्रीम की डंडी बनाने वाला उद्योग जलकर राख

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका सोनापुर थाना क्षेत्र के सरुतरी इलाके में स्थित एक उद्योग में शुक्रवार तड़के अचानक आग लगने की वजह से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार अगरबत्ती और आइसक्रीम की डंडी बनाने वाली एसेंट बेंबू इंडस्ट्री में आग लगने की खबर मिलते ही गुवाहाटी, सोनापुर और मेघालय के बर्नीहाट की अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची। लगभग 7 घंटे से अधिक समय की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। घटना के समय फैक्ट्री के अंदर एक भी कर्मचारी काम नहीं कर रहा था। वहीं अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया नियमों को ताक पर रखकर उद्योग को चलाया जा रहा था। अग्निशमन विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की एनओसी इस उद्योग को नहीं दिया गया था। हम इस मामले की गंभीरता से जांच करेंगे और कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गुवाहाटी के सौभाग्य शर्मा कनिष्ठतम समाजसेवा पुरस्कार से सम्मानित

गुवाहाटी। गुवाहाटी के सौभाग्य शर्मा ने 7 मई को मुंबई में आयोजित ग्लोबल एक्सीलेंस अवार्ड्स 2023 में पशु कल्याण के क्षेत्र में वर्ष की सबसे कम उम्र की सामाजिक कार्यकर्ता का सम्मान प्राप्त किया है। वह एक पशु प्रेमी और डॉग मदर के रूप में प्रसिद्ध माधुरी दीक्षित नेने से पुरस्कार प्राप्त करके बहुत खुश हुए। सौभाग्य हमेशा आवारा पशुओं के प्रति बहुत सहानुभूतिपूर्ण और दयालु रही है। अपनी किशोरावस्था से ही पालन-पोषण के प्रति रुचि रखनेवाली सौभाग्य जब एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइन कंपनी के साथ एचआर. टीम में काम कर रही थी, तब वह अक्सर अपने खाली समय में पशु आश्रयस्थलों, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में स्वयंसेवा करती थीं। उन्होंने फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल प्रोटेक्शन ऑर्गनाइजेशन, पेटा इंडिया, पीएफए और कई अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर सरकारी संगठनों के साथ स्वेच्छापूर्ण काम किया है। अपनी इच्छा को प्राथमिकता देते हुए, उन्होंने एलमिरा स्ट्रेंज, यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, यूके और मुंबई में अक्षय कावले के सेल्टिक लर्निंग सॉल्यूशंस के तहत पशु संचार और मनोविज्ञान में डिप्लोमा किया है। सभी बेजुबानों की आवाज बनना और क्रूरता को मिटाकर समाज में दया का भाव उजागर करना ही उनका लक्ष्य है।

मरियामपुर में फूड प्वाइजनिंग से एक महिला की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। जिले के धुपधारा के मरियामपुर में फूड पॉइजनिंग से एक महिला की मौत हो गई। महिला का इलाज ग्वालपाड़ा जिला सदर अस्पताल में चल रहा था। शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व फूड प्वाइजनिंग के चलते पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित दो सौ से अधिक लोगों को गंभीर रूप से बीमार होने के बाद विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में 141 लोगों का इलाज चल रहा है। धूपधारा मॉडल अस्पताल में 74 का इलाज चल रहा है। वहीं 27 लोगों का इलाज रंगजुली अस्पताल में, 13 का दुधनोई अस्पताल में और 13 लोगों का ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच आईसीयू में रखे गए तीन लोगों की हालत अभी गंभीर बनी हुई है।

नगरबेड़ा के भखुराड़िया में बाढ़ प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा बैठक

नगरबेड़ा। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की पहल के तहत एक अग्रणी स्वयंसेवी संगठन, आमार प्रयास गोष्ठी ने आज नगरबेड़ा राजस्व सर्कल के तहत भखुराड़िया ग्राम पंचायत में बाढ़ प्रबंधन तैयारी बैठक का आयोजन किया। पंचायत अध्यक्ष महफूजा यास्मीन द्वारा आयोजित बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और बाढ़ की तैयारी का संकल्प लिया। एनजीओ के ब्लॉक समन्वयक अनवर हुसैन ने बाढ़ आपदा पर एक प्रारंभिक भाषण दिया और प्राथमिक चिकित्सा, बचाव और जांच के लिए असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गई सामग्री का उपयोग करके कुछ कला तकनीकों का प्रदर्शन किया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि आमार प्रयास के कंचन माला, बाहातन नेसा, जीविका सखी बसीरन नेसा के ग्राम पंचायत समन्वयकों ने भखुराड़िया, उत्तरी रांगापानी और रंगेश्वरी राजस्व

गांवों की ग्राम आपदा प्रबंधन समितियों का भी गठन किया। पता चला है कि सामरिया प्रखंड की 15 पंचायतों में इस तरह की बैठकें कर आमार प्रयास गोडीं जनता में जागरूकता बढ़ाकर बाढ़ आपदा से निपटने में सक्षम प्रखंड बनाने का प्रयास कर रहा है।

मेघालय के फ्रेडी जिर्वा ने युनाइटेड वी प्ले के तीसरे सीजन के ट्रायल में की सफलता हासिल

गुवाहाटी। मेघालय के फ्रेडी जिर्वा ने मुंबई में आयोजित युनाइटेड वी प्ले के तीसरे सीजन के ट्रायल के अंतिम दौर में सफलता हासिल की और तीन अन्य प्रतिभागियों के साथ बाद में मैनचेस्टर जाने के लिए जीवन में एक बार आने वाले अवसर के लिए अपने चयन की पुष्टि की। इस साल मैनचेस्टर युनाइटेड के सहयोग से अग्रणी टायर निर्माता अपोलो टायर्स द्वारा आयोजित, पूरे भारत के 6600 से अधिक युवा फुटबॉलरों ने इस वर्ष कार्यक्रम में भाग लिया। यूनाइटेड वी प्ले ट्रायल का अंतिम दौर मैनचेस्टर यूनाइटेड के दिग्गज और सर्वकालिक महान डेनिस इरविन की उपस्थिति में आयोजित किया गया था, जो फ्रेडी की फुटबॉल प्रतिभा और परीक्षण के दौरान पिच पर प्रदर्शित सूक्ष्मता से काफी प्रभावित थे। मुंबई में आयोजित फिनाले में, चार युवा फुटबॉलरों-फ्रेडी के साथ मणिपुर के थांगमिनलुन तौथांग, गोवा के आर्यव दा कोस्टा और मुंबई के नियाल गोघवाला को ओल्ड ट्रैफर्ड का दौरा करने के लिए जीवन भर के अवसर के लिए चुना गया था। 17 वर्षीय फ्रेडी जिरवा के फुटबॉल खेलने के सपनों को उसकी मां ने पूरा किया है, जो एक मजदूर के रूप में काम करती है और फ्रेडी के पिता के कुछ साल पहले निधन हो

जाने के बाद से उसे अपने दम पर पाला है। मेघालय के शिलांग का रहने वाला यह लड़का दसवीं कक्षा का छात्र है और ब्राजील के सुपरस्टार नेमार को अपना पसंदीदा खिलाड़ी मानता है। उन्होंने शिलॉन्ग में आयोजित ट्रायल के शुरुआती दौर को पास किया, उसके बाद गुवाहाटी में दूसरे चरण के ट्रायल में, जहां से उन्होंने मुंबई में ग्रैंड फिनाले के लिए क्वालीफाई किया, जहां उन्होंने जजों को अपनी कार्य दर और कौशल से प्रभावित किया। यूनाइटेड वी प्ले पहल ने पहली बार भारत के बाहर थाईलैंड, नेपाल और यूएई की यात्रा की, जहां 1000 से अधिक बच्चों ने ट्रायल में हिस्सा लिया। ओल्ड ट्रैफर्ड के एक्सपोजर टूर के लिए भारत के चार खिलाड़ियों के अलावा तीनों देशों के एक-एक युवा फुटबॉलर की भी पहचान की गई है। युनाइटेड वी प्ले का तीसरा सीजन 5 व्यापक चरणों में आयोजित किया गया था जिसमें कार्यशालाएं और मास्टरक्लास शामिल थे।

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tender in F-2 form affixing Court Fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and twenty five paise) only with a validity period of 180 (one hundred and eighty) days are invited from Registered APWD (Building) Contractors for the work as detailed in the table below:-

Table

Sl. No.	Name of work	Estimated value of work (Approx)	Bid Security/ Earnest money	Cost of tender Paper	Date of Application	Date of issue of tender paper	Time & date of receiving/ opening of Tender	Time of completion	Eligibility of contractor
1	Repairing/renovation of the office chamber of chairman, Assam Administrative Tribunal, GAD Building, Panbazar	Rs. 17,94,291.00	2% for general and 1% for reserved category	Rs. 600.00	15.05.2023 to 16.05.2023 upto 4-00 PM	18.05.2023 to 19.05.2023 up to 4-00 PM	Receiving up-to 2-00 PM of 03.062023 and opening at 2-30 PM of 03.06.2023	60 (Sixty) days	Registered APWD (Building) Class-I (A, B, C), Class-II (Under Guwahati Bldg. Circle-II) and Class-III (Under this Division)

Detailed particulars may be seen during office hours of any working days in the office of the undersigned. Contractors will have to submit application for tender paper along with self attested copy of current APWD Registration Certificate, GST Registration, Pan Card, Labour Licence and cost of tender paper as detailed above in the form of Bank Draft/Banker Cheque drawn in any Nationalized Bank in favour of Executive Engineer, P.W.D., Dispur & Guwahati East Territorial Building Division, Fancy Bazar, Guwahati-1. Tender paper will be issued to the contractors or to their authorized agents up-to 4.00 PM in working day as mentioned above from the office of the undersigned. Bid security in the form of FDR/CDR duly pledged in favour of the Executive Engineer, P.W.D., Dispur & Guwahati East Territorial Building Division, Fancy Bazar, Guwahati-1 is to be submitted along with the tender paper.

Performance Security/Security Deposit Money as per norms and additional Performance Security as per Chief Engineer PWD (Building)'s letter No-BN/12/82/Pt.-1/84, dt. 15.02.2011 if required is to be furnished by the successful bidder when notified.

If for any reason, the last date of receiving and opening of tender is declared as holiday, the same will be received and opened on the next working day.

The undersigned will be the sole authority to cancel any tender without showing any reason.

NB:-
1. Prospective bidders are suggested to visit the proposed work site before submission of tender.
2. This Short NIT will form a part of the tender agreement.
3. The bidder should possess valid Electrical license for executing Electrical works of the project for Si No. (1) above table. In case the bidder is not in possession of such license, the bidder must enter into collaboration /tie-up arrangement with such license holder having requisite experience. Such tie-up must be registered in court for carrying out Electrical works. Necessary documents should be furnished along with the tender.

Sd/-
Executive Engineer P.W.D.
Dispur & Guwahati East Territorial
Building Division, Guwahati-1

-- Janasanyog /C/2670/23

भेदभावरहित योजना बनाना और लाभ पहुंचाना ही सच्ची धर्मनिरपेक्षता : प्रधानमंत्री मोदी

गांधीनगर/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक न्याय को लेकर कहा कि हमारी सरकार योजना बनाते या लाभ पहुंचाते समय धर्म या जाति नहीं देखती, यही असली धर्मनिरपेक्षता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश का विकास दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के गांधीनगर में लगभग 4,400 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इन परियोजनाओं में शहरी विकास विभाग, जल आपूर्ति विभाग, सड़क एवं परिवहन विभाग और खान एवं खनिज विभाग आदि की 2450 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन शामिल है। प्रधानमंत्री ने लगभग 1950 करोड़ रुपये की पीएमएवाई (ग्रामीण और शहरी) परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इसीं कार्यक्रम के दौरान योजना के लाभार्थियों को चाबियां सौंपकर योजना के तहत बनाए गए लगभग 19,000 घरों के गृह प्रवेश में भाग लिया। उन्होंने वीडियो लिंक के जरिए लाभार्थियों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा,

ह्लआज हमारी सरकार हर अभाव को दूर करते हुए, हर गरीब तक खुद पहुंचने का काम कर रही है। लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए हमारी सरकार न जाति देखती है और न ही धर्म देखती है। क्योंकि मैं सोचता हूं कि जहां कोई भेदभाव नहीं है वहीं तो सच्चा धर्मनिरपेक्षता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए देश का विकास दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता है। अभी गुजरात में भाजपा की सरकार बने कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन विकास ने जो रफ्तार पकड़ी है उसे देखकर आनंद आ रहा है, एक सुखद अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि पुरानी विफल नीतियों के साथ आगे बढ़ने से न तो देश का भाग्य बदल सकता है और न ही देश सफल हो सकता है। पिछली सरकारों और आज की सरकार के दृष्टिकोण और दृष्टिकोण में बहुत अंतर है। हम वास्तव में गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम-आवास योजना ने आवास क्षेत्र को बदल दिया है। इससे खास-ाकर गरीब और मध्यम वर्ग को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद हमने गरीबों के घर को सिर्फ एक पक्की छत तक सीमित नहीं रखा, बल्कि हमने घर को गरीबी से लड़ाई का एक ठोस आधार बनाया। 'पीएम आवास योजना' गरीबों के साथ महिला सशक्तिकरण को भी बहुत बड़ी ताकत दे रही है। पिछले 9 वर्षों में करीब-करीब 4 करोड़ पक्के घर गरीब परिवारों को मिल चुके हैं। इनमें करीब 70 प्रतिशत घर महिला लाभार्थियों के नाम पर हैं। उन्होंने कहा कि पहले रियल एस्टेट सेक्टर में मनमानी चलती थी, धोखेबाजी की शिकायत आती थी। मध्यम वर्ग के परिवारों को सुरक्षा देने के लिए कोई कानून नहीं था। हमने एक रेरा कानून बनाया, इससे मध्यम वर्ग के परिवारों को सुरक्षा मिली है। भाजपा सरकार देश में बढ़ते शहर-ीकरण के कारण भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब हो या मध्यम वर्ग, लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता तभी संभव है जब उन्हें रहने के लिए शुद्ध और स्वच्छ वातावरण मिले; उसी को सुनिश्चित करने के लिए हमारा देश एक मिशन मोड पर है। 2014 में देश में केवल 14-15 प्रतिशत कचरा प्रसंस्करण होता था जबकि आज यह 75 प्रतिशत है।

कृषि व सम्बद्ध उत्पादों का निर्यात 04 लाख करोड़ रुपये के पार : तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत का कृषि व सम्बद्ध उत्पादों का निर्यात 04 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली व किसानों के लिए मूल्य समर्थन प्रणाली विश्व में अद्वितीय हैं। अनाज, फल, सब्जियां, दूध, अंडे, मछली जैसी कई वस्तुओं के उत्पादन में हम अग्रणी देश हैं। तोमर ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सदस्य देशों के कृषि मंत्रियों की 8वीं बैठक को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि एससीओ के सदस्य देश स्मार्ट कृषि परियोजनाओं को अंगीकृत कर रहे हैं। इस दिशा में भारत में भी व्यापक स्तर पर कदम उठाए गए हैं। कृषि क्षेत्र को तकनीक से जोड़ा गया है। जिससे किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ मिल रहा है। भारत बहुपक्षीय, राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक व जन-जन के बीच संवाद को बढ़ावा देने में एससीओ के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। उन्होंने कहा कि एससीओ के कृषि मंत्रियों की बैठक आयोजित करना, विशेष रूप से वर्तमान स्थिति में खाद्य सुरक्षा व पोषण में सहयोग सुदृढ़ करने पर चर्चा करना हमारे लिए प्रसन्नता व गर्व की बात है। तोमर ने कहा कि

वर्तमान स्थितियों में खाद्य आपूर्ति श्रृंखला की सामान्य कार्यपद्धति बनाए रखने के लिए खाद्य व पोषण सुरक्षा के लिए विभिन्न देशों के बीच घनिष्ठ संपर्क व सहयोग की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि भारत कृषि क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा नियोक्ता है, जहां हमारी आधी से अधिक आबादी कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों से जुड़ी हुई है, वहीं भारत, अनेक देशों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों का प्रतिनिधित्व भी करता है। इसका महत्व इससे भी जाहिर होता है कि भारत में वर्ष 2013-14 से 10 साल में कृषि व सम्बद्ध क्षेत्रों के बजट आवंटन में 5 गुना से ज्यादा वृद्धि हुई है। गत वर्षों के दौरान भारत ने कृषि क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया, खाद्यान्न उत्पादन के साथ वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान देते हुए निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की और कृषि एवं सम्बद्ध उत्पादों का निर्यात 04 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में भारत सहित रूस, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, चीन एवं पाकिस्तान ने भाग लिया।

टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर अमित के भाई ने गोली मारकर की खुदकुशी

अजय कुमार

नई दिल्ली। गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर अमित दबंग के भाई मोहित उर्फ बंटी (25) ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसे अपने घर में गोली लगने के बाद लहुलूहान स्थिति में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बंटी ताजपुर कला गांव में तीन मंजिला मकान में अपने परिवार के साथ रहता था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया 11 मई की शाम मोहित पत्नी के साथ घर वापस आया। कुछ देर तक उसने सबके साथ बैठकर बातचीत और फिर अपने घर के से-

कंड फ्लोर पर चला गया। अचानक सभी को गोली चलने की आवाज सुनाई दी। जब परिवार के लोग उस कमरे में पहुंचे तो बंटी का शव खून से लथपथ पाया गया। उसे तुरंत सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस कमरे में उसने आत्महत्या की, वहां से पुलिस को 9 एमएम की पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। मृतक बंटी गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया के गैंग का शार्प शूटर अमित दबंग का भाई था। उस पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं था। वह आपने भाई से अलग खेती का काम संभालता था। शार्प शूटर अमित दबंग पिछले 6 सालों से जेल में है और उसका एक और छोटा भाई मोनू है, जो पहले जेल में था और कुछ महीने पहले ही बाहर आया है। फिलहाल अलीपुर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने सीबीएसई 12वीं कक्षा की परीक्षा उतीर्ण करने वालों को दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले सभी एग्जाम वॉरियर्स को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में कहा, मैं उन सभी एग्जाम वॉरियर्स को बधाई देता हूं जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। मुझे इन युवाओं पर उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के लिए गर्व है। मैं युवाओं की सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई देता हूं। उन्होंने एक

अन्य ट्वीट में कहा, मैं उन होनहार युवाओं से कहना चाहता हूं जो महसूस करते हैं कि वे बारहवीं कक्षा की परीक्षा में बेहतर कर सकते थे - आपके पास आने वाले समय में आगे देखने के लिए बहुत कुछ है। परीक्षाओं का एक सेट आपको परिभाषित नहीं करता है। अपनी प्रतिभा का उपयोग करें। जिन क्षेत्रों में आप भावुक हैं। आप चमकेंगे!

आबकारी घोटाला के सीबीआई मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 2 जून तक बढ़ी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 2 जून तक बढ़ा दिया है। कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले पर सुनवाई की तिथि भी 2 जून को नियत कर दिया। आज मनीष सिसोदिया की इस मामले में न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई ने 25 अप्रैल को इस मामले में दिल्ली में पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को भी आरोपित किया है। पूरक चार्जशीट में मनीष सिसोदिया के अलावा बुची बाबू, अर्जुन पांडेय और अमनदीप ढल को भी आरोपित किया गया है। बुची बाबू

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसी राव की बेटी के. कविता के सीए रह चुके हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने 25 नवंबर, 2022 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 15 दिसंबर, 2022 को चार्जशीट पर संज्ञान लेकर आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 7, 7ए और 8 के तहत आरोप तय किए थे। इन आरोपितों में कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लै, मुत्थू गौतम और समीर महेंद्रू हैं।

किंगमेकर नहीं, किंग बनना चाहते हैं कुमारस्वामी

- कर्नाटक में किसी भी पार्टी को बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है!

बैंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में बीते 10 मई को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। इसके बाद मीडिया और सर्वे एजेंसियों द्वारा एग्जिट पोल जारी किया गया, जिसमें किसी को भी पूर्ण बहुमत मिलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, सर्वे में जो सबसे अहम दावा किया जा रहा है वो यह है कि जेडीएस किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। हालांकि, अभी चुनावी नतीजे आने में आज भर का समय है। 13 मई को सरकार बनने की तस्वीर साफ हो जाएगी, लेकिन उससे पहले ही जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू हो गई है। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जनता दल (सेक्युलर) ने दावा किया है कि उनसे गठबंधन करने के लिए भाजपा और कांग्रेस कोशिश में जुट गई है। कई चुनावी विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की है कि कर्नाटक में त्रिशंकु विधानसभा में कांग्रेस को बढ़त मिल सकती है, जद (एस) लगभग 30 सीटें जीतकर किंगमेकर के रूप में उभर रहा है। जद (एस) के सूत्रों ने संभावना की उम्मीद करते हुए कहा कि पार्टी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी अब न केवल किंगमेकर बनने जा रहे हैं, बल्कि ह्यकिंगह्न बनने के लिए भी तैयार हैं। जद (एस) के राष्ट्रीय प्रवक्ता तनवीर अहमद ने कहा कि दोनों राष्ट्रीय पार्टियां कांग्रेस और भाजपा चुनाव के बाद गठबंधन बनाने के लिए उनकी पार्टी तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दोनों राष्ट्रीय दल निश्चित रूप से हम तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम उचित समय पर फैसला लेंगे। अभी मैं आपको बता सकता हूं कि हम कर्नाटक की बेहतरी के लिए फैसला लेंगे। सूत्रों के अनुसार पार्टी कार्यकताओं से जमीनी स्तर पर रिपोर्ट मिलने के बाद कुमारस्वामी सिंगापुर के लिए उड़ान भर गए और वहां से राष्ट्रीय दलों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि जद (एस) ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा की इच्छा के अनुसार कांग्रेस के साथ जाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देवेगौड़ा और उनके बेटे कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बनेंगे। विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, जो गौड़ा परिवार के कट्टर विरोधी हैं, उनको गठबंधन का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, क्योंकि जद (एस) के नेताओं द्वारा कांग्रेस से उन्हें दूर रखने के लिए कहने की पूरी संभावना है। कई एग्जिट पोल ने भविष्यवाणी की है कि कर्नाटक में कांग्रेस को बढ़त मिलेगी, जो कि भाजपा का दक्षिणी गढ़ है, त्रिशंकु विधानसभा में उनमें से कुछ ने यह भी अनुमान लगाया है कि कांग्रेस पार्टी को अपने दम पर बहुमत मिल सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी के रथ पर सवार बीजेपी जहां 38 साल पुराने चुनावी झंझट को तोड़ने की कोशिश कर रही है, जहां राज्य ने 1985 के बाद से सत्ता में आने वाली पार्टी को कभी वोट नहीं दिया। वहीं कांग्रेस मनोबल बढ़ाने वाली जीत की उम्मीद कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी सचिव का ट्रांसफर नहीं कर रहा केंद्र : केजरीवाल

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग मामले पर फैसला आने के बाद दिल्ली सरकार एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट के सामने सर्विसेज विभाग के सचिव के ट्रांसफर का मुद्दा उठाया गया है। शुक्रवार को केजरीवाल सरकार ने आरोप लगाया है कि केंद्र अधिकारियों का ट्रांसफर नहीं करने दे रहा है. दिल्ली सरकार ने सीजेआई के समक्ष कहा कि केंद्र दिल्ली सरकार के सर्विसेज विभाग के सचिव का ट्रांसफर नहीं कर रहा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सीजेआई ने दिल्ली सरकार से कहा है कि वो अगले हफ्ते बेंच का गठन करेंगे। उल्लेखनीय है कि बीते 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि अधिकारियों की पोस्टिंग व ट्रांसफर का अधिकार दिल्ली सरकार के पास होगा। इसके बाद केजरीवाल सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपने विभाग के सचिव को बदल दिया है। दिल्ली सरकार के सर्विसेज विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सचिव को बदलने का आदेश जारी कर दिया है। इसमें आशीष मोरे को सर्विसेज सचिव पद से हटाया गया। उनकी जगह पर

अनिल कुमार सिंह सर्विसेज के नए सचिव बनाए गए हैं। वह 1995 के आईएएस अधिकारी हैं और जल बोर्ड के सीईओ भी रह चुके हैं। ट्रांसफर के मुद्दे पर एक बार फिर दिल्ली में टकराव देखने को मिला। यह टकराव उस वक्त सामने आया, जब उससे कुछ देर पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया था। आशीष मोरे के ट्रांसफर को एलजी दफ्तर की तरफ से अवैध बताया गया। दिल्ली एलजी सचिवालय और सेवा विभाग के सूत्रों ने दावा किया है कि सचिव सेवा का ट्रांसफर अवैध, मनमाना और निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन किये बिना है। सूत्रों ने दावा किया है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आधिकारिक प्रति आने से पहले मंत्री के आदेश आ गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए स्पष्ट रूप से कहा था कि पुलिस, पब्लिक आर्डर और लैंड का अधिकार केंद्र के पास ही रहेगा।

अजीत पवार ने महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक स्थिति के लिए नाना पटोले को जिम्मेदार ठहराया

- राज ठाकरे ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का फैसला भ्रम फैलाने वाला

मुंबई, (हि.स.)। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने कहा कि महाराष्ट्र की वर्तमान राजनीतिक स्थिति के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले जिम्मेदार हैं। नाना पटोले ने विधानसभा अध्यक्ष का इस्तीफा देते समय महाविकास आघाड़ी के सहयोगी दलों को विश्वास में नहीं लिया था। इस्तीफा देने के बाद पटोले ने इसकी जानकारी तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित अन्य नेताओं को दी थी। अजीत पवार ने शुक्रवार को पुणे में पत्रकारों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सभी को सबक लेना चाहिए। इस फैसले में कहा गया है कि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया था, इसलिए पूर्व स्थिति बरकरार नहीं रखी जा सकती है। अजीत पवार ने कहा कि उद्धव ठाकरे के इस्तीफे पर कई बार चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि नाना पटोले को विधानसभा के अध्यक्ष पद से इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। नाना पटोले के इस्तीफा देने के बाद अध्यक्ष

पद काफी समय तक रिक्त रखा गया था। अगर नाना पटोले अध्यक्ष पद पर रहते तो वे तत्काल 16 विधायकों को निलंबित कर देते, तो मामला यहां पहुंचता ही नहीं। अजीत पवार ने कहा कि वर्तमान समय में दलबदल कानून बेमतलब साबित हो रहा है। इसी वजह से देश में कई जगहों पर इस तरह की घटना हो रही है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र नवनिर्माण पार्टी (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने ठाणे जिले में शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला भ्रम फैलाने वाला है। कोर्ट ने सारी प्रक्रिया को गलत बताया है और यह भी कहा है उद्धव ठाकरे को इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। राज ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना अध्यक्ष को मान्यता दी है, जबकि चुनाव आयोग अलग निर्णय ले चुका है। चुनाव आयोग भी स्वतंत्र संस्थान है और सुप्रीम कोर्ट भी। राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे के बारे में कोई भी बयान देने से मना कर दिया। राज ठाकरे ने कहा कि अगर उद्धव ठाकरे सावधान रहते, तो यह स्थिति उत्पन्न न होती।

मैं किसी दल के लिए नहीं हिंदुओं को न्याय दिलाने निकला हूं

छिंदवाड़ा (ईएमएस)। फायर ब्रांड नेता और अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगडियां गुरुवार को छिंदवाड़ा आए। यहां उन्होनें पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वे किसी दल और पार्टी के गुलाम नहीं है और वे देश के करोड़ों हिंदुओं को न्याय दिलाने के लिए भारत यात्रा पर निकलें हैं। उन्होंने कहा कि मंदिरों का उत्थान जरूरी है लेकिन देश के करोड़ों हिंदुओं के हित में भी काम किया जाना जरूरी है। सरकार मंदिरों का निर्माण कराए लेकिन साथ में हिंदुओं को रोजगार भी दिलाएं।

कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर चीन ने बढ़ाई फीस, 2 लाख रुपए के करीब पहुंचा खर्च

- यात्रा के लिए एक मई से शुरू हो गया रजिस्ट्रेशन

देहरादून (ईएमएस)। चीन ने कैलाश-मानसरोवर यात्रा के लिए वीजा देने शुरू कर दिए हैं, जो तीन साल से बंद रही। चीन ने यात्रा के नियम बेहद कड़े कर दिए हैं। यात्रा पर लगने वाले कई तरह की फीस दोगुनी कर दी है। अब भारतीयों को यात्रा के लिए 1.85 लाख रुपये खर्च करने होंगे। अगर तीर्थयात्री अपनी मदद के लिए नेपाल से किसी वर्कर या हेल्पर को साथ रखेगा तो 24 हजार रु. एक्सट्रा चुकाने होंगे। इस शुल्क को ग्रास डैमेजिंग फी कहा गया है। चीन का तर्क है कि यात्रा के दौरान कैलाश पर्वत के आसपास की घास को नुकसान पहुंचता है, जिसकी भरपाई यात्री से ही की जाएगी। भारत में उत्तराखंड के जरिये होने वाली कैलाश यात्रा 2019 से बंद है, लेकिन नेपाल के जरिये ये यात्रा शुरू की जा रही है। इसके लिए 1 मई से रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो गया है। चीन ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी अब्दुल रऊफ अजहर के नाम को ब्लैक लिस्ट में डालने के भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आपत्ति जताई। रऊफ मसूद का भाई है। चीन ने जेम के अब्दुल रऊफ को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अल कायदा की प्रतिबंधित लिस्ट में डालने के भारत के प्रस्ताव का विरोध किया।

रऊफ अजहर पर अमेरिका ने दिसंबर 2010 में प्रतिबंध लगाए थे। अगस्त 2022 में भी भारत ने रऊफ अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया था, तब भी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में चीन ने वीटो के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए प्रस्ताव रोक दिया था।

मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) को बम से उड़ाने की एक बार फिर धमकी मिली है। यह धमकी एक मेल के जरिए गुरुवार शाम को भेजी गई थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने स्कूल की तलाशी ली, लेकिन मामला झूठा निकला। डीसीपी राजेश देव ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार शाम करीब 6.17 बजे ई-मेल के जरिये सूचना प्राप्त हुई थी। जिसमें लिखा था, "मैं 12 मई को सुबह 11 बजे स्कूल में विस्फोट करने वाला हूं।" उसके बाद एसीपी, एसएचओ की देखरेख में थाना हजरत निजामुद्दीन से पुलिस टीम स्कूल पहुंची। इसी बीच बम निरोधक दस्ता भी टीम के साथ मौके पर पहुंची।

पुलिस के अनुसार खोजी कुत्तों के साथ बीडीएस टीम ने पूरे स्कूल की तलाशी ली। साथ ही स्कूल के स्टाफ की मदद से स्कूल की मैन्युअल तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। डीसीपी ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पिछले महीने भी इसी स्कूल में बम रखे होने की सूचना मिली थी। यह दूसरी बार है जब स्कूल में बम रखे होने की झूठी सूचना दी गई है। इससे पहले 26 अप्रैल को भी स्कूल में बम होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई थी। जांच के दौरान स्कूल में बम या कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली थी। जांच में पता चला कि मेल एक छात्र का है, लेकिन उसने पूछताछ में मेल भेजने से इनकार कर दिया।

ब्रह्मोस, पृथ्वी सहित छह मिसाइलों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित

कोलकाता की साइंस सिटी स्थित मिसाइल पार्क में

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता की साइंस सिटी स्थित मिसाइल पार्क में दर्शकों के लिए ब्रह्मोस, पृथ्वी और चार अन्य मिसाइलों की वास्तविक आकार वाली प्रतिकृतियां प्रदर्शित की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि यह रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की महान प्रगति को प्रदर्शित करने की कवायद का हिस्सा है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की इकाई ह्यसेंटर फॉर मिलीमीटर-वेव सेमीकंडक्टर डिवाइसेज एंड सिस्टम्स (सीएमएसडीएस) और कोलकाता की साइंस सिटी ने संयुक्त रूप से यह मिसाइल पार्क विकसित किया है,ताकि लोगों को इन प्रतिकृतियों के द्वारा देश के मिसाइल विकास कार्यक्रम से अवगत कराया जाए। भारत के ह्यमिसाइल मैनह्न पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा भी पार्क में स्थापित है। जब

कोई दर्शक प्रतिमा के सामने आकर खड़ा होता है, तब एक ऑडियो कमेंट्री अपने आप चालू हो जाती है जो देश के मिसाइल कार्यक्रम की जानकारी देती है। साइंस सिटी के निदेशक अनुराग कुमार ने कहा, लोग गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान अपने टेलीविजन सेट पर आमतौर पर जो मिसाइल देखते हैं, वे अब साइंस सिटी में देख सकते हैं। हमने दर्शकों को मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की महान प्रगति की जानकारी देने के लिए मिसाइलों की प्रतिकृतियों के साथ एक मिसाइल पार्क स्थापित किया है। हमें उम्मीद है कि यह मिसाइल पार्क युवाओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।ह्लह्न यह पार्क 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर खोला गया। इसमें लोग भारत की छह महत्वाकांक्षी मिसाइलों ब्रह्मोस, पृथ्वी, मिशन शक्ति, आकाश, अस्त्र और नाग की प्रतिकृतियां देख सकते हैं।

एएसआई करेगी काशी विश्वेश्वरनाथ स्वयं भू शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच

--बिना क्षति पहुंचाए शिवलिंग की आयु का पता लगाने के जांच की मिली अनुमति
--लक्ष्मी देवी व अन्य का केस खारिज करने का अधीनस्थ अदालत का आदेश रद्द

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी-विश्वनाथ मंदिर परिसर में सर्वे के दौरान मिले शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच व साइंटिफिक सर्वे की मांग में दाखिल याचिका स्वीकार कर ली है और एएसआई को बिना क्षति पहुंचाए शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच करने का आदेश दिया है। वाराणसी की अधीनस्थ अदालत ने सुप्रीम कोर्ट की यथास्थिति कायम रखने के आदेश के चलते कार्बन डेटिंग जांच कराने से इंकार कर दिया था। जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने वाराणसी की अदालत के आदेश को रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्र ने लक्ष्मी देवी व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी ने पक्ष रखा। याचिका पर अधिवक्ता हरिशंकर जैन व विष्णु शंकर जैन, ज्ञानवापी मस्जिद की तरफ से एसएफए नकवी ने पक्ष रखा। कोर्ट ने भारत सरकार के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह से पूछा था कि क्या शिवलिंग को नुकसान पहुंचाए बगैर कार्बन डेटिंग से जांच की जा सकती है,क्योंकि इस जांच से शिवलिंग की आयु का पता चलेगा। एएसआई ने कहा बिना क्षति शिवलिंग की कार्बन डेटिंग की जांच की जा सकती है। मालूम हो कि ज्ञानवापी परिसर में 16 मई 22 को कमीशन की कार्यवाही के दौरान मिले कथित शिवलिंग का साइंटिफिक सर्वे एएसआई से कराए जाने की मांग को लेकर दाखिल वाद जिला अदालत वाराणसी ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट कर रही है।

ऐसे में सिविल कोर्ट को आदेश पारित करने का अधिकार नहीं है। जिला जज वाराणसी के 14 अक्टूबर 2022 को कार्बन डेटिंग की मांग वाली अर्जी खारिज करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका कर्ता लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक की ओर से यह सिविल रिवीजन दाखिल की गई है। जिसे कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस के बाद स्वीकार कर लिया है।

'द केरल स्टोरी' में उठाए गए मुद्दे का दर्द पहले ही समझ गई थी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। 'द केरल स्टोरी' में बयां किया गया लव जेहाद पीड़िताओं और धर्मांतरण का दर्द वास्तव में बहुत बड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनकी कैबिनेट ने शुक्रवार को यह फिल्म देखी, लेकिन इसका दर्द बहुत पहले ही महसूस कर इसके खिलाफ कड़े कदम उठा लिए। लोकभवन ऑडिटोरियम में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग की गई थी। फिल्म के दौरान मुख्यमंत्री पूरे समय मौजूद रहे। यहां मुख्यमंत्री व मंत्रीगणों के साथ-साथ बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों से जुड़ी महिलाओं, स्कूली छात्र-छात्राओं और मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर फिल्म से जुड़े सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उत्तर प्रदेश में लव जेहाद व धर्मांतरण पर अंकुश लगाने के लिए 27 नवंबर, 2020 को विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020 लागू किया गया। पिछली सरकारों की लचर कार्यप्रणाली से पीड़िताओं को न्याय नहीं मिल पाता था। इस अध्यादेश के बाद लव जेहाद और धर्मांतरण के आरोपियों के खिलाफ पुरजोर कार्रवाई कर नजीर पेश की। कानून को लागू करने और पालन कराने में योगी आदित्यनाथ सरकार ने सबसे तेजी से पहल की। गौरतलब है कि केरल हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने 9 दिसम्बर, 2009 को दिए फैसले में जबरन मतांतरण को लेकर सख्त टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा था प्यार के नाम पर यहां जबरन मतांतरण कराया जा रहा है। सरकार को इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 27 नवंबर,2020 से 30 अप्रैल 2023 तक धर्मांतरण से जुड़े 433 मामले दर्ज किए गए। इसमें अब तक 855 से ज्यादा गिरफ्तारी भी हो चुकी है। 184 मामलों में पीड़िताओं ने न्यायालय के समक्ष जबर्दस्ती धर्म बदलवाने की बात भी कबूल की है। वहीं नाबालिगों के धर्मांतरण के अब तक 66 मामले दर्ज किए गए हैं। उप्र में धर्म परिवर्तन से जुड़े कुल 433 मामले दर्ज किए गए। इसमें बरेली जोन में सर्वाधिक 86 मुकदमे दर्ज हुए। गोरखपुर में 61, लखनऊ में 55, मेरठ में 47, प्रयागराज में 46, वाराणसी में 40 मामले दर्ज किए गए। कमिश्नरेट की बात करें तो लखनऊ व कानपुर में 20-20, प्रयागराज में 14, नोएडा में 10 मामले दर्ज किए गए। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी पर नजर दौड़ाएं तो सबसे अधिक आरोपी प्रयागराज जोन से ही गिरफ्तार भी हुए। इन मामलों में कार्रवाई करते हुए प्रयागराज जोन की पुलिस ने 163 आरोपियों को धर-दबोचा। बरेली में 137 गिरफ्तारियां की गईं। लखनऊ में 124, वाराणसी में 115, गोरखपुर में 86, मेरठ में 65, आगरा जोन में 37, कानपुर में धर्मांतरण के 21 आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े। उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण कानून के तहत दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को अपराध की गंभीरता के आधार पर 10 साल तक की जेल हो सकती है। कानून में जुमार्ने की राशि 15 हजार से 50 हजार तक है। अंतर-धार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों को शादी करने से दो महीने पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होता है। जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर न्यूनतम 15 हजार रुपये के जुमार्ने के साथ एक से पांच साल की कैद का प्रावधान है। एससी-एसटी समुदाय के नाबालिगों और महिलाओं के धर्मांतरण पर तीन से 10 साल की सजा का प्रावधान है। जबरन सामूहिक धर्मांतरण के लिए तीन से 10 साल जेल और 50 हजार रुपये जुमार्ना लगेगा। कानून के मुताबिक अगर विवाह का एकमात्र उद्देश्य महिला का धर्म परिवर्तन कराना था, तो ऐसी शादियों को अवैध करार दिया जाएगा।

योगी कैबिनेट बैठक में 19 प्रस्तावों पर लगी मुहर, सबसे ज्यादा शिक्षा के पांच प्रस्ताव पास

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोकभवन में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री योगी की कैबिनेट बैठक में कुल 19 प्रस्तावों पर मुहर लगी। निकाय चुनाव के बाद योगी कैबिनेट की आज लोक भवन में सम्पन्न बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के पांच प्रस्ताव, पर्यटन विभाग के दो, औद्योगिक विकास के तीन, कृषि विभाग के दो, खाद्य विभाग का एक प्रस्ताव पास, वित्त व संस्कृति विभाग के एक-एक प्रस्ताव पास हुए। गृह विभाग के तीन, हथकरघा विभाग का एक प्रस्ताव पास किया गया है। कैबिनेट में पास प्रस्तावों के बाद अब शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और इसका लाभ गरीबी अभ्यर्थियों को मिलेगा। कैबिनेट में पास प्रस्तावों में उत्तर प्रदेश निजी विश्विद्यालय अधिनियम, 2019 के अन्तर्गत निजी क्षेत्र में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय अयोध्या, महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय बिल्हौर कानपुर नगर, शारदा विश्व विद्यालय आगरा, फ्यूचर विश्व विद्यालय बरेली, जीएस विश्वविद्यालय हापुड़ की स्थापना हेतु आशय पत्र निर्गत किए जाने के संबंध में प्रस्ताव पास किया गया है।

पर्यटन के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मथुरा में पर्यटन विकास संबंधी कार्य कराए जाने हेतु मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने और मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना की नीति निर्धारण के संबंध में प्रस्ताव पास किया गया है। इसी प्रकार सभी 19 प्रस्तावों पर मुहर लगने के बाद कार्य किए जाने हैं। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सभी मंत्रियों के साथ 'द केरला स्टोरी' फिल्म भी देखी। इस दौरान मंत्रिमंडल के साथ लोक भवन में विद्यार्थी परिषद की छात्राएं और भाजपा महिला मोर्चा की सदस्य भी मौजूद रहीं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी फिल्म 'द केरला स्टोरी' की टीम से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान 'द केरला स्टोरी' की टीम ने मुख्यमंत्री योगी का यूपी में फिल्म को टैक्स फ्री करने के लिए आभार जताया था।

पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. चन्द्रपाल व परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

- 2018-19 में कराया था मकान का एग्रीमेंट, खरीदने के वर्षों बाद रची गई साजिश

झांसी, (हि. स.)। सीपरी बाजार थाना में समाजवादी पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद व उनके परिजनों सहित आधा दर्जन लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल अभी सीपरी बाजार थाना प्रभारी ने मुकदमा दर्ज होने की बात पर अनभिज्ञता जाहिर की है, जबकि पूर्व राज्यसभा सदस्य ने इसे साजिश बताया। गौरतलब है कि मसीहा गंज निवासी सुदेश बैरी पत्नी रविंद्र कुमार ने सीपरी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी जमीन अपने नाम कराकर उसे दी गई चेक क्लियर नहीं होने दी और करोड़ों रुपये हड़प लिए। अपने पैसे मांगने पर अवैध रुपयों की मांग की और धमकी देते हैं। पुलिस ने पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, शिशुपाल सिंह, छत्रपाल सिंह, तेजपाल सिंह, ज्ञानवती, सत्यभान व आशाराम आदि के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध पूर्व राज्यसभा सांसद डॉक्टर चंद्रपाल सिंह यादव ने बताया कि यह सोची समझी साजिश है। उन्होंने बताया कि 2018-19 में उन्होंने उस मकान का एग्रीमेंट कराया था। इसके बाद ढाई करोड़ रुपया देकर रजिस्ट्री कराई थी। उसमें भी सब कुछ खोला गया था। उन्होंने तो पीड़िता पर विश्वास किया और कुछ दिन मकान खाली नहीं कराया। शायद यही सबसे बड़ी गलती हुई। उन्होंने इसे विरोधियों की साजिश बताया।

एचडब्ल्यूसी पर टीबी संबंधी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष अभियान

औरैया, (हि. स.)। टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए उपचार बीच में छोड़ गए क्षय रोगियों को पुनः उपचार पर लाया जाएगा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के कर्मचारी ऐसे रोगियों की सूची तैयार कर संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) को उपलब्ध कराएंगे। 15 मई से सीएचओ के माध्यम से विशेष क्षय रोगी खोज अभियान चलाया जाएगा। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम दिन शुक्रवार को कुल 120 सीएचओ को केंद्र में जिला क्षयरोग अधिकारी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण दिया गया। जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. संत कुमार ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा- विशेष अभियान के दौरान आशा- आंगनबाड़ी कार्यकताओं की मदद से अधिक से अधिक टीबी रोगी खोजकर उनका तत्काल उपचार शुरू करना है, इसके साथ ही उपचार बीच में छोड़ गए क्षय रोगियों की टीबी चैंपियन की मदद से काउंसलिंग कर उन्हें पुनः उपचार पर लाना है। डिप्टी जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एपी सिंह ने कहा - टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए समाज के हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। उन्होंने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) पर टीबी संबंधी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा चुकी है। अभियान के लिए सीएचओ को प्रशिक्षण दिया गया है। जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक अजय पाण्डेय ने कहा कि अभियान के प्रति ग्राम स्तर तक संवेदीकरण के लिए ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में विलेज हेल्थ सेनीटेशन एंड न्यूट्रीशियन कमेटी) की बैठकें की जाएंगी।

हर एचडब्ल्यूसी के क्षेत्र में उच्च प्राथमिकता (दूरस्थ, घनी आबादी और मलिन बस्ती) वाले क्षेत्रों का चयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी एचडब्ल्यूसी से जोड़े गए दो-दो टीबी चैंपियन (महिला-पुरुष) की सूची संबंधित सीएचओ को उपलब्ध करायी जाएगी। इसके साथ ही ग्राम स्तर पर हेल्थ कैंप की सूची तैयार कर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से सीएचओ को भेजी जाएगी। सूची में समय, दिनांक और स्थान का उल्लेख होगा। अभियान से पूर्व सभी एचडब्ल्यूसी पर शुगर और एचआईवी जांच किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही जागरूकता बढ़ाते हुए ग्रामीणों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला पीपीएम समन्वयक रविभान सिंह ने बलगम के नमूने की पैकिंग की जानकारी दी। साथ ही कहा कि जिला स्तर पर अभियान का पर्यवेक्षण खुद सीएमओ, एसीएमओ, डिप्टी सीएमओ, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) और जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (डीसीपीएम) करेंगे। ब्लॉक स्तर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक (बीपीएम) और ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) अभियान का पर्यवेक्षण करेंगे। शासन स्तर से अभियान की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी।

कोडरमा में कबाड़ दुकान में आग लगने से हजारों का नुकसान

कोडरमा, (हि. स.)। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पावर हाउस के समीप शुक्रवार की सुबह एक कबाड़ की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना दुकानदार अमरनाथ कसेरा ने जयनगर थाना को दिया। इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गयी। अग्निशमन विभाग कोडरमा की टीम दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अमरनाथ कसेरा ने कहा कि आग लगने की घटना में उसके कबाड़ की दुकान में रखे रद्दी कागज, टायर, प्लास्टिक के कबाड़ के सामान जल गए। उसे करीब 25 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। उसने बताया कि समय पर अग्निशमन विभाग के वाहन पहुंचने की वजह से आग पर काबू पाया जा सका और करीब 60 फीसदी हिस्से को आग से बचाया गया। उसने बताया कि घटना में बगल स्थित उसका घर आग की चपेट में आने से बच गया।

निलंबित आईएएस छवि रंजन की रिमांड अवधि चार दिन बढ़ी

रांची, (हि.स.)। सेना की भूमि सहित अन्य विवादित जमीन की खरीद-बिक्री में भ्रष्टाचार करने के आरोपित निलंबित आईएएस और रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को ईडी ने छह दिनों तक पूछताछ करने के बाद पीएमएलए कोर्ट में पेश किया। रिमांड अवधि खत्म होने के बाद ईडी ने दोबारा कोर्ट से छवि रंजन से पूछताछ के लिए छह दिनों की रिमांड देने की अनुमति मांगी। कोर्ट ने ईडी को चार दिनों तक पूछताछ की मंजूरी दी। इससे पहले छवि रंजन को गिरफ्तार करने के बाद पांच मई को कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। छवि रंजन से ईडी सेना के कब्जे वाली जमीन, बजरा मौजा की जमीन और चेशायर होम रोड की जमीन की खरीद-बिक्री मामले में पूछताछ कर चुकी है। जमीन घोटाले मामले में ईडी ने अब तक छवि रंजन सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने जमीन घोटाले मामले में 13 अप्रैल को छवि रंजन के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए थे, जिसके बाद सात लोगों को गिरफ्तारी किया गया था। इस छापेमारी के बाद ईडी ने रांची के सब रजिस्ट्रार वैभव मणि त्रिपाठी पूछताछ किया था। इसके बाद कोलकाता के एडिशनल रजिस्ट्रार त्रिदीप मिश्रा से पूछताछ कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि जमीन घोटाला मामले में ईडी ने झारखंड में कई जगहों पर छापेमारी की थी। छवि रंजन के जमशेदपुर स्थित आवास में भी छापेमारी हुई थी।

नर्स सिर्फ एक व्यवस्था नहीं, बल्कि विश्वास है: मंत्री

-रिम्स में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर हुआ कार्यक्रम

रांची, (हि. स.)। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर शुक्रवार को रिम्स सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर फ्लोरेंस नाइटिंगेल की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का इस वर्ष का थीम आवर नसेर्जः आवर फ्यूचर था। मौके पर मंत्री ने कहा कि नर्स सिर्फ एक व्यवस्था नहीं, बल्कि वह एक विश्वास है। कर्तव्य और सेवाभाव का एहसास है, जो आपके दुख के समय में अपने परिवार का होने का बोध कराती है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा नर्सों का चयन हो सके ताकि मानवता की सेवा और अच्छे से हो सके। कांके विधायक समरी लाल ने कहा कि नर्स अस्पताल में बीमार व्यक्ति का हौसला बढ़ाते हुए कभी बहन का रोल अदा करती है तो कभी बिल्कुल अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके मरीजों की सेवा मातृत्व वाले से भाव से करती हैं। इसलिए नर्सिंग सिर्फ एक नौकरी नहीं यह मानवता की सेवा है। कार्यक्रम में सांसद संजय सेठ, रिम्स निदेशक डॉ. कामेश्वर प्रसाद, रिम्स चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेंद्र बिरुआ, रिम्स उपाधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, आईटीयूसी एशिया पैसिफिक, सिंगापुर से डॉ. एसएमएफ पाशा सहित रिम्स के वरीय ऑफिसर, नर्स और छात्र मौजूद थे।

नक्सलियों का बंद 15 मई को, पुलिस अलर्ट

रांची, (हि.स.)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने 15 मई को संपूर्ण उत्तर भारत बंद का ऐलान किया है। इनमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश उतराचंल, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। बंद की सूचना मिलते ही झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी जिले के एसएसपी और एसपी को अलर्ट जारी किया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से झारखंड के नक्सल प्रभावित सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को पत्र भेजकर बंद के दौरान पूरी तरह से अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। साथ ही नक्सल अभियान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग और ट्रेन चलने वाले पटरियों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। इससे पूर्व भाकपा माओवादी संगठन के पूर्वी रीजनल ब्यूरो, केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता साकेत ने इस संबंध में प्रेस रिलीज जारी किया है। जारी रिलीज में कहा गया है कि तीन अप्रैल को झारखंड के चतरा में नशीला पदार्थ खिलाकर सीआरपीएफ की ओर से किये गये पांच माओवादी नेता की हत्या, छत्तीसगढ़ में सात अप्रैल को ड्रोन के जरिये की गई भारी बमबारी, झारखंड के पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम में एक साल से रॉकेट लांचर से किये जा रहे अंधाधुंध बमबारी और रामनवमी के अवसर पर बिहार के बिहारशरीफ, सासाराम, गया और देश के विभिन्न भागों में एक राजनीतिक पार्टी की ओर से भड़कायी गयी सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ 15 मई को संपूर्ण उत्तर भारत बंद को सफल बनाएं। बंद से दूध, मेडिकल, एंबुलेंस, अग्निशमन सेवा को मुक्त रखा गया है। प्रेस विज्ञप्ति के जरिये नक्सलियों ने सभी कमांडरों, जनसंगठनों के नेताओं, मजदूर, किसान, छात्र, डॉक्टरों, वाहन मालिकों से आह्वान किया है कि बंद को सफल बनाये।

नगर जदयू ने बनाई 78 सदस्यीय कमेटी, मुकेश जैन बने कोषाध्यक्ष

बेगूसराय, (हि.स.)। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) द्वारा 78 सदस्यीय नगर इकाई का गठन कर लिया गया है। शुक्रवार को रतनपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी नगर अध्यक्ष पूर्व महापौर संजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में पार्टी को सभी स्तर पर मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो जिम्मेवारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करना है। पार्टी की मजबूती के लिए 78 सदस्यीय नगर कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर कमेटी में 11 उपाध्यक्ष, 17 महासचिव, 20 सचिव एवं 21 कार्यकारिणी के सदस्य के साथ कोषाध्यक्ष मुकेश जैन एवं प्रवक्ता वीरेन्द्र पटेल को बनाया गया है। नगर निगम क्षेत्र के 45 वार्ड को नौ सेक्टर में बांटकर सेक्टर अध्यक्ष बनाए गए हैं। सभी वार्ड में वार्ड अध्यक्ष एवं सचिव का मनोनयन कर दिया गया है। अब प्रत्येक वार्ड में कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। नगर कमेटी में मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह, महापौर पिंकी देवी, जवाहर लाल भारद्वाज एवं जितेन्द्र जीबू को आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी जाति एवं धर्म के लोगों को जोड़कर पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए हर वह कदम उठाए जाएंगे जो नेतृत्व का निर्देश है। प्रेसवार्ता में गौरव राणा, मुकेश जैन, सौरभ कुमार, वीरेन्द्र पटेल एवं धर्मेन्द्र कुमार भी उपस्थित थे।

बाबा धीरेंद्र शास्त्री के पटना आगमन पर पुलिस मुख्यालय ने जारी किया अलर्ट

पटना, (हि.स.)। बागेश्वर धाम वाले बाबा धीरेंद्र शास्त्री 13 मई यानि शनिवार को राजधानी पटना आ रहे हैं। पटना के नौबतपुर स्थित तरेत पाली मठ में 13 से 17 मई तक धीरेंद्र शास्त्री हनुमत कथा सुनायेंगे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय ने पटना पुलिस को अलर्ट जारी किया है। पुलिस मुख्यालय ने पटना एसएसपी को एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) जारी कर अहम निर्देश दिए गए हैं। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना आगमन को लेकर बिहार की राजनीति गर्म है। सत्ता पक्ष उनका विरोध कर रह है तो विपक्ष भाजपा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन के पक्ष में है और उनके स्वागत में होने वाली भव्य तैयारी में जुटी है। इसलिए उनके पटना आगमन को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इस अलर्ट को देखते हुए राज्य पुलिस मुख्यालय ने पटना एसएसपी को सुरक्षा के लिए एसओपी जारी किया है। आयोजन स्थल पर भी भीड़ को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा बेहतर हो इसको लेकर अयोजनकताओं के साथ पुलिस पदाधिकारियों की बैठक भी हुई है। सुरक्षा घेरे से लेकर आयोजन स्थल और आसपास की भीड़ का आकलन करते हुए पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही साथ ट्रैफिक पुलिस के जवानों की भी तैनाती कर दी गई है। आयोजन के दौरान सीसीटीवी के जरिए सभी गतिविधियों पर नजर रखी जायेगी। उल्लेखनीय है कि एक धार्मिक कार्यक्रम के लिए आ रहे हैं बागेश्वर बाबा के इस दौरे ने बिहार के सियासत को गर्म कर दिया है। बिहार सरकार के मंत्री तेजप्रताप यादव पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना आगमन का लगातार विरोध कर रहे है। तेज प्रताप यादव ने कुछ दिन पहले बयान देते हुए कहा था कि अगर बागेश्वर बाबा हिंदू मुसलमान भाई को लड़वाने के लिए आ रहे हैं तो मैं उनका विरोध करूंगा, मैं उनका हवाई अड्डे पर घेराव करूंगा।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में अहम भूमिका है बुनियाद केंद्रों की

बेगूसराय, (हि.स.)। जिले में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में बुनियाद केंद्र की महत्ता के मद्देनजर शुक्रवार को सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा जिले के सभी पांच बुनियाद केंद्रों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला बुनियाद केंद्र मटिहानी में कार्यशाला को संबोधित करते हुए सामाजिक सुरक्षा (एडीएसएस) सहायक निदेशक भुवन कुमार ने वृद्धजनों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं तथा अनुदान योजनाओं के प्रावधानों की जानकारी दी। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों की वर्तमान समस्याओं और चुनौतियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन तथा लाभार्थियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण में बुनियाद केंद्रों, पंचायती राज संस्थाओं, प्रखंड कार्यालयों आदि की भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बुनियाद केंद्र के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को और भी प्रभावी तरीके से अपनी भूमिका निभाने की अपील की गई। उन्होंने बुनियाद केंद्रों द्वारा वृद्धजनों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों को दी जाने वाली सेवाओं के संबंध में भी व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया। जिससे सरकार की इस महत्वपूर्ण परियोजना का लाभ सभी पात्र नागरिकों को प्राप्त हो सके। मौके पर सहायक निदेशक नेहा कुमारी ने जिले में दिव्यांगजनों के हितार्थ विभिन्न योजनाओं विशेष तौर पर "संबल" के तहत मोटराईज्ड ट्राई-साईकिल एवं अन्य सहायक उपकरणों की प्राप्त हेतु निर्धारित पात्रताओं के बारे में जानकारी दी।

संपादकीय

कर्नाटक का 'एग्जिट जनादेश'

कर्नाटक में 72 फीसदी से ज्यादा मतदान के साथ जनादेश दर्ज हो चुका है। 13 मई को उसे सार्वजनिक किया जाएगा, लेकिन विभिन्न एग्जिट पोल के जरिए जनादेश का अनुमान लगाया गया है। औसत जनादेश कांग्रेस के पक्ष में लग रहा है। भाजपा की सत्ता जा रही है और जनता दल-एस की ताकत कम होने के संकेत हैं। एग्जिट पोल की पश्चिमी देशों में एक वैज्ञानिक पद्धति और प्रणाली है, लिहाजा उसे विश्वसनीय भी माना जाता रहा है। भारत में एग्जिट पोल गलत भी साबित हुए हैं और कुछ तो बेहद सटीक भी रहे हैं। हमारे यहां मतदान के बाद एग्जिट पोल का फैशन और चलन काफी बढ़ गया है, लेकिन यह अपेक्षाकृत परिपक्व नहीं है। फिर भी हजारों लोगों के बीच सर्वेक्षण कर और उनका मन टटोलने के बाद अनुमान के निष्कर्ष दिए जाते हैं। उनसे संकेत स्पष्ट भी होते हैं। कर्नाटक में चुनाव प्रचार की शुरुआत से ही कांग्रेस बढ़त की स्थिति में थी, लेकिन अब मतदान के बाद लगता है कि कांग्रेस और भाजपा के बीच 5-6 फीसदी वोट का ही अंतर रह सकता है। यह फासला काफी है, क्योंकि इससे सीटों का आंकड़ा बिल्कुल ही बदल जाता है। कांग्रेस को साफ बढ़त है, लेकिन सिर्फ दो एग्जिट पोल ने ही स्पष्ट बहुमत का अनुमान घोषित किया है। कर्नाटक के अंतिम जनादेश से यह भी स्थापित हो जाएगा कि भारत कांग्रेस-मुक्त देश कभी हो ही नहीं सकता। यदि कांग्रेस कर्नाटक में सरकार बना लेती है, तो उसकी सरकारें चार राज्यों में हो जाएंगी। बहरहाल कांग्रेस ने 40 फीसदी कमीशन, यानी भ्रष्टाचार, के साथ चुनाव प्रचार गरमाया था, लेकिन यह मुद्दा उतना बड़ा और प्रभावी साबित नहीं हो सका कि कांग्रेस को एकतरफा जनादेश मिल पाता। भाजपा ने 'बजरंग बली' को ध्रुवीकरण का मुद्दा बनाया था, लेकिन सर्वे के दौरान लोगों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। जो अनुमान सामने आए हैं, उनमें मुसलमानों के 70 फीसदी से ज्यादा वोट कांग्रेस के पक्ष में लगते हैं, तो भाजपा के परंपरागत समर्थक लिंगायत समुदाय के करीब 65-68 फीसदी वोट भाजपा को मिलते लगते हैं। वोक्कालिगा वोट में भी, कांग्रेस और भाजपा के बीच, फासला बेहद संकीर्ण है। ओबीसी, दलित, जनजाति आदि के वोटों का फासला भी ज्यादा व्यापक और गहरा नहीं है। गौरतलब अनुमान यह है कि करीब 20 फीसदी वोट सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और उनकी लोकप्रियता के मद्देनजर ही भाजपा के पक्ष में आए हैं। दरअसल कांग्रेस की 'मुफ्त गारंटियों' ने महिलाओं और गरीब युवाओं में उसे 'पहली पसंद' बना दिया है। मजदूर, किसान, बेरोजगार, छात्र, गृहिणी आदि अधिकतर तबकों में कांग्रेस भाजपा से आगे रहती लग रही है। अलबत्ता भाजपा को भी इन तबकों ने अच्छे वोट दिए हैं। भाजपा को उसके परंपरागत, विचारधारा के समर्थक तबकों ने जरूर वोट दिया है। दरअसल कांग्रेस और भाजपा में वोट की जबरदस्त टक्कर साफ दिखती है, लेकिन मुस्लिम वोट का फासला निर्णायक साबित होता लगता है। कर्नाटक विधानसभा में स्पष्ट बहुमत के लिए 113 सीटें चाहिए। कांग्रेस उसके बिल्कुल करीब तक पहुंचती लग रही है, जबकि भाजपा 80-90 सीटों के बीच सिमट सकती है। निवर्तमान विधानसभा में भाजपा को 104 सीटों के साथ और कांग्रेस को 78 सीटों का जनादेश मिला था। अब भाजपा की 119 सीटें थीं। इस बार कर्नाटक के क्षेत्रीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा के जनता दल-एस का आंकड़ा भी 37 से काफी कम होता लग रहा है। ये चुनाव इसलिए भी महत्त्वपूर्ण रहे, क्योंकि कर्नाटक में 'डबल इंजन' का प्रयोग फ्लॉप दिख रहा है। यह जनादेश कांग्रेस के लिए संजीवनी साबित होगा।

> भारत में एग्जिट पोल गलत भी साबित हुए हैं और कुछ तो बेहद सटीक भी रहे हैं। हमारे यहां मतदान के बाद एग्जिट पोल का फैशन और चलन काफी बढ़ गया है, लेकिन यह अपेक्षाकृत परिपक्व नहीं है। फिर भी हजारों लोगों के बीच सर्वेक्षण कर और उनका मन टटोलने के बाद अनुमान के निष्कर्ष दिए जाते हैं। उनसे संकेत स्पष्ट भी होते हैं। कर्नाटक में चुनाव प्रचार की शुरुआत से ही कांग्रेस बढ़त की स्थिति में थी, लेकिन अब मतदान के बाद लगता है कि कांग्रेस और भाजपा के बीच 5-6 फीसदी वोट का ही अंतर रह सकता है। यह फासला काफी है, क्योंकि इससे सीटों का आंकड़ा बिल्कुल ही बदल जाता है। कांग्रेस को साफ बढ़त है, लेकिन सिर्फ दो एग्जिट पोल ने ही स्पष्ट बहुमत का अनुमान घोषित किया है। कर्नाटक के अंतिम जनादेश से यह भी स्थापित हो जाएगा कि भारत कांग्रेस-मुक्त देश कभी हो ही नहीं सकता। यदि कांग्रेस कर्नाटक में सरकार बना लेती है, तो उसकी सरकारें चार राज्यों में हो जाएंगी। बहरहाल कांग्रेस ने 40 फीसदी कमीशन, यानी भ्रष्टाचार, के साथ चुनाव प्रचार गरमाया था, लेकिन यह मुद्दा उतना बड़ा और प्रभावी साबित नहीं हो सका कि कांग्रेस को एकतरफा जनादेश मिल पाता।

कुछ अलग

खेलों के अभिभावक

हिमाचल में खेलों का रिकार्ड और उभरती प्रतिभाओं का आकाश खुद ही संभावनाओं से मुलाकात कर रहा है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकताओं में अब खेलों के समुद्र ढूंढे जाने लगे हैं और खेल मंत्रालय का अभियान खासी तवज्जो अर्जित करता है, इसलिए खेल नीति के व्यावहारिक पक्ष को आजमाने का इंतजार बाकी है। कहा तो जयराम सरकार ने बहुत, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के दायित्व से अपेक्षा भी रही, लेकिन अब बतौर खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह से उम्मीदों का पाला पड़ा है। यह इसलिए नहीं कि विभिन्न खेलों के राष्ट्रीय शिविरों में हिमाचली बच्चे शिरकत कर रहे हैं, बल्कि सारी करवटों को माकूल अधोसंरचना व खेल आयोजनों के साथ-साथ यह अभी तय करना बाकी है कि खिलाड़ी जीवन आगे चलकर किस तरह सुरक्षित रहेगा। उम्मीदों की इन्हीं पलकों को खोलते हुए खेल मंत्री कटासनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज की बात करते हैं, तो वर्षों से चल रही फाइल अपनी आंख खोलकर देखना चाहती है। पिछले वर्षों में ऐसी ही बनती-बिगड़ती खेल योजनाओं-परियोजनाओं का अस्त-व्यस्त सा इतिहास रहा है। हाई आल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र की फाइल यूं ही धूल चाट रही है, तो बजट के बावजूद धर्मशाला के राष्ट्रीय प्रशिक्षण खेल छात्रावास की एक भी ईंट नहीं लग पाई। बहरहाल सुक्खू सरकार के संकल्प में फिर खेलों का सामान सजाया जा रहा है और दावा यह कि हर जिला कम से कम किसी एक खेल का अभिभावक बनेगा। यह सोच अगर खुद को मुकम्मल कर पाता है, तो विभिन्न जिलों के प्रांगण में कोई एक खेल अपना भविष्य देख पाएगा। इसी के साथ अगर राज्य अपनी गतिविधियों को पारंगत और अधोसंरचना को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाना चाहता है, तो एक बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन करने की ठान कर एक साथ आठ-दस खेल परिसर विकसित कर सकता है। कनेक्टिविटी व आवश्यक जरूरतों के हिसाब से अगर धर्मशाला को राष्ट्रीय खेलों का मुख्य परिसर बनाया जाए, तो इसकी परिधि में ऊना, हमीरपुर, मंडी, चंबा, कुल्लू, सोलन व शिमला तक आयोजनों की फेहरिस्त में अलग-अलग खेलों को अपना समृद्ध ठिकाना मिलेगा। इसी के साथ पौंग जलाशय में वाटर स्पोर्ट्स, मनाली-शिमला में विंटर स्पोर्ट्स और पूरे प्रदेश में साहसिक खेलों के चिन्हित मंतव्य को पूरा किया जा सकता है। प्रदेश की आबोहवा में इतना नूर है कि कुछ खेल संगठनों के साथ मिलकर राष्ट्रीय स्तर की दर्जनों खेल अकादमियां चलाई जा सकती हैं। यूं तो हिमाचल में खेल प्राधिकरण, खेल कालेज व खेल विश्वविद्यालय तक की स्थापना की हवाई योजनाएं गूंजती रही हैं, लेकिन हकीकत में स्कूली, ग्रामीण तथा विश्वविद्यालय स्तर की खेलों के वार्षिक आयोजनों के तहत कई मैदानों की स्थिति सुधारने की अति आवश्यकता है। ग्रामीण खेलों के तहत कुश्ती, कबड्डी, वालीबॉल, हॉकी तथा एथलेटिक्स को महत्त्व देकर आगे बढ़ाया जा सकता है। खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने सामाजिक सहयोग के तहत प्रदेश की चर्चित हस्तियों से विभिन्न खेलों को गोद लेने का आह्वान करके अपनी वचनबद्धता दोहराई है। समाज की इसी भूमिका को अगर विभिन्न पारंपरिक मेलों में तराशा जाए, तो हर साल कितने ही आयोजन खिलाडियों को पारंगत कर सकते हैं, मगर देखना यह होगा कि पारंपरिक मेला मैदानों से अवैध अतिक्रमण हटे तथा इनके विस्तार के लिए वन भूमि अर्जित की जा सके। चंबा के चौगान, मंडी के पड्डल, सुजानपुर मैदान, सोलन के ठोडो मैदान, धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड तथा कुल्लू के ढालपुर मैदान ने वक्त के साथ खुद को छोटा कर लिया है। हमीरपुर जैसे जिला मुख्यालय में एक भी नागरिक मैदान नहीं है। ऐसे में कम से कम हर गावं में एक तथा शहरों में चार-चार सार्वजनिक मैदान विकसित करते हुए किसी एक को पूरी तरह खेलों के लिए समर्पित कर दिया जाए। नागरिक सहयोग के साथ-साथ कारपोरेट जगत को भी आगे लाया जाए। किसी समय बतौर मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने सिंथैटिक ट्रैक बिछाने में सीमेंट फैक्टरियों से अंशदान कराया था।

परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार

परिवार ही घर को मन्दिर बनाता है

ललित गर्ग

> हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिहन नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है, यही कारण है कि अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस परिवार संस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

देश एवं दुनिया को परिवार के महत्व को बताने के लिए विश्व परिवार दिवस हर साल 15 मई को मनाया जाता है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है। प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिहन नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है, यही कारण है कि अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस परिवार संस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं को परिवार के प्रति जागरूक करना है ताकि युवा तथाकथित आधुनिक के प्रवाह में अपने परिवार से दूर न हों। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा- मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा- मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। इस दिवस मनाने की घोषणा सर्वप्रथम 15 मई 1994 को संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने की थी। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत अहमियत रखता है। बढ़ती जवाबदारी और जरूरतों को पूरा कर पाने का भय ही वह मुख्य कारण है जो अब संयुक्त परिवारों के टूटने का कारण बना है। जबकि वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहाँ है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से बुढ़ापा कांप उठता है। संयुक्त परिवारों का विघटन और एकल परिवार के उद्भव ने जहां बुजुर्गों को दर्द दिया है वहीं बच्चों की दुनिया को

भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नही होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं। हम पुराने युगों की बात करें या धार्मिक मान्यताओं के आधार पर भी बात करें तो आज की ही तरह पहले भी परिवारों का विघटन हुआ करता था। लेकिन आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है और उसने जीवन को जटिल से जटिलतर कर दिया है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। समाज की परिकल्पना परिवार के बगैर अधूरी है और परिवार बनाने के लिए लोगों का मिलजुल कर रहना व जुड़ना बहुत जरुरी है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि अनुभव करते हैं। भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक 'परिवार' के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'मैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। भाग्य और पुरुषार्थ का संघर्ष चलता है। आदमी की हर कोशिश 'घर-परिवार' बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है। संयुक्त परिवारों की परम्परा पर आज धुंधलका छा रहा है, परिवार टूटता है तो दीवारें भी ढहती हैं, आदमी भी टूटता है और समझना चाहिए कि उसका साहस, शक्ति, संकल्प, श्रद्धा, धैर्य, विश्वास बहुत कुछ टूटता/बिखरता है। क्रांति और विकास की सोच ठंडी पड़ जाती है और जीवन के इसी पड़ाव पर फिर परिवार का महत्व सामने आता है। परिवार ही वह जगह है भाग्य की रेखाएं बदलने का पुरुषार्थी प्रयत्न होता है। जहां समस्याओं की भीड़ नहीं, वैचारिक वैमनस्य का कोलाहल नहीं, संस्कारों के विघटन का प्रदूषण नहीं, तनावों की त्रासदी की घुटन नहीं। कोई इसी परिवाररूपी घेरे के अंधेरे में रोशनी ढूंढ लेता है। बाधाओं के बीच विवेक जमा लेता है। भीड़ में अकेले रह जाता है। दुख में सुख का संवेदन कर लेता है। घर-परिवार को सिर्फ अपनी नियति मानकर नहीं बैठा जा सकता। क्योंकि इसी घर में मंदिर बनता है और कहीं घर ही मंदिर बन जाता है। कहते हैं कि आपका काम, रबड़ की गेंद है, जिस पर जितना जोर देते हैं, वह उतना ऊंचा उठता है। पर आपका परिवार कांच की गेंदें हैं, जो हाथ से छूटती हैं तो टूट ही जाती हैं। कई बार हम सब भूल जाते हैं कि जीवन में सबसे जरूरी क्या है।

केरल स्टोरी की व्यथा और कथा

> परिवार के प्रति वितृष्णा का यह भाव लड़कियों को परिवार से तोड़ता है तो लव जिहाद का खेल खेल रहा एजेंट उसको लपक लेता है। बाद में उनसे शादी का ड्रामा किया जाता था। उसके बाद उन्हें इस्लाम में मतांतरित किया जाता था। मामला इतने पर ही समाप्त नहीं होता था। कहा जाता है कि उसके बाद उन्हें अरबस्तान ले जाकर आईएस के आतंकवादी संगठन में काम करने के लिए विवश किया जाता था। केरल में यह खेल कई दशकों से चल रहा है। लेकिन स्मोक स्क्रीन के कारण दिखाई नहीं दे रहा था। परिवारों में से उठ रही चीत्कार नारी मुक्ति के ढोल ढमाकों में दब जाती थी। सरकारें यत्नपूर्वक स्मोक स्क्रीन को बनाए रखने और उसे सघन बनाए रखने में सहायता करती रहती थीं। दुर्भाग्य से केरल में सरकार चाहे सोनिया कांग्रेस की रही हो या सीपीएम की, स्मोक स्क्रीन की रक्षा में दोनों समान भाव से लगी रहती थीं। स्मोक स्क्रीन के बाहर मौलवी और पादरी सेक्यूलर तराने गाते रहते हैं। लेकिन इन तरानों का भाव एक ही रहता है कि भारत के 'सेक्यूलर' महापुरुष को भारत का हिंदू समाज तोडऩे की कोशिश करता रहता है।

आजकल पूरे हिन्दुस्तान में फिल्म दी केरल स्टोरी की सबसे ज्यादा चर्चा है। कश्मीर फाइल्स के बाद यदि कोई फिल्म सबसे ज्यादा विवाद और संवाद का माध्यम बनी है तो वह दी केरल स्टोरी ही है। आश्चर्य की बात यह है कि इस फिल्म का एक भी अभिनेता या अभिनेत्री ऐसी नहीं है जो फिल्म जगत में चर्चित रही हो। लेकिन इसके बावजूद यह फिल्म कमाई के रिकार्ड बना रही है और कई बड़ों को पटकनी दे रही है। कुछ सरकारें तो इस फिल्म से इतनी घबरा गई हैं कि उन्होंने फिल्म को अपने राज्य में दिखाए जाने को लेकर प्रतिबन्ध लगा दिया है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री इस विरोध में लीड रोल में नजर आ रही हैं। शरद पवार की पार्टी के एक नेता ने तो यहां तक कहा कि फिल्म बनाने वाले को सार्वजनिक रूप से फांसी दिए जाने की जरूरत है। केरल सरकार की चिन्ता समझ में आती है। उसने फिल्म पर प्रतिबन्ध तो नहीं लगाया लेकिन व्यवस्था इतनी चाकचौबन्द कर दी ताकि कोई फिल्म देख न सके। प्रश्न यह है कि इस फिल्म का इतना विरोध क्यों है। इसको समझने के लिए अंग्रेजी भाषा के शब्द भंडार में घुसना होगा अंग्रेज और अंग्रेजी से हमारा वास्ता भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के आने के बाद ही पड़ा। उस भाषा का एक शब्द 'सेक्यूलर' है, जो इस देश में कोरोना वायरस की तरह फैल गया है। पहले यह शब्द भारतीय संविधान में नहीं था। संविधान सभा के दिनों में जब संविधान बन रहा था, तब भी कुछ लोगों ने इस शब्द को वहां घुसाने की कोशिश की थी। लेकिन तब वहां बाबा साहिब अम्बेडकर ल_ लेकर बैठे थे। उन्होंने इस शब्द को वहां घुसने नहीं दिया। लेकिन इस वायरस के पक्षधर तब से ही मौके की तलाश में थे। उन्हें वह अवसर 1975 में मिला जब प्रधानमंत्री इंदिरा गान्धी ने तमाम मर्यादाओं को ताक पर रखते हुए संविधान की प्रस्तावना में ही इस शब्द की घुसपैठ करवा दी। प्रश्न है कि सेक्यूलर शब्द क्या है और इसका अर्थ क्या है। क्या भारतीय इसके अर्थ और अवधारणा को पकड़ पाए? मान लें किसी बाहरी देश से कोई व्यक्ति कोई फल लेकर आता है, हम उसको उलट-पलट कर देखते हैं। यदि वह फल हमारे देश में भी होता हो तो हम तुरन्त कह देंगे कि भाई, यह आम का फल है। लेकिन यदि वह फल हमारे देश में न होता हो तो हम उस नए फल का वर्णन कैसे करेंगे? कोई कहेगा यह नारंगी जैसा है। दूसरा कहेगा शक्ल चाहे नारंगी जैसी है लेकिन स्वाद तो तरबूज जैसा है। यही स्थिति सेक्यूलर शब्द की है। इसके बराबर का कोई शब्द भारतीय साहित्य में दिखाई नहीं दे रहा। यूरोप में घुसते हैं तो पता चलता है, कभी वहां स्टेट और चर्च का विवाद और संघर्ष चलता रहता था। जाहिर है विवाद व संघर्ष वर्चस्व को लेकर ही था। कहा जाता है इसी लड़ाई में से चर्च व स्टेट के संबंधों की लक्ष्मण रेखा तय करने के लिए सेक्यूलर शब्द का जन्म हुआ। जब अंग्रेजों के साथ यह सेक्यूलर शब्द भी यहां आ गया तो इस सेक्यूलर शब्द का क्या किया जाए? चर्च यहां था नहीं। मंदिर और स्टेट का संघर्ष कभी हुआ नहीं। इस स्थिति में अंग्रेजों ने सेक्यूलर शब्द का प्रयोग स्मोक स्क्रीन की तरह किया। स्मोक स्क्रीन वह पर्दा है जिसके पीछे हो रही हलचल किसी को दिखाई नहीं देती। भारत में इस स्मोक स्क्रीन के पीछे सैयद और पादरी अपना खेला खेल रहे हैं। केरल में तो जबरदस्त खेल हो रहा था। कहा जाता है एक पूरा गिरोह ही संगठित हो गया जो केरल की लड़कियों को लव जिहाद के माध्यम से पहले अपने चंगुल में फंसाता था। इसके लिए भी बाकायदा वातावरण तैयार किया जाता रहा। पिछले कुछ दशकों से कालेजों-विश्वविद्यालयों में नारी मुक्ति आन्दोलन के माध्यम से प्रचार किया जाने लगा कि परिवार बुर्जुयावादी संस्था है। लडक़ी/नारी को उसी से मुक्ति प्राप्त करनी है। परिवार के प्रति वितृष्णा का यह भाव लड़कियों को परिवार से तोड़ता है तो लव जिहाद का खेल खेल रहा एजेन्ट उसको लपक लेता है। बाद में उनसे शादी का ड्रामा किया जाता था। उसके बाद उन्हें इस्लाम में मतान्तरित किया जाता था। मामला इतने पर ही समाप्त नहीं होता था। कहा जाता है कि उसके बाद उन्हें अरबस्तान ले जाकर आईएस के आतंकवादी संगठन में काम करने के लिए विवश किया जाता था। केरल में यह खेल कई दशकों से चल रहा है। लेकिन स्मोक स्क्रीन के कारण दिखाई नहीं दे रहा था। परिवारों में से उठ रही चीत्कार नारी मुक्ति के ढोल ढमाकों में दब जाती थी। सरकारें यत्नपूर्वक स्मोक स्क्रीन को बनाए रखने और उसे सघन बनाए रखने में सहायता करती रहती थीं। दुर्भाग्य से केरल में सरकार चाहे सोनिया कांग्रेस की रही हो या सीपीएम की, स्मोक स्क्रीन की रक्षा में दोनों समान भाव से लगी रहती थीं। स्मोक स्क्रीन के बाहर मौलवी और पादरी सेक्यूलर तराने गाते रहते हैं। लेकिन इन तरानों का भाव एक ही रहता है कि भारत के 'सेक्यूलर' महापुरुष को भारत का हिन्दू समाज तोडऩे की कोशिश करता रहता है। मौलवी और पादरी इसकी रक्षा में न लगे होते तो भारत रसातल को चला जाता। लेकिन आखिर कभी न कभी तो यह स्मोक स्क्रीन हटना ही था। जब रूस का आईरन कर्टन ज्यादा देर सुरक्षित न रह सका तो यह स्मोक स्क्रीन कितने साल सुरक्षित रहता! धुआं हटा तो सही, केरल स्टोरी को बाहर आना ही था। सारा देश केरल के भीतर को देख कर स्तब्ध है और मौलवी व पादरी उनको फांसी देने की मांग कर रहे हैं जिन्होंने यह फिल्म बनाई। जिन्होंने स्मोक स्क्रीन नष्ट कर दिया, उनको हराने के लिए पूरा विपक्ष हाथ-पैर मार रहा है। संविधान में सेक्यूलर शब्द डालकर इंदिरा गांधी ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई थी। संप्रदाय विशेष के लोगों के वोट हथियाने के अलावा इस नीति का कोई और लक्ष्य दिखता नहीं है। इससे संप्रदाय विशेष का भी कल्याण नहीं हुआ। इसी कारण आज मुसलमान भी कांग्रेस से कटकर मोदी का समर्थन कर रहे हैं। अब समय बदल रहा है। कांग्रेस को समझ आने लगा है कि बहुसंख्यक वर्ग में उसकी पैठ कम हो रही है।

देश दुनीया से

बढ़िया प्ले फील्ड और सामान जरूरी

> खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है जो बेहद निम्न दर्जे का होता है।

आज के ओलंपिक खेल शौकियान न होकर अब पेशेवर हो गये हैं। एक समय था जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इसलिए छीन लिए थे कि उसने कहीं थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमेरिकी डालर इनाम देता है। तभी बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्त्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आयेंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भूत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं। ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गयी आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इंसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरे हैं। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपये का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और समग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम्म एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं।

नागरिक बोध

गोली क्यों नहीं चलाई ?

राजधानी में लडक़ी के साथ गैंगरेप हुआ था। पूरा देश इस घटना से आक्रोशित था। राजधानी की जनता ने प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर अपराधियों को सजा-ए-मौत देने की मांग के लिए कूच किया था। सरकार ने इतना पुलिस बल लगा दिया था कि प्रधानमंत्री कार्यालय में चिडिय़ा भी पर नहीं मार सकती थी। लेकिन जन सैलाब इतना ज्यादा था कि काफी लोग नॉर्थ ब्लॉक परिसर में घुस गए थे। अपने प्रधानमंत्री को बचाने के लिए और अपनी मुस्तैदी दिखाने के लिए पुलिस ने भीड़ पर भीषण ठंड में पानी की बौछारें मारी, आंसू गैस के गोले दागे और अंत में भयंकर लाठीचार्ज भी किया, लेकिन जनचेतना ऐसी कि बावजूद इसके भीड़ टस से मस नहीं हो रही थी। पुलिस की इस नाकामी पर गृहमंत्री ने पुलिस के आला अफसरों की शाम को अर्जेन्ट बैठक बुलाई और कहा -'आप लोग कानून और व्यवस्था बनाने में नाकाम रहे। क्या पुलिस जनता का मुंह देखने के लिए होती है? कल प्रधानमंत्री जी को कुछ हो जाता तो मैं क्या जवाब देता?' एक पुलिस अधिकारी हिम्मत करके बोला-'सर, हमने भरसक प्रयत्न किया कि भीड़ तितर-बितर हो जाये, लेकिन कॉज ऐसा था कि जन आक्रोश थामे नहीं थम रहा था। फिर भी हमने अपनी पूरी क्षमता से भीड़ को रोकने का पूरा प्रयास किया। आपने तो टीवी पर देखा होगा, भीड़ बहुत ज्यादा थी। लोकतंत्र में ज्यादा ज्यादती भी तो नहीं की जा सकती। अरेस्ट भी कितने लोगों को किया जाता? वहां तो हर नौजवान गिरफ्तारी के लिए तैयार था।' 'तुम मुझे समझा रहे हो। इतना दुस्साहस कि मेरे सामने बोलो। चौबीसों घण्टे पुलिस सुस्ताती है और मुफ्त में पेट भरती है और काम के वक्त पीठ दिखाकर पथराव से डरकर भाग लेती है। क्या यही पुलिस नौकरी है? तुम्हें और सख्ती से पेश आना चाहिए था। ऐसे तो देश का कानून और व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा। प्रधानमंत्री मुझे फेल्योर मानकर हटा देंगे अथवा मंत्रालय बदल देंगे तो आपका क्या बिगड़ेगा? सजा तो मुझे मिली न?' गृहमंत्री ने सवाल उठाया। दूसरे आला अफसर ने कहा-'वह क्या था सर, इतने बड़े मोब में हम और क्या कर सकते थे?' गृहमंत्री लाल-पीले हो गए, बोले -'यह मैं बताऊंगा कि आप क्या करें? पुलिस बलों से काम लेना ऑफिसर्स की ड्यूटी है। मेरे पास अकेली राजधानी नहीं, पूरे देश का लॉ एंड ऑर्डर है। मुझे हजार काम देखने होते हैं। मैं तुमसे पूछता हूं, तुमने गोली क्यों नहीं चलाई?' 'सर, यह आप क्या कह रहे हैं, निर्दोष जनता पर गोली चलाने का कोई कारण भी तो पैदा हो। रैली का प्रदर्शन था और रेप पीड़िता के लिए न्याय की मांग थी, इसमें गोली चलाकर व्यर्थ में दस-बीस लोगों की जान क्यों लेनी थी? आप समझते थे कि गोली चलाना जरूरी था तो आप हमें ऑर्डर दे देते।' एक आला अफसर ने अपनी बेबसी जताई। 'डेमोक्रेसी में राजनेता ऐसा ऑर्डर नहीं देता।

ट्रंप की फिर बढ़ी मुश्किलें, व्हाइट हाउस की पूर्व स्टाफ का आरोप– महिलाओं से करते थे दुर्व्यवहार

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विवादों का साथ काफी गहरा है। ट्रंप आए दिन किसी ना किसी विवाद का हिस्सा बनते रहते हैं। लेखिका जीन कैरोल से यौन दुर्व्यवहार में ट्रंप को हाल ही में दोषी ठहराया गया है। अब व्हाइट हाउस में ट्रंप के स्टाफ की दो महिलाओं ने भी उन पर दुर्व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। ट्रंप प्रशासन का हिस्सा रहे एक वरिष्ठ प्रशासक ने दावा किया है कि ट्रंप, स्टाफ की एक युवा महिला में कुछ ज्यादा ही रुचि रखते थे और वह खुलेआम महिलाओं से गलत व्यवहार करते थे।

दो महिलाओं ने लगाए आरोप

ट्रंप प्रशासन में व्हाइट हाउस की स्टाफ रहीं दो महिलाओं ने आरोप लगाए हैं कि ट्रंप ने उनके साथ यौन दुर्व्यवहार किया था। उन्होंने ये आरोप लगाए। ट्रंप के राष्ट्रपति शासन के दौरान व्हाइट हाउस में प्रेस सचिव रहीं स्टेफनी ग्रीश्म और व्हाइट हाउस में सलाहकार रहीं एलिसा फराह ग्रिफिन ने आरोप लगाया कि ट्रंप आदतन महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करते थे और ये बात व्हाइट हाउस के सभी वरिष्ठ स्टाफ को पता थी।

बैठकों के दौरान भी करते थे दुर्व्यवहार

पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस की सलाहकार रहीं ओलिविया ट्रॉय ने आरोप लगाया कि ट्रंप खुलेआम महिलाओं पर भद्दी टिप्पणियां करते थे और यहां तक कि बैठकों के दौरान भी वह महिलाओं से गलत व्यवहार कर देते थे। फराह ग्रिफिन ने बताया कि ट्रंप पर गलत व्यवहार के अनगिनत मामले हैं और इसकी शिकायत व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज से भी की गई थी।

ओलिविया ने बताया कि एक युवा महिला स्टाफ में उनकी खास दिलचस्पी थी। बता दें कि अमेरिका में साल 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए भी ट्रंप अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से अभी राष्ट्रपति पद की दावेदारी में ट्रंप सबसे आगे हैं लेकिन उन पर लग रहे गंभीर आरोपों से उनकी 2024 की राह मुश्किल हो सकती है। हाल ही में लेखिका जीन कैरोल के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले में उन पर करोड़ों रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अब व्हाइट हाउस के पूर्व स्टाफ के इन आरोपों से ट्रंप को झटका लग सकता है।

न्यूज ब्रीफ

18 साल में वोट देने के लिए जॉइन करनी होगी आर्मी! राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामास्वामी का बड़ा एलान

वॉशिंगटन । अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अब रामास्वामी ने एलान किया है कि अगर वह सत्ता में आते हैं तो वोट देने के नागरिक कर्तव्य कानून में संशोधन किया जाएगा। इस संशोधन के तहत वोट देने की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 25 साल की जाएगी। साथ ही अगर कोई 18 साल की उम्र में वोट देना चाहेगा तो उसे छह महीने तक सेना में सेवाएं देना अनिवार्य कर दिया जाएगा। विवेक रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पर दावेदारी पेश कर रहे हैं। रामास्वामी ने एलान किया कि वह मतदान करने के नागरिक कर्तव्य कानून में संशोधन का समर्थन करते हैं। इस संशोधन के तहत अमेरिका में वोट देने की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 25 साल कर दी जाएगी। हालांकि 18 साल की उम्र के युवा भी वोट दे सकेंगे लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें लगाई जाएंगी। संशोधन के तहत 18 साल की उम्र में वोट देने के लिए अमेरिकी नागरिकों को न्यूनतम छह माह के लिए अमेरिकी सेना में अपनी सेवाएं देनी होंगी। या फिर फर्स्ट रेस्पॉन्स सर्विस (पुलिस, फायर आदि) में छह माह के लिए सेवाएं देनी होंगी। अगर कोई व्यक्ति इन शर्तों को पूरा नहीं करना चाहता है तो उसे एक नागरिक शिक्षा परीक्षा देनी होगी, यह परीक्षा अमेरिकी नागरिकता के लिए होने वाली परीक्षा जैसी होगी। अगर कोई व्यक्ति इनमें से कोई भी शर्त पूरी नहीं करता है तो उसे फिर मतदान करने के लिए 25 साल का इंतजार करना होगा।

पुतिन के पेरेंट्स की कब्र का अपमान करने पर सजा: महिला ने लिखा था- तुमने राक्षस को पैदा किया, पूरी दुनिया उसकी मौत चाहती है

मास्को । रूस की एक कोर्ट ने सेंट पीटर्सबर्ग की एक महिला को 2 साल की जेल की सजा दी है। कोर्ट ने उसे अक्टूबर में राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के पेरेंट्स की कब्र का अपमान करने का दोषी ठहराया था। इरिना सिबानेवा नाम की इस महिला ने पुतिन के पेरेंट्स की कब्र के पास एक नोट छोड़ था। इस नोट में लिखा था- तुमने एक राक्षस और हत्यारे की परवरिश की। कोर्ट ने फैसले में कहा कि इरिना ने राजनीतिक नफरत के चलते ये सब किया। प्रोसिक्यूटर ने महिला के लिए 3 साल की जेल की सजा मांगी थी। उन्होंने कहा था कि इरिना ने साजिश के तहत पुतिन के परिवार का अपमान किया। महिला ने नोट में पुतिन के पेरेंट्स को पागल आदमी का माता-पिता बताया था। उसने ये भी लिखा था,पुतिन दुनिया के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं तुम उसे अपने पास बुला लो। पूरी दुनिया दुआ कर रही है कि पुतिन मर जाए। कोर्ट में महिला ने अपना पक्ष रखा। उसने कहा कि मैं जंग की खबरें देखकर डर गई थी। मेरा डर इतना बढ़ गया था कि मैं उसे रोक नहीं पाई। अब तो मुझ याद भी नहीं कि मैंने नोट कब लिखा था और उसमें क्या लिखा था। इरिना ने आगे कहा, मैं माफी चाहती हूं मुझे अंदाजा नहीं था कि मेरी हरकत से किसी को इतना दुख पहुंचेगा। महिला ने कोर्ट को बताया कि उसे नहीं लगा था कि वो नोट किसी और को मिलेगा और मामला इतना बढ़ जाएगा।

ब्लैकटाउन सिटी काउंसिल ने सिख फॉर जस्टिस के मंसूबों पर फेरा पानी, जनमत संग्रह कार्यक्रम किया रद्द

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जब से सिख फॉर जस्टिस के कार्यक्रम होने की बात सामने आई थी, तब से ही लगातार शिकायतें और धमकियां मिल रही थीं। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर कार्यक्रम की बुकिंग रद्द कर दी गई है। एक प्रवक्ता ने बताया कि काउंसिल ने अपने स्थापित नियम व सिद्धांतों के मुताबिक इस कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। काउंसिल भारत या पाकिस्तान के आंतरिक मामलों से संबंधित किसी राजनीतिक स्थिति का समर्थन या आलोचना नहीं करता और किसी विशेष राजनीतिक स्थिति के समर्थन के रूप में इसका प्रतिनिधित्व नहीं किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि अरविंद गौर ने सिख फॉर जस्टिस के प्रचार कार्यक्रम द्वारा तैयार किए गए पोस्टर व बैनर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की प्रशंसा किए जाने की शिकायत की थी। इस पर काउंसिल के सीईओ केरी रॉबिन्सन ने उन्हें जवाब देते हुए बताया कि अधिकारियों की तरफ से ऐसे तमाम बैनर व पोस्टर हटाए जा रहे हैं और एनएसडब्लू पुलिस से सलाह मांगी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, विक्टोरिया में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस प्राइवेट लिमिटेड की बेहिसाब पैसों के लेन-देन के मामले में जांच चल रही है। गौरतलब है कि इसी सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तान समर्थकों द्वारा रोजहिल स्थित स्वामीनारायण मंदिर पर हमले की घटना सामने आई थी, जिसकी हिंदू, इस्लामी और सिख संगठनों ने कड़ी निंदा की थी।

कैलिफोर्निया की सीनेट ने जातिगत भेदभाव पर पाबंदी लगाने वाला कानून पारित किया, बना पहला अमेरिकी राज्य

वॉशिंगटन ।
राज्यपाल के हस्ताक्षर होने के बाद ये कानून बन जाएगा कैलिफोर्निया राज्य की सीनेट ने सीनेटर आयशा वहाब की ओर से पेश किए गए एंटी कास्ट बिल एसबी 403 को पास कर दिया है। सदन में हुई वोटिंग में बिल के पक्ष में 34 और बिल के खिलाफ सिर्फ एक वोट पड़ा। अब बिल असेंबली में पेश होगा और फिर राज्यपाल के हस्ताक्षर होने के बाद ये कानून बन जाएगा। गैर-लाभकारी समानता लैब के नेतृत्व में बिल के प्रमोटरों ने कहा कि एक समान बिल राज्य प्रतिनिधि सभा में पेश किया जा रहा है, इससे पहले कि इसे कानून में हस्ताक्षर करने के लिए राज्यपाल को भेजा जा सके।

सभी लोगों को मिलेंगी समान आवास, लाभ, सुविधाएं

कैलिफोर्निया की सीनेटर आइशा वहाब द्वारा पेश किया गया, एसबी 403 बिल जाति को एक मौजूदा कानून, उरुह नागरिक अधिकार अधिनियम में एक संरक्षित श्रेणी के रूप में जोड़ता है, जो प्रदान करता है कि कैलिफोर्निया राज्य में सभी लोग पूर्ण और समान आवास, लाभ, सुविधाओं, सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सेवाएँ विशेषाधिकारों के हकदार हैं।

एसबी 403 उन लोगों को स्पष्ट सुरक्षा प्रदान करता है जिन्हें जातिगत पूर्वाग्रह और पूर्वाग्रह के कारण व्यवस्थित रूप से नुकसान पहुँचाया गया है। यह उन लोगों के लिए दृढ़ कानूनी परिणाम भी प्रदान करता है जो जातिगत भेदभाव और जाति-आधारित हिंसा में भाग लेने या अनुमति देने के लिए जिम्मेदारी या प्रभाव से बचने की मांग करते हैं।

इस तरह का पहला राज्य बना कैलिफोर्निया

अमेरिकी सीनेट में एंटी कास्ट बिल पास हो जाने के बाद कैलिफोर्निया अमेरिका का पहला राज्य बन गया है जहां जाति के आधार पर भेदभाव करने को गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब अगर कैलिफोर्निया में कोई जातिवाद करता है तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सिएटल काउंसिल की सदस्य क्षमा सावंत, जिन्होंने सिएटल को जाति-विरोधी भेदभाव कानून पारित करने वाला पहला शहर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्होंने कैलिफोर्निया स्टेट सीनेट द्वारा एसबी 403 के पारित होने का स्वागत किया।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका पर लगाया रूस को हथियार देने का आरोप, राष्ट्रपति बोले- कराएंगे जांच

जोहान्सबर्ग । अमेरिकी राजदूत ने दक्षिण अफ्रीका पर मालवाहक जहाज के माध्यम से रूस को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया। रामाफोसा कार्यालय से जारी एक बयान में गुरुवार को कहा गया, राष्ट्रपति ने अमेरिका के राजदूत रूबेन ई ब्रिगेटी को दक्षिण अफ्रीका द्वारा रूस को हथियारों की आपूर्ति का आरोप लगाते हुए चिंतित टिप्पणी का उल्लेख किया है। हालांकि, ब्रिगेटी ने पहले प्रिटोरिया में एक मीडिया सम्मेलन में दावा किया था कि रूसी जहाज ने पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका से हथियार एकत्र किए थे। ब्रिगेटी ने कहा कि 6 और 8 दिसंबर 2022 के बीच साइमन टाउन नेवल बेस में मालवाहक जहाज डॉकिंग था। जहाज पर हथियार और गोला-बारूद अपलोड किया गया था। हालांकि, राष्ट्रपति के कार्यालय ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि दावे की स्वतंत्र रूप से जांच की जाएगी। इन आरोपों का समर्थन करने के लिए अभी तक अमेरिका ने कोई सबूत नहीं दिया है। सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में स्वतंत्र जांच कराने की बात कही है। रूस को हथियार मुहैया कराने वाले आरोपों को लेकर राष्ट्रपति के कार्यालय ने ब्रिगिटी की टिप्पणियों को निराशाजनक बताया है।

इस्राइली सुरक्षा बलों ने पहली बार शिरीन की मौत के लिए मांगी माफी, कहा- हम चाहते हैं कि पत्रकार...

वाशिंगटन ।
एक जानी मानी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की पिछले साल मई में वेस्ट बैंक में गोली लगने से मौत हो गई थी। उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन कस्बे में हुई इस्राइली सेना की गोलीबारी में शिरीन की हत्या को कतर आधारित मीडिया और फलस्तीन ने अपराध बताया है। उस समय वह रिपोर्टिंग कर रही थीं।

पिछले साल हुई थी मौत

एक जानी मानी पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की मौत के लिए एक साल बाद पहली बार इस्राइली सेना ने माफी मांगी है। गौरतलब है, अकलेह की मौत उस वक्त हुई थी जब पिछले साल 11 मई को गाजा में इस्राइल उत्तरी वेस्ट बैंक में सशस्त्र फलस्तीनी समूह के गढ़ जेनिन शरणार्थी शिविर में एक अभियान चलाया था। शिरीन यहां पर लाइव रिपोर्टिंग कर रही थीं। इसी दौरान चली एक गोली से उनकी मौत हो गई थी। इस घटना में उनके साथी पत्रकार अली अल समुदी को भी गोली लगी थी।

आइडीएफ के मुख्य प्रवक्ता ने मांगी माफी

इस्राइली सुरक्षा बलों (आइडीएफ) के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिनिस्ट्रेटर डैनियल हागरी ने एक साक्षात्कार में माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मेरे पास यहां कहने का अवसर है कि हम शिरीन की मौत के लिए बहुत दुखी हैं। वह एक अच्छी पत्रकार थीं। उन्होंने आगे कहा कि इस्राइल में हम अपने लोकतंत्र को महत्व देते हैं और लोकतंत्र में, हम स्वतंत्र पत्रकारिता देखते हैं।

हागरी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पत्रकार इस्राइल में सुरक्षित महसूस करें। खासकर युद्ध के समय में, चाहें वे उस दौरान हमारी आलोचना ही क्यों न कर रहे हों।

20 पत्रकारों की हो चुकी है मौत

बता दें, यह बयान एक रिपोर्ट आने के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया था कि पिछले दो दशकों में कम से कम 20 पत्रकारों की हत्याओं पर इस्राइली सेना से कोई जवाब नहीं मांगा गया है। वहीं एक प्रेस ग्रुप के अनुसार, साल 2001 के बाद से इस्राइली सेना के हमले में कम से कम 20 पत्रकारों की मौत हो चुकी है। मारे गए पत्रकारों में से करीब 18 फिलिस्तीनी थे। कहा गया है कि इन मौतों के लिए किसी को भी आरोपित या जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।

हालांकि, इस्राइली सुरक्षा बलों ने पहली बार पिछले साल सितंबर में माना था कि दुर्घटनावश अबू अकलेह को गोली लग गई थी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

हाल ही में, आईडीएफ हमले के दौरान नागरिकों को हुए नुकसान के लिए खेद जताया था। उन्होंने कहा था कि वह प्रेस की स्वतंत्रता की सुरक्षा और पत्रकारों के पेशेवर काम को बहुत महत्व देता है। सेना किसी को जानबूझकर निशाना नहीं बनाता है। युद्ध में गोलीबारी उस समय की जाती है, जब कोई रास्ता नहीं बचा हो।

यूक्रेन की मदद के लिए फिर आगे आया ब्रिटेन, सैन्य हथियार और मिसाइल मुहैया कराएगा

लंदन ।
ब्रिटेन की सरकार ने एलान किया है कि वह यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें स्टॉर्म शैडो देंगे। इसके साथ ही यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें देने वाला, ब्रिटेन पहला देश बन जाएगा। ब्रिटेन से स्टॉर्म शैडो मिसाइलें मिलने के बाद रूस के खिलाफ यूक्रेन की ताकत में काफी इजाफा होगा और उसकी आक्रमण करने की क्षमता बेहतर होगी।

रूस को अपनी जमीन से खदेड़ सकेगा यूक्रेन – ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने बताया कि आज मैं पुष्टि करता हूं कि ब्रिटेन यूक्रेन को स्टॉर्म शैडो मिसाइलें दान देगा। दान में मिले इन हथियारों से यूक्रेन रूस की बर्बरता से खुद का बचाव कर सकेगा। बेन वालेस ने कहा कि स्टॉर्म शैडो मिसाइलें यूक्रेन को अधिकार देंगी कि वह, रूस के खिलाफ खुद का बचाव कर सके साथ ही यूक्रेनी जमीन से रूसी सेना को पीछे खदेड़ सके।

यूक्रेन की ताकत में होगा जबरदस्त इजाफा – स्टॉर्म शैडो मिसाइलें हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल है। यह मिसाइल

बेहद मुश्किल मौसम में भी संचालित की जा सकती है और ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने लीबिया, इराक और खाड़ी के युद्ध में इन मिसाइलों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था। स्टॉर्म शैडो मिसाइल 250 किलोमीटर या 155 मील की दूरी पर स्थित लक्ष्य को भेद सकती है। यूक्रेन द्वारा लंबे समय से अमेरिका से सतह से सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल की मांग की जा रही है, जो करीब 185 मील तक मार कर सकती है। अब ब्रिटेन से स्टॉर्म शैडो मिसाइल मिलने के बाद यूक्रेन की सैन्य ताकत में उल्लेखनीय इजाफा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दी जा रही है।

अमेरिकी एनएसए सुलिवन ने वियना में शीर्ष चीनी राजनयिक से की मुलाकात, द्विपक्षीय-वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन ।
व्हाइट हाउस ने कहा कि सुलिवन ने 10 और 11 मई को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पोलित ब्यूरो के सदस्य और विदेश मामलों के आयोग के निदेशक वांग यी के साथ वियना में मुलाकात की। दोनों पक्षों ने अमेरिका-चीन द्विपक्षीय संबंधों, वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों, यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध और क्रॉस-स्ट्रेट मुद्दों सहित अन्य विषयों पर ठोस और रचनात्मक चर्चा की। व्हाइट हाउस के अनुसार, यह बैठक संचार की खुली लाइनों को बनाए रखने और जिम्मेदारी से प्रतिस्पर्धा का प्रबंधन करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी।

अमेरिका में मार गिराया गया था चीनी गुब्बारा – फरवरी की शुरुआत में ब्लिंकेन के बीजिंग जाने से कुछ ही दिन पहले अमेरिका में एक चीनी गुब्बारे को मार गिराया गया था। हालांकि, अमेरिका ने इस घटना के बाद में चीन को अपने तीखे तेवर दिखाए थे। यहां तक की ब्लिंकन ने अपनी यात्रा की तारीख को बदल दिया था। चीन ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि यह एक निगरानी गुब्बारा था। नवंबर 2022 में इंडोनेशिया के बाली में राष्ट्रपति बिडेन और राष्ट्रपति शी के बीच जुड़ाव के आधार पर दोनों पक्षों ने इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए संचार के इस महत्वपूर्ण रणनीतिक चैनल को बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। व्हाइट हाउस के अनुसार, बाइडेन ने कहा था कि अमेरिका चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा, लेकिन यह संघर्ष में नहीं बदलनी चाहिए। इस बात पर वे सहमत हुए कि राज्य के सचिव एंटनी जे ब्लिंकेन नेता-स्तरीय चर्चा के लिए बीजिंग की यात्रा करेंगे। एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीति के उपाध्यक्ष डैनियल रसेल के अनुसार, ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और शीर्ष चीनी विदेश मामलों के अधिकारी के बीच का चैनल अमेरिका-चीन संबंधों में महत्वपूर्ण रहा है। अभी भी दोनों सरकारों के बीच काम कर रहा है। बीजिंग हमेशा एक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ व्यवहार करना पसंद करता है क्योंकि उनकी सत्ता से निकटता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ होती है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री की किरकिरी

इमरान पर साध रहे थे निशाना, तभी गुल हो गई बिलावल हाउस की बिजली

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को एक बार फिर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। दरअसल, जरदारी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, जिसको टीवी पर लाइव दिखाया जा रहा था। इस दौरान अचानक उनके घर की बिजली चली गई और वह टीवी पर दिखाई देना बंद हो गए, हालांकि इस दौरान उनकी आवाज सुनाई दे रही थी। बता दें, जरदारी के साथ जब यह घटना हुई उस वक्त वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे।

गौरतलब है, आजकल पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। जहां एक तरफ महंगाई ने हद मचा दी है, वहीं आम लोगों को बिजली संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। लेकिन इस बीच, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के घर की बिजली जाने से साफ है कि पाकिस्तान के बड़े-बड़े नेताओं को भी इस संकट का सामना करना पड़ रहा है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिलावल इमरान खान पर तीखे वार कर रहे थे। यह कॉन्फ्रेंस टीवी पर लाइव दिखाई जा रही थी। तभी अचानक उनके घर की बिजली चली गई। इस दौरान जरदारी टीवी पर दिखना बंद हो गए। हालांकि स्थिती को संभालते हुए जरदारी ने कहा कि मुझे नहीं पता बिजली क्यों काटी गई है, लेकिन इससे साफ हो गया कि बिलावल हाउस में भी बिजली कटौती होती है। बता दें, पाकिस्तान में आम जनता को रोजाना कई घंटों तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

इमरान खान की पार्टी से की यह अपील

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के लोगों से मामले को और खराब न करने की अपील की।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लोग इमरान की गिरफ्तारी के खिलाफ अपने हिंसक प्रदर्शन को बंद करें। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही इमरान को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर रिहा कर दिया गया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में इमरान की गिरफ्तारी पर पीटीआई की प्रतिक्रिया पूरी तरह से गलत है।

बोले- कहीं और होते तो सीधे गोली मार दी जाती

भुट्टो-जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार और सेना ने बहुत संयम दिखाया है। जनरल के घर पर या सशस्त्र बलों के मुख्यालय पर किसी और देश में हमला हुआ होता तो प्रदर्शनकारियों को सीधे गोली मार दी जाती। रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना जनरल मुख्यालय पर सिर्फ दो बार हमला किया गया, एक बार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने किया था और दूसरे बार इमरान खान के समर्थकों ने ऐसा किया है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चीजों को अपने लिए और मुश्किल न बनाएं: बिलावल

भुट्टो-जरदारी ने कहा कि प्रदर्शन हिंसक हैं और इसने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं, जिस पर मंथन की जरूरत है। हिंसा में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीटीआई समर्थकों से मांग की कि वे घोषित करें कि वे कानून और संविधान का पालन करेंगे। जो होना था हो चुका है। चीजों को अपने लिए और मुश्किल न बनाएं।

राजनीतिक दल पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ बिलावल

भुट्टो-जरदारी ने कहा कि वह सैद्धांतिक तौर से किसी भी राजनीतिक दल पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ हैं, लेकिन ऐसे फैसले परिस्थितियों को देखते हुए किए जाते हैं। अगर ऐसा फैसला लिया जाएगा तो तब लिया जाएगा, जब इसके अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

जनसंघर्ष यात्रा का दूसरा दिन

सैंकडों समर्थकों की मौजूदगी में पायलट ने किशनगढ़ से जयपुर तक किया कूच

जयपुर (हिंस)। पेपरलीक और भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की जनसंघर्ष पद यात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को अपार जनसमूह और बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों के बीच यात्रा अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। शुक्रवार सुबह आठ बजे यात्रा की शुरुआत किशनगढ़ टोल प्लाजा से हुई। करीब 11 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के बाद बांदरसिंदरी की बिड़ला पब्लिक स्कूल के पास विश्राम हो गया है। दूसरे दिन की यात्रा का दूसरा चरण शाम चार बजे बिड़ला स्कूल से दोबारा शुरू होगा। इसके बाद विश्राम शाम 7 बजे गेजी मोड़ पड़ासौली में रहेगा। वसुंधरा सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग तथा पेपरलीक प्रकरण में सरकार की ढिलाई के खिलाफ निकाली जा रही पांच दिवसीय जन संघर्ष यात्रा में पायलट के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक चल रहे हैं। पायलट की यात्रा का पहला चरण गुरुवार को पूरा हुआ था। पायलट रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन में सवेरे जयपुर से बैठे। दोपहर में अजमेर उतरे तथा

वहां से आरपीएससी स्थित सभास्थल पहुंचे। यहां 40 मिनट तक संबोधन के बाद उन्होंने पौने दो बजे जयपुर कूच आरंभ किया। शाम सवा पांच बजे वे किशनगढ़ पहुंचे। यहां मुख्य चौराहे पर सभा करने के बाद उनका रात्रि विश्राम एक्सप्रेस वे पर तोलामाल गांव के बस स्टैंड पर हुआ। शुक्रवार सवेरे उन्होंने यहीं से यात्रा के दूसरे दिन की शुरूआत की। इससे पहले रात में यहां हुई पत्रकार वार्ता में पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि मैंने जब अनशन किया तो वसुंधरा राजे के करप्शन के खिलाफ किया। मुझे समझ में नहीं आता कि यह पार्टी के अनुशासन को लांघने का केस कैसे बनता है? अनुशासन तोड़ने का काम तो 25 सितंबर को किया गया था, जब सोनिया गांधी के स्पष्ट आदेश थे और दोनों पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक करवाने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री निवास पर बैठक रखने के बावजूद वह क्यों नहीं हो पाई? बाद में विधायकों ने इस्तीफे दिए। स्पीकर ने कोर्ट में कहा कि इस्तीफे रिजेक्ट इसलिए करने पड़े, क्योंकि विधायकों ने खुद की मर्जी से नहीं दिए गए थे। फिर किसकी मर्जी से दिए गए थे? क्या दबाव था? जहां तक बात अनुशासन की है तो मापदंड सबके लिए बराबर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सब चाहते हैं कि सरकार रिपीट हो। आप सब जानते हैं अमर्यादित भाषण कौन देता है? मैंने हमेशा सम्मान से बात की है। विरोध किया है तो बड़ी सभ्य भाषा का इस्तेमाल किया है। जो मुद्दे उठा रहे हैं आप उन्हीं पर आरोप जड़ दो और उन्हीं को टारगेट करो, इससे बेहतर तो यह होगा हमने जो कहा है उसे करके दिखाओ।

टीकाकरण के बाद बिगड़ी छात्राओं की तबीयत

माछीवाड़ा (पंजाब)। सेहत विभाग की तरफ से गुरुवार को गांव माछीवाड़ा स्थित सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) में टिटनेस का टीका लगते ही 15 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। कई छात्राएं बेहोश हो गईं और कुछ को घबराहट होने लगी। सभी को सिविल अस्पताल जीरा में दाखिल करवाया गया। प्रारंभिक इलाज के बाद पांच छात्राओं को छुट्टी दे दी गई जबकि 10 छात्राओं का अस्पताल में इलाज चल रहा है। माछीवाड़ा निवासी अभिभावक दविंदर सिंह का कहना है कि उसकी भतीजी सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) माछीवाड़ा में प्लस-टू में पढ़ती है। गुरुवार को सिविल अस्पताल से सेहत विभाग की टीम प्लस वन और टू की छात्राओं को टिटनेस का टीका लगाने आई थी। टीका लगाते ही उनकी भतीजी की तबीयत बिगड़ गई और बेहोश हो कर गिर गई। उसके पेट में तेज दर्द होने लगा। दविंदर ने बताया कि स्कूल में 15 छात्राओं की तबीयत टीका लगाने के बाद खराब हुई। उसने कहा कि टीका लगाने से पूर्व अभिभावकों से पूछना जरूरी है लेकिन स्कूल स्टाफ ने अभिभावकों से कोई मंजूरी नहीं ली है। उधर, सिविल अस्पताल के बच्चों के माहिर डॉ. रिश्व दत्त ने कहा कि टीका लगाने से कई बच्चों को चक्कर आने लगे और कई को घबराहट हुई है।

सीबीएसई बोर्ड : 10वीं में 97.27 प्रतिशत और 12वीं में 89.27 प्रतिशत रहा परिणाम

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शुक्रवार को 10वीं और 12वीं का परिणाम घोषित कर दिया है। 12वीं में अजमेर रीजन का परिणाम 89.27 प्रतिशत रहा। वहीं, 10वीं बोर्ड का रिजल्ट 97.27 प्रतिशत रहा। बारहवीं के परिणामों में देश के 16 रीजन में अजमेर का सातवां और दसवीं के परिणामों में चौथा नंबर है। अजमेर रीजन में गुजरात और राजस्थान के स्टूडेंट्स शामिल हैं। बारहवीं कक्षा के परिणामों में पिछले साल के मुकाबले अजमेर रीजन का रिजल्ट करीब सात प्रतिशत कम रहा है। पिछले साल 12वीं का परिणाम 96.01 प्रतिशत रहा, जबकि इस साल 89.27 प्रतिशत रहा। दसवीं में पिछले साल रिजल्ट 98.14 प्रतिशत था। इस साल 1.13 प्रतिशत रिजल्ट कम रहा। सीबीएसई बोर्ड में कुल 38 लाख 83 हजार 710 स्टूडेंट्स परीक्षाओं में शामिल हुए थे। इनमें से 16 लाख 96 हजार 770 स्टूडेंट्स कक्षा 12वीं के रजिस्टर्ड थे। वहीं, 21 लाख 86 हजार 940 छात्र-छात्राएं कक्षा 10वीं के थे। सीबीएसई अपने परिणाम घोषित कर चुकी है, जबकि राजस्थान बोर्ड के 10वीं-12वीं के बच्चे अपने रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। यहां अब नतीजे घोषित करने की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। राजस्थान बोर्ड के एडमिनिस्ट्रेटर और संभागीय आयुक्त बी.एल. मेहरा ने बताया कि बोर्ड सबसे पहले 12वीं साइंस का रिजल्ट जारी करेगा। इसके बाद कॉमर्स और आर्ट्स। सबके बाद 10वीं परीक्षा का परिणाम जारी करेगा। राजस्थान शिक्षा बोर्ड की 10वीं-12वीं की परीक्षाओं के लिए 21 लाख 12 हजार 206 स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड है। 12 वीं परीक्षा के साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स में 10 लाख 31 हजार 72 स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड थे। आर्ट्स में 7 लाख 20 हजार 933, साइंस में 2 लाख 80 हजार 10 और कॉमर्स में 29 हजार 45 स्टूडेंट्स पंजीकृत थे। जबकि 10वीं परीक्षा में 10 लाख 68 हजार 383 स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड थे।

लिव इन में रह रही महिला ने की आत्महत्या

कैथल (हिंस)। गांव मटौर में लिव इन रिलेशन में रह रही महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले महिला ने फोन कर अपने पीहर वालों को मारपीट करने और परेशान करने की बात बताई थी। कलायत पुलिस ने मृतका के कथित पति व सास के खिलाफ दहेज के लिए मारपीट करने व आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर महिला के परिजनों वालों को सौंप दिया है। जींद के उचाना कलां निवासी रामफल ने पुलिस में दी शिकायत में कहा कि उसकी बेटी मीनाक्षी की शादी पांच 6 साल पहले गांव बीहड गढवाल जिला सोनीपत में हुई थी। एक साल पहले मीनाक्षी ससुराल में अनबन होने के कारण 10 महीने पहले इन्तवारी पुत्र प्रकाश वासी मटौर के साथ बतौर पति पत्नी गांव मटौर में रहने लगी। गुरुवार सुबह मीनाक्षी का उसके छोटे भाई कुलदीप के पास फोन आया। जिसमें उसने बताया कि उसका पति इन्तवारी व सास प्रकाशो उसे दहेज के लिए ताने मारते हैं और तंग करते हैं। उसी शाम उन्हें सूचना मिली कि मीनाक्षी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पाकर वह अपने दोनों लड़कों के साथ गांव मटोर पहुंचा। उन्होंने देखा कि मीनाक्षी की लाश चारपाई पर पड़ी है। अपने पति व सास से परेशान होकर ही मीनाक्षी ने आत्महत्या की है। थाना कलायत के एसएचओ दलबीर सिंह ने बताया कि महिला गांव मटौर में लिव इन रिलेशन में रह रही थी।

टाइगर की मौत के मामले में सांसद ने की लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

राजसमंद (हिंस)। रणथंभौर से उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किए गए टाइगर टी 104 की मौत पर सवाल उठने लगे हैं। अब राजसमंद से भाजपा सांसद दीया कुमारी ने ट्वीट करते हुए पूरे मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। दीया कुमारी ने ट्वीट किया कि रणथंभौर में विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण एक सप्ताह के अन्दर एक और बाघ का निधन दु:खद है। ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे हादसों को रोकने और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय नहीं अपनाए जा रहे हैं। राज्य सरकार से मांग है कि बाघों के संरक्षण पर विचार करें, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हों। रणथंभौर से उदयपुर लाने के कुछ घंटों बाद ही टाइगर की मौत होने का मामला अब वन विभाग की गले की फांस बन गया है। रणथंभौर में टाइगर को ट्रेंकुलाइज करने के लिए उसे चार बार बेहोश करने वाली दवा दी गई। टाइगर को ओवरडोज देने की बात भी सामने आ रही है। हालांकि वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का खुलासा हो पाएगा, लेकिन टाइगर की मौत हो जाने के बाद भी सुबह तक वन विभाग के अधिकारियों को इसका पता नहीं चल पाया, इसको लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। रणथंभौर से उदयपुर के सज्जनगढ़ वन्य जीव अभयारण्य में शिफ्ट करने के अगले दिन बाघ टी-104 की मृत्यु पर वन्य जीव प्रेमियों ने दु:ख जताया है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने अलवर में मिनी सचिवालय का किया लोकार्पण

अलवर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शुक्रवार को हेलीकॉप्टर से अलवर पहुंचे। मुखमंत्री ने भवानी तोप सर्किल स्थित मिनी सचिवालय पहुंचकर परिसर में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद सचिवालय का फीता काटकर लोकार्पण कर अंदर से देखा और तारीफ की। इसके बाद मुख्यमंत्री सभा स्थल डेयरी के मैदान में पहुंचे। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अलवर जिले को मिनी सचिवालय की सौगात दी गई है। जहां एक ही छत के नीचे विभिन्न विभाग का अपना कार्य सपांदित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से आमजन को अपने कार्य कराने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को लाभांवित करने की दृष्टि से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की है जिनका लाभ बिना भेदभाव के प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को सुशासन प्रदान करने व सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए राज्य सरकार ने उद्योग, कृषि, विद्युत, रोजगार आदि क्षेत्रों में कार्य कर विकास के कीर्तिमान स्थापित किए है। उन्होंने नि:शुल्क पांडुपोल यात्रा की भी घोषणा की। उन्होंने कहा धार्मिक स्थान पर शुल्क कैसा। इसके अलावा अलवर की संभाग की मांग पर उन्होंने कहा कि अब जब भी नया संभाग बनेगा तो पहला अलवर ही बनेगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कलेक्ट्रेट यहां शिफ्ट होने के बाद सिटी पैलेस खाली हो जाएगा। सिटी पैलेस अलवर की जनता को समर्पित है। यहां सरकार जो भी कार्य करना चाहे वह कर सकती है। इसके अलावा म्यूजियम का पर्यटन की दृष्टि से विस्तार किया जाएगा। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अलवर को संभाग बनाने की मांग मुख्यमंत्री से की। उन्होंने कहा कि अलवर में दो जिले तो बन गए हैं लेकिन अब भी अलवर संभाग बनना बाकी है। कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री ने बहुत कुछ आज तक अलवर जिले को दिया है। उन्होंने मांग की पांडुपोल में नि:शुल्क यात्रा, अलवर ग्रामीण की सड़कों के लिए 10 करोड़ सहित अन्य मांगे मुख्यमंत्री के सामने रखी। उन्होंने कहा कि सचिवालय का लाभ जिले के लोगों को मिलेगा। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि राज्य सरकार ने इतनी सारी कल्याणकारी योजनाएं चलाकर आमजन

को लाभ दिए हैं। अब आमजन की बारी है नवंबर में चुनाव है ध्यान रखें कांग्रेस को जिताना है। कांग्रेस सरकार आमजन की सरकार है। मंच पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली, शकुंतला रावत, अलवर प्रभारी बीडी कल्ला, मेवात बोर्ड के अध्यक्ष जुबेर खान, पूर्व विधायक कृष्ण मुरारी गंगावत, जिला प्रमुख बलबीर छील्लर, विधायक साफिया खान, पूर्व विधायक दुरु मियां, विधायक जोहरी लाल, दीपचंद खेरिया, बाबूलाल बैरवा, कांति मीणा, पूर्व सांसद करण सिंह यादव, सरस डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर, राष्ट्रीय नेता दीनबंधु शर्मा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कमलेश सैनी, श्वेता सैनी आदि मौजूद रहे। संचालन जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने किया। गहलोत ने वर्चुअली 140 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली नटनी का बारा से मालाखेडा-मौजपुर सडक (स्टेट हाईवे-44) के कार्य का शिलान्यास किया। इसी प्रकार म हल्दीना में राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं परीक्षा भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच), मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, जल जीवन मिशन, विद्युत उत्पादन, शिक्षा, आधारभूत सरंचना, सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में राजस्थान अग्रणी राज्य बना है। शिक्षा क्षेत्र में राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के तहत 500 होनहार विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ाई के लिए भेजा जा रहा है। राज्य में ठेका प्रथा समाप्त की गई है साथ ही, राज्य कार्मिकों के लिए पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू कर भविष्य सुरक्षित करने का अहम फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अलवर शहर के मिनी सचिवालय परिसर में आयोजित महंगाई राहत कैम्प का निरीक्षण किया तथा विभिन्न योजनाओं में लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड वितरित किए।

हीरानगर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू (हिंस)। जम्मू संभाग के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर से सटे इलाके में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को तलाशी अभियान चलाया है। सूत्रों के अनुसार सुरक्षाबलों ने राजबाग के नजदीक सीमावर्ती इलाके से जोड़ने वाली सड़क के आसपास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने आने-जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया है। खबर लिखे जाने तक सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी था।

योजनाओं का लाभ हर महिला तक पहुंचाने का काम करें : सुनीता डांगी

फतेहाबाद (हिंस)। भाजपा महिला मोर्चा की नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सुनीता डांगी व केंद्रीय टीम में शामिल एवं हरियाणा राज्य की प्रभारी नंदा डागला शुक्रवार को पहली बार फतेहाबाद पहुंचीं। भाजपा जिला कार्यालय में पहुंचने पर जिले के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा महिला मार्चा की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए सुनीता डांगी व नंदा डागला ने महिलाओं को केंद्री और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभांवित करने के मुद्दों पर संगठनात्मक चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्री व प्रदेश की भाजपा सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई हुई है। देश व प्रदेश की महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठा कर अपने परिवार को आगे बढ़ा रही हैं, लेकिन अभी भी बहुत सी महिलाएं जानकारी के अभाव के कारण इन योजनाओं का लाभ पाने से वंचित हैं। इसलिए भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को आगे आकर वंचित महिला पात्रों को इन योजनाओं के बारे में जानकारी देनी होगी, साथ ही इन योजनाओं का लाभ दिलवाना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए गंभीरता से काम कर रही है। हर क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त व आत्म निर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पंजाब में औद्योगिक जमीन के लिए इस्तेमाल होगा हरे रंग का स्टांप पेपर : मान

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने शुक्रवार को उद्योग जगत के लिए एक बड़ा फैसला लिया। पंजाब में औद्योगिक जमीन के लिए अब ग्रीन कलर का स्टांप पेपर इस्तेमाल किया जाएगा। सीएम भगवंत मान ने इसका एलान किया। ये स्टांप पेपर बाकी स्टांप पेपर से महंगा होगा। इसमें सीएलयू, फॉरेस्ट, पॉल्यूशन और फायर संबंधी एनओसी के पैसे शामिल होंगे। मान ने कहा कि इस स्टांप पेपर से पता चल जाएगा कि किस उद्देश्य से जमीन खरीदी गई है। इससे कारोबारियों की दिक्कतें कम होंगी। आने वाले दिनों में हाउसिंग समेत बाकी उद्देश्यों के लिए भी अलग-अलग रंगों के स्टांप पेपर इस्तेमाल करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने ट्वीट किया-आज हम एक ऐतिहासिक फैसला लेने जा रहे हैं जिससे उद्योग जगत को बड़ी राहत मिलेगी और पंजाब में निवेशकों को मुश्किलों और भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी... ऐसा करने वाला पंजाब देश का पहला राज्य होगा जो दूसरों को भी प्रेरित करेगा।

अमेरिका की बजाए भेज दिया मास्को तीन महीने धक्के खाकर वापस लौटा

विदेश भेजने के नाम पर 26 लाख रुपए की धोखाधड़ी

कैथल (हिंस)। दो लोगों ने मिलकर 26 लाख रुपए लेकर एक व्यक्ति को अमेरिका भेजने की बजाए मास को भेज दिया। जहां दो-तीन महीने धक्के खाने के बाद मजबूरन युवक को वापस लौटना पड़ा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दज कर लिया है। गांव पाबला निवासी अजमेर सिंह ने पुलिस को शिकायत दी कि उसने अपने साले के लड़के दादूपुर जिला करनाल निवासी संजीव को अमेरिका भेजने के लिए सरहिंद पंजाब निवासी चरणजीत सिंह से बातचीत की। चरणजीत सिंह ने उसे विश्वास दिलाया कि उसका दोस्त मोहाली निवासी अरविंद्र लड़कों को बाहर विदेश में भेजने का काम करता है। कुछ समय बाद चरणजीत ने उसे बताया कि उसने अरविंद्र से बातचीत कर ली है। उसने अमेरिका जाने का खर्चा 45 लाख रुपए बताया है। चरणजीत के कहने पर उसने अरविंद्र के बैंक खाता में अलग-अलग तारीखों में रुपए डाल दिए। मास्को जाने के बाद आरोपियों ने 20 हजार डॉलर लड़के से ले लिए और उसके बाद लड़के संजीव को 2/3 माह मॉस्को घुमाया और उसको आगे अमेरिका नहीं भेजा। बाद में किसी तरह संजीव मॉस्को से वापस अपने घर आया और उसने सारी बातें बताई। संजीव के मॉस्को से वापस आने के बाद उन्होंने आरोपियों को दिए गए 26 लाख रुपए व डालरों को वापस मांगा तो पहले टाल-मटौल करते रहे। अब न तो पैसे व डॉलर वापस दे रहे हैं। उल्टे उनको ही जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने पहले भी शिकायत दी थी, लेकिन उस समय आरोपियों ने पैसे लौटाने का वादा किया तो उसने शिकायत वापस ले ली थी। चरणजीत व अरविंद्र अब भी रुपए वापस नहीं दे रहे। आरोपियों ने उसके साथ धोखाधड़ी की है। एएसआई सतपाल ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

कल जंतर-मंतर जाएंगे किसान, मजदूर युवा, महिलाएं व रिटायर्ड कर्मचारी

फतेहाबाद (हिंस)। यौन शोषण के आरोपी कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल्ली में 20 दिन से धरने पर बैठे खिलाड़ियों के समर्थन में 14 मई को प्रदेशभर से बड़ी संख्या में मजदूर, किसान, खेत मजदूर, महिलाएं, छात्र, युवा और रिटायर्ड कर्मचारी जंतर-मंतर पर पहुंचेंगे। यह निर्णय विभिन्न जन संगठनों की शुक्रवार को हुई ऑनलाइन संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कॉमरेड इंद्रजीत सिंह ने की। बैठक में सीटू से जय भगवान, सुरेखा, सुरेंद्र मलिक, रमेश चंद्र, किसान सभा से मास्टर बलबीर, सुमित, इंद्रजीत सिंह, दिनेश सिवाच, जगतार सिंह, खेत मजदूर यूनियन से प्रेमचंद, जनवादी महिला समिति से जगमति सांगवान, उषा सरोहा, सविता, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से मास्टर जरनैल सिंह, एसएफआई से विनोद गिल, डीवाईएफआई से शाहनवाज, नरेश दनौदा शामिल हुए। किसान नेता जगतार सिंह ने बताया कि यौन शोषण के आरोपी भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ पिछले 20 दिन से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवानों के नेतृत्व में धरना चल रहा है। फरवरी में पहलवानों ने पहली बार जंतर मंतर पर धरना देकर बृजभूषण शरण पर यौन हिंसा और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद केंद्र सरकार ने एक जांच कमेटी का गठन किया। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी, परंतु आज तक इसे सार्वजनिक नहीं किया किया गया है। भाजपा सरकार बृजभूषण शरण को बचाने में लगी हुई है। 7 महिला पहलवानों द्वारा उसके खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत किए जाने के बावजूद एफआईआर दर्ज करवाने के लिए खिलाड़ियों को माननीय उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद भी आरोपी को अभी तक न तो गिरफ्तार किया गया है और न ही कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से हटाया गया है। जंतर-मंतर पर चल रहे धरने को विफल करने के तमाम हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। यहां तक कि महिला खिलाड़ियों के साथ पुलिस द्वारा हाथापाई तक की गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के मंत्री और हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप सिंह के मामले में भी यही स्थिति है। गैर जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक गिरफ्तारी नहीं की गई है।

गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में भी कर्मचारी रात को छलकाते हैं जाम

गुरुग्राम (हिंस)। सरकारी नौकरी को नौकरी ना मानकर कुछ कर्मचारी अपना आरामगाह, ऐशगाह मानते हैं। वहां घर जैसा माहौल बनाते हैं। माहौल इतना ज्यादा बनाते हैं कि वहां शराब तक पीनी शुरू कर देते हैं। रेवाड़ी की तरह गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में भी कुछ कर्मचारी रात होते ही शराब के जाम छलकाने शुरू कर देते हैं। ऐसे कर्मचारियों पर नजर रखने के लिए अस्पताल प्रशासन ने सिक्योरिटी गार्ड व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में शाम के समय नशे के आदी कुछ कर्मचारी अपने नशे के शौक पूरे करते हैं। शराब सबसे अधिक पी जाती है। यहां सुबह के समय सफाईकर्मी अस्पताल की सफाई करते हैं तो उनके सामने शराब की बोतलें आती हैं। सफाईकर्मी भी परेशान हैं। अस्पताल प्रशासन को इस बात का पता है कि यहां कर्मचारी शराब पीते हैं, इसके बावजूद भी आज तक किसी अधिकारी ने शाम या रात के समय पर यहां औचक निरीक्षण करने का कष्ट नहीं किया। जबकि नशा करके व्यक्ति

कोई भी अपराध तक यहां कर सकता है। इतने संवेदनशील जगह पर कर्मचारियों द्वारा शराब का सेवन किया जाना यहां की व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में पीएमओ ने इस बारे में नोटिस भी जारी किया गया है। नोटिस में लिखा गया है कि कुछ कर्मचारी एंबुलेंस स्टाफ अस्पताल परिसर में संवेदनशील पदार्थ जैसे शराब, तंबाकू आदि का सेवन करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। प्रधान चिकित्सा अधिकारी की ओर से आदेशों में कहा गया है कि नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रतिदिन शाम को 5 बे के बाद अस्पताल परिसर के गेट नंबर-2, 3, 4 व 5 बंद कर दिए जाएंगे। अस्पताल का गेट नंबर-1 आपातकालीन विभाग को ही मरीजों व स्टाफ के लिए खुला रखा जाएगा। साथ ही सभी डीएमएस व एसएमओ को आदेश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन अपने रोस्टर के अनुसार अस्पताल और एंबुलेंस कक्ष का निरीक्षण करें। ड्यूटी पर तैनात रहने वाले गार्ड यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति अस्पताल परिसर में संवेदनशील पदार्थ शराब, तंबाकू, गुटखा आदि ना लेकर जाए। आपातलकालीन विभाग के बाहर ही उनकी तलाशी लेकर ऐसा सामान वहां निकलवाएं। आदेशों में फ्लीट मैनेजर को कहा गया है कि वे प्रतिदिन यह सु:निश्चित करें कि ऑन ड्यूटी कोई भी एंबुलेंस स्टाफ किसी प्रकार का नशा ना करे। अगर कोई कर्मचारी ऐसा करता पाया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारत सरकार वॉट्सऐप को भेजेगी नोटिस : इंटरनेशनल स्पैम कॉल-मैसेज से परेशान हैं यूजर्स

नई दिल्ली।

इंटरनेशनल स्पैम कॉल मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय वॉट्सऐप को जल्द नोटिस भेजेगा। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से वॉट्सऐप यूजर्स को +254, +84, +63, +21, +62 जैसे इंटरनेशनल नंबरों से स्पैम कॉल और मैसेज आ रहे हैं। ये स्पैम कॉल ज्यादातर अफ्रीकी और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से आ रहे हैं। इसी को लेकर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा है कि यह गतिविधि की दायरे का हिस्सा है। ट्रस्ट और सेफ्टी इंश्योर करना प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी है। सिक्योरिटी, ट्रस्ट और अकाउंटेबिलिटी कंपनी की जिम्मेदारी है।

स्पैमर्स के पास ऐप यूजर्स का नंबर कैसे पहुंचता है

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि एक मुद्दा यह है कि स्पैम कॉल करने वालों को वॉट्सऐप के यूजर्स का नंबर कैसे मिलता है क्या कोई डेटाबेस लीक हो गया है या फिर एक बॉट के जरिए रैंडम कॉल किया जाता है। यह ऐसी चीजें हैं, जिसे वॉट्सऐप को देखने के लिए कहा जाएगा।

जारी कर चुका है अलर्ट

हाल ही में गृह मंत्रालय के इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने भी अलर्ट जारी किया है, ताकि लोग किसी भी तरह के फ्रॉड का शिकार होने से बच सकें। हर ग्रुप के लोगों के पास पहुंच रहे मैसेज एक्सपर्ट के अनुसार, असामाजिक तत्व ये कॉल और मैसेज सुबह 6 बजे से देर रात तक किसी भी समय कर रहे हैं। इस तरह के कॉल और मैसेज सभी ग्रुप के लोगों को मिल रहे हैं, चाहे वे प्राइवेट वर्कर, बिजनेसमैन, रिटायर्ड गवर्नमेंट ऑफिसर हो या स्कूल और कॉलेज के बॉयज या गर्ल्स हों। हमें इस तरह के कॉल्स से सावधान रहने की जरूरत है।

वॉट्सऐप यूजर्स की बात को नहीं कर रहा रिकॉर्ड

हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वॉट्सऐप बिना परमिशन के यूजर्स की बातों को रिकॉर्ड कर रहा है। इसको लेकर राजीव चंद्रशेखर ने ट्वीट करते हुए कहा था कि यह प्राइवेसी का अन-एक्सपेक्टेड उल्लंघन हैं। हम इसकी तुरंत जांच करेंगे और प्राइवेसी के किसी भी उल्लंघन पर कार्रवाई करेंगे। यहां तक कि न्यू डिजिटल इंडिविजुअल डेटा प्रोटेक्शन बिल तैयार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेजन-फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सीसीपीए का एक्शनः सीटबेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप की सेल्स को रोकने का दिया आदेश

नई दिल्ली। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने हाल ही में सीटबेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप बेचने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों को उनकी सेल्स रोकने का आदेश दिया है। सीसीपीए के इस आदेश के बाद पांच बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स- अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो, स्नैपडील और शॉपक्लूज ने 13,118 सीटबेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप को डिलिस्ट कर दिया है। यानी इन कंपनियों ने अपने-अपने प्लेटफॉर्म से ऐसे सभी प्रोडक्ट्स को हटा दिया है। सीसीपीए ने कहा कि यह क्लिप कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन और कार पैसेंजर्स की लाइफ से समझौता करती हैं। अमेजन ने अपने प्लेटफॉर्म से लगभग 8,095 ऐसे सीटबेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप हटा दिए हैं। वहीं फ्लिपकार्ट ने लगभग 5,000 और मीशो ने करीब 21 ऐसे क्लिप को अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। चीफ कमिश्नर निधि खरे की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने जांच करने के बाद क्लिप की सेल्स और प्रोडक्शन रोकने का आदेश जारी किया था। रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री ने कार सीट बेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप की सेल्स और प्रोडक्शन को रोकने का मुद्दा सीसीपीए के संज्ञान में लाया था। मिनिस्ट्री के एक लेटर ने कार सीट बेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप की खुलेआम बिक्री के मुद्दे पर प्रकाश डाला था। इसके अलावा गलती करने वाले विक्रेताओं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करने और एक एडवाइजरी देने का अनुरोध भी किया था। जांच में पाया गया था कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स सिगरेट लाइटर, बोटल ओपनर आदि की शक्ल में इस तरह के स्टॉपर क्लिप को बेच रहे थे। सीसीपीए ने कंपनियों को तत्काल सभी ऐसे प्रोडक्ट्स वेबसाइट से डिलिस्ट करने का आदेश दिया था। कार्रवाई के बाद सीसीपीए को जानकारी देने और सभी ऐसे सेलर को रोकने के लिए भी कहा गया था।

रिलायंस-मेट्रो की 2850 करोड़ की डील पूरीः आरआरवीएल को मेट्रो के 31 लार्ज फॉर्मेट स्टोर का एक्सेस मिला, मार्केट में पोजीशन मजबूत होगी

नई दिल्ली। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड ने जर्मन रिटेलर मेट्रो के भारतीय कैश एंड कैरी बिजनेस का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। मेट्रो ने इसकी जानकारी दी। मेट्रो ने कहा कि डील में मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के संचालित सभी 31 होलसेल स्टोर और पूरा रियल एस्टेट पोर्टफोलियो शामिल हैं। यह डील रिलायंस रिटेल को भारत में अपनी पोजीशन को मजबूत करने में मदद करेगी। डील के अनुसार, सभी मेट्रो इंडिया स्टोर ट्रांजीशन पीरियड के दौरान मेट्रो ब्रांड के तहत काम करना जारी रखेंगे। मेट्रो के एम्प्लॉइज और मेट्रो कस्टमर के लिए भी कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

नेटफ्लिक्स की भारत में हुई कमाई पर टैक्स वसूलेगी सरकारः इससे बाहर की डिजिटल कंपनियों पर टैक्स लगाने की शुरुआत होगी

नई दिल्ली। भारत सरकार नेटफ्लिक्स की स्ट्रीमिंग सर्विस से होने वाली इनकम पर टैक्स लगाने पर विचार कर रही है।

इनकम टैक्स के अधिकारियों के हवाले से बताया है कि असेसमेंट ईयर 2021-22 में नेटफ्लिक्स के इंडियन परमानेंट इस्टैब्लिशमेंट को लगभग 6.73 मिलियन डॉलर (55.28 करोड़ रुपए) की इनकम हुई है। अगर सरकार नेटफ्लिक्स पर टैक्स लगाती है तो यह पहला मौका होगा जब भारत में इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स सर्विस प्रोवाइड करने वाली फॉरेन डिजिटल कंपनी पर टैक्स लगेगा। नेटफ्लिक्स ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। भारत सरकार पिछले कुछ समय से डिजिटल टैक्स शुरू करने के बारे में चर्चा कर रही है। नेटफ्लिक्स के साथ इस टैक्स की शुरुआत होगी, जिसके बाद अन्य विदेशी डिजिटल कंपनियों की सर्विस पर भी लगने वाले चार्ज पर भी टैक्स लगाया जा सकता है। सरकार इसके जरिए डिजिटल इकोनॉमी को रेग्युलेट करना चाहती है, जिसमें यह इंश्योर करना है कि विदेशी कंपनियां यहां से होने वाली इनकम पर टैक्स का पेमेंट करें।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में अगली सुनवाई 15 मई को

जांच के लिए सेबी ने एक्स्ट्रा टाइम मांगा, सीजेआई ने कहा- छह महीने का समय सही नहीं

नई दिल्ली।

अडाणी-हिंडनबर्ग विवाद में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने अपनी जांच पूरी करने के लिए 6 महीने का समय मांगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 6 महीने का समय सही नहीं है। 15 मई को इस मामले की अगली सुनवाई होगी। इस मामले में कोर्ट ने छह सदस्यीय कमेटी भी बनाई थी और दो महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा था। 8 मई को कमेटी ने बंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सौंप दी। सीजेआई ने कहा, जस्टिस सप्रे की कमेटी की रिपोर्ट आ गई है। हम वीकेंड के दौरान ये रिपोर्ट देखेंगे। अडाणी-हिंडनबर्ग विवाद मामले में 4 जनहित याचिकाएं दायर हुई थीं। एडवोकेट एम एल शर्मा, विशाल तिवारी, कांग्रेस नेता जया ठाकुर और सोशल वर्कर मुकेश कुमार ने ये याचिकाएं दायर की थीं। मामले में पहली सुनवाई चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने 10 फरवरी को की थी।

सेबी को तीन महीने का समय दे सकती है कोर्ट - चीफ जस्टिस ने कहा कि हम 6 महीने का समय नहीं दे सकते। काम में थोड़ी तेजी लाने की जरूरत है। हम अगस्त के मध्य में मामले को लिस्ट कर सकते हैं। आप तीन महीने में अपनी जांच पूरी करें और हमारे पास वापस आएं। इसके बाद बेंच ने कहा कि वह 15 मई को टाइम एक्सटेंशन के लिए सेबी के आवेदन पर अपना आदेश सुनाएगी।

कोर्ट ने 2 मार्च को बनाई थी 6 सदस्यीय कमेटी - सुप्रीम कोर्ट ने जो कमेटी बनाई है, उसके हेड रिटायर्ड जज एएम सप्रे हैं। उनके साथ इस कमेटी में जस्टिस जेपी देवधर, ओपी भट, एमवी कामथ, नंदन नीलेकणि और सोमशेखर सुंदरेसन शामिल हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की बेंच ने कमेटी बनाने का यह आदेश 2 मार्च को दिया था।

कमेटी के अलावा सेबी इन 2 पहलुओं पर जांच कर रही है - क्या सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन रूल्स के नियम 19 का उल्लंघन हुआ क्या मौजूदा कानूनों का उल्लंघन कर स्टॉक की कीमतों में कोई हेरफेर

हुआ मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग से जुड़ा है नियम 19 कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन रूल्स का नियम 19 शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनियों की मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़ा है। भारतीय कानून में किसी भी लिस्टेड कंपनी में कम से कम 25प्रतिशत शेयरहोल्डिंग पब्लिक यानी नॉन इनसाइडर्स की होनी चाहिए। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी विदेश में शेल कंपनियों को मैनेज करते हैं। इनके जरिए भारत में अडाणी ग्रुप की लिस्टेड और प्राइवेट कंपनियों में अरबों डॉलर ट्रांसफर किए गए। इसने अडाणी ग्रुप को कानूनों से बचने में मदद की।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे ये निर्देश

सेबी के चेयरपर्सन को एक्सपर्ट कमेटी को सभी जरूरी जानकारी देनी होगी केंद्र सरकार से जुड़े एजेंसियों को कमेटी के साथ सहयोग करना होगा कमेटी अपने काम के लिए बाहरी विशेषज्ञों से परामर्श ले सकती है कमेटी मेंबर्स का पेमेंट चेयरपर्सन तय करेंगे और केंद्र सरकार वहन करेगी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक सीनियर ऑफिसर को नॉमिनेट करेंगी ये कमेटी को लॉजिस्टिकल असिस्टेंस देने के लिए नोडल ऑफिसर के रूप में काम करेंगे कमेटी के सभी खर्चों को केंद्र सरकार ही वहन करेगी याचिकाओं में एफआईआर दर्ज करने और जांच की मांग की गई थी मनोहर लाल शर्मा ने याचिका में हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन और भारत में उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच करने और एफआईआर की मांग की थी। इसके साथ ही इस मामले पर मीडिया कवरेज पर रोक की भी मांग की गई थी। विशाल तिवारी ने एससी के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक कमेटी बनाकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच की मांग की थी। तिवारी ने अपनी याचिका में लोगों के उन हालातों के बारे में बताया था जब शेयर प्राइस नीचे गिर जाते हैं। जया ठाकुर ने इस मामले में भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक की भूमिका पर संदेह जताया था। उन्होंने अडाणी एंटरप्राइजेज में भारी मात्रा में सार्वजनिक धन के निवेश की भूमिका की जांच की मांग की थी। मुकेश कुमार ने अपनी याचिका में आयकर विभाग, डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस से जांच के निर्देश देने की मांग की थी। मुकेश कुमार ने अपने वकीलों रूपेश सिंह भदौरिया और महेश प्रवीर सहाय के जरिए ये याचिका दाखिल कराई थी।

एससी ने केस के मीडिया कवरेज पर रोक से इनकार किया था - इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर मीडिया कवरेज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि वह मीडिया को रिपोर्टिंग से नहीं रोक सकता। वहीं कोर्ट ने कहा था कि वह इस मामले की जांच के लिए कमेटी के गठन को लेकर अपना फैसला सुरक्षित कर चुकी है और जल्द ही इसे सुनाया जाएगा।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से निवेशकों को नुकसान - याचिकाओं में दावा किया गया था कि हिंडनबर्ग ने शेयरों को शॉर्ट सेल किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। इसमें ये भी कहा गया है कि रिपोर्ट ने देश की छवि को धूमिल किया है। यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इसके साथ ही रिपोर्ट पर मीडिया प्रचार ने बाजारों को प्रभावित किया है।

हिंडनबर्ग ने लगाए थे शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप - 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी।

क्या ट्विटर की नई सीईओ बनेंगी लिंडा याकरिनो मस्क के एलान के बाद से अटकलें

नई दिल्ली।

अरबपति एलन मस्क ने ट्विटर का सीईओ पद छोड़ने की घोषणा की है। मस्क ने कहा कि उन्होंने ट्विटर का नया सीईओ का चुन लिया है। हालांकि, अभी उन्होंने नए सीईओ के नाम की घोषणा नहीं की है। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के मालिक मस्क ने संकेत दिए हैं कि ट्विटर की नई सीईओ एक महिला होगी। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि एनबीसी यूनिवर्सल की विज्ञापन प्रमुख लिंडा याकरिनो ट्विटर की नई सीईओ बन सकती हैं। हालांकि, एक रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि अगले सीईओ के रूप में एला इरविन के नाम की भी चर्चा हो रही है। इरविन फिलहाल ट्विटर के ट्रस्ट एंड सेफ्टी एफर्ट्स डिविजन की प्रमुख हैं। कहा जा रहा है कि पदोन्नति के बाद उन्होंने मस्क के साथ अपने रिश्तों को अच्छा बनाया। गौरतलब है, एलन मस्क ने ट्वीट किया था कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उन्होंने ट्विटर का नया सीईओ चुन लिया है। वह छह सप्ताह में अपनी जिम्मेदारी संभालेगी। उन्होंने लिखा, मैं सीईओ के पद से इस्तीफा दे दूंगा। अब ट्विटर के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के रूप में काम करूंगा। इसके बाद से लिंडा के नाम की चर्चा जोरों से हो रही है। आइए जानते हैं कि आखिर कौन हैं लिंडा, जिन्हें ट्विटर का नया सीईओ बताया जा रहा है। याकरिनो की लिंक्डइन आईडी से पता चलता है कि वह साल 2011 से एनबीसी यूनिवर्सल मीडिया के साथ जुड़ी हुई हैं। फिलहाल वह वैश्विक विज्ञापन और साझेदारी के अध्यक्ष पद पर हैं। इससे पहले, वह कंपनी के केबल मनोरंजन और डिजिटल विज्ञापन बिक्री विभाग के रूप में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा, लिंडा याकरिनो ने टर्नर में 19 वर्षों तक काम किया है। जब उन्होंने कंपनी से अलविदा किया था, तब वह बिक्री, विपणन और अधिग्रहण के कार्यकारी उपाध्यक्ष के पद पर थीं। लिंडा की पढ़ाई की बात करें तो वह पेन स्टेट यूनिवर्सिटी की छात्रा रही हैं, जिन्होंने उदार कला और दूरसंचार का अध्ययन किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, याकरिनो में विज्ञापन को लेकर काफी समझ है।

मारुति सुजुकी 2030 तक दो गुना करेगी प्रोडक्शनः 45 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा इनवेस्ट करेगी कंपनी, एक्सपोर्ट भी बढ़ाएगी

नई दिल्ली।

भारत की सबसे बड़ी कार मेकर कंपनी मारुति सुजुकी 2030 तक अपनी 4 करोड़ प्रोडक्शन कैपेसिटी को दो गुना करेगी। इसके लिए कंपनी 5.5 बिलियन डॉलर (करीब 45.18 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा इनवेस्ट करेगी। प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाकर कंपनी लोकल मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ एक्सपोर्ट को भी बढ़ाएगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस इन्वेस्टमेंट के बाद कंपनी 2 नई फैसिलिटीज में 2.50 लाख यूनिट प्रोडक्शन कैपेसिटी के साथ 8 असैंबली लाइन शुरू करेगी। हरियाणा के खरखौदा में पहले प्रोडक्शन यूनिट का कंस्ट्रक्शन शुरू हो गया है। कंपनी के एक एग्जीक्यूटिव ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, प्रोडक्शन यूनिट्स को शुरू करने की समय-सीमा और लागत मूल्य

बढ़ सकता है। मारुति सुजुकी की वर्तमान में गुजरात के महेसाणा और गुरुग्राम के मानेसर में कुल 2 मिलियन यूनिट प्रोडक्शन कैपेसिटी के प्लांट हैं। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने बताया कि कंपनी को खरखौदा प्लांट में एक मिलियन यूनिट प्रोडक्टशन कैपेसिटी को बढ़ाने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही कंपनी को एक और साइट पर एक मिलियन यूनिट प्रोडक्शन के लिए प्रिंसिपल अप्रूवल मिल गया है। चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि हमारे पास पहले करीब 50प्रतिशत मार्केट शेयर था, जिसे हम वापस पाना चाहते हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि आने वाले समय में कंपनी कई और इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च करने का प्लान बना रही है। मारुति सुजुकी फाइनेंशियल ईयर 2023 में लगातार दूसरे साल भारत की सबसे बड़ी पैसेंजर व्हीकल एक्सपोर्टर बनी है।

पांच करोड़ से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों के लिए भी ई-चालान जरूरी, नई व्यवस्था जल्द होगी शुरू

लखनऊ/नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय की 10 मई को जारी अधिसूचना के मुताबिक, बी2बी लेनदेन के लिए ई-चालान निकालने की सीमा को 10 करोड़ रुपये से घटाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया गया है। जीएसटीएन पोर्टल पर मौजूद 11 मई तक आंकड़ों के मुताबिक, ई-चालान निकालने के लिए कारोबार की सीमा घटाने से देशभर के 45 लाख और उत्तर प्रदेश के तीन लाख से ज्यादा व्यापारी ऑनलाइन निगरानी के दायरे में आ गए हैं। जीएसटी लागू होने के बाद यानी 2017 से मार्च, 2023 तक किसी भी एक साल में अगर कंपनी का कारोबार 5 करोड़ रुपये से ज्यादा है तो उसे भी एक अगस्त, 2023 से ई-चालान निकालना होगा।

इसलिए लागू की जा रही व्यवस्था

ई-चालान व्यवस्था को 2020 में 500 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों के लिए लागू किया गया था। उसी समय कर संस्थानों ने इसके पांच साल में छोटे व्यापारियों पर भी लागू

होने का अनुमान जता दिया था। पिछले एक साल में जीएसटी चोरी 54,000 करोड़ से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। बढ़ती कर चोरी पर लगाम लगाने के लिए छोटे कारोबारों को भी ई-चालान के दायरे में शामिल किया जा रहा है। ई-चालान से अड़चनें कम हुई हैं। अनुपालन सुधरा है।लंबी अवधि में वाणिज्यिक विवाद घटाने में मदद मिलेगी।

लागत में कमी आने के साथ होंगे ये लाभ

डेलॉय इंडिया के भागीदार महेश जयसिंह ने कहा, सरकार की इस घोषणा से ई-चालान के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का दायरा बढ़ेगा। ई-चालान कंपनियों के लिए एक वरदान है। इसे उन्हें लागू करने की आवश्यकता होगी। एमएसएमई क्षेत्र को ई-चालान व्यवस्था के दायरे में शामिल करने से लागत घटेगी। तेजी से चालान का प्रसंस्करण सुनिश्चित होगा। सौदों की ऑनलाइन जानकारी राज्य और केंद्र के जीएसटी विभाग के निगरानी में आ जाएगी। कर चोरी की गुंजाइश खत्म होगी। खास तौर पर फर्जी बिल काटकर इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने जैसे फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी।

ई-चालान हर लेनदेन का यूनिक नंबर

जीएसटी में ई-चालान ऐसा सिस्टम है, जिसमें किसी भी लेनदेन की रसीद को जीएसटी नेटवर्क सत्यापित करता है। वह हर सामान्य रसीद को ई-रसीद में बदल देता है। हर रसीद के लिए विशिष्ट पहचान संख्या (यूनिक नंबर) जारी होती है।

हिंडनबर्ग ने इकान एंटरप्राइजेज के लोन पर सवाल उठाए

कंपनी के चेयरमैन बोले- निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचाती है हिंडनबर्ग, एक्शन लेंगे

वॉशिंगटन।

अमेरिका की फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने 11 मई को इकान एंटरप्राइजेज पर एक और रिपोर्ट पब्लिश की है। इस रिपोर्ट में मार्जिन लोन और लगातार हो रहे पोर्टफोलियो लॉस पर सवाल उठाए गए हैं। हिंडनबर्ग ने कहा कि आईईपी के चेयरमैन कार्ल इकान के पास आईईपी का लगभग 84प्रतिशत हिस्सा है। इसमें से 65प्रतिशत से ज्यादा स्टेक को मार्जिन लोन के लिए कोलेटरल के रूप में गिरवी रखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें पूरी तरह से संदेह है कि कार्ल इकान ने मार्जिन लोन में से 3.4 बिलियन डॉलर तक की प्रोसीड को अपने इन्वेस्टमेंट फंड्स में रिइन्वेस्ट किया। इसमें 2014 से 2022 तक मोटे तौर पर 53प्रतिशत का घाटा हुआ। हिंडनबर्ग ने ये भी कहा कि हमारी 2 मई की रिपोर्ट पर आईईपी ने 4 मई को जवाब दिया था, लेकिन वो हमारे जरूरी सवालों का जवाब देने में फेल रही।

इकान को लोन का साइज तुरंत बताना चाहिए

हिंडनबर्ग ने इकान से 3 सवाल पूछे हैं और कहा कि इकॉन को तुरंत इनके जवाब देना चाहिए। मार्जिन लोन का साइज और टर्म कितना है लोन की प्रोसीड का इस्तेमाल कहा किया गया क्या प्रोसीड को आईईपी के इन्वेस्टमेंट फंड में रिइन्वेस्ट कर दिया गया इससे पहले 2 मई को जारी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि आईईपी की वैल्यू जितनी होनी चाहिए उससे ज्यादा बताई गई है। यानी कंपनी ओवरप्राइज्ड है और उसके कुछ एसेट का इन्फ्लेटेड वैल्यूएशन है। वो डिविडेंड देने के लिए पॉन्जी जैसे स्ट्रक्चर पर डिपेंड है।

डायवर्सिफाइड होल्डिंग कंपनी इकान एंटरप्राइजेज

इकान एंटरप्राइजेज एक डायवर्सिफाइड होल्डिंग कंपनी है जो सात प्राथमिक बिजनेस सेगमेंट में एंगेज्ड है। इन्वेस्टमेंट, एनर्जी, ऑटोमोटिव, फूड पैकेजिंग, रियल एस्टेट, होम फैशन और फार्मा। आईईपी का अधिकांश स्वामित्व और कंट्रोल कार्ल इकान के पास है। 1987 में इस कंपनी की स्थापना हुई थी और कंपनी

का हेडक्वार्टर फ्लोरिडा के सनी आइल्स बीच में है।

इकान एंटरप्राइजेज का शेयर 40प्रतिशत तक टूटा

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले 1 मई को इकान एंटरप्राइजेज का शेयर 50.42 डॉलर पर था। 2 मई को रिपोर्ट के बाद शेयर 40.36 डॉलर पर आ गया। 4 मई को ये कमजोर होकर 30.09 डॉलर तक आ गया था। यानी रिपोर्ट के पहले के भाव से इसमें 40प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि बाद में इसकी थोड़ी रिकवरी देखने को मिली और ये 5 मई को 38 डॉलर तक पहुंच गया।

इसमें फिर से गिरावट आई और ये 31.65 डॉलर पर बंद हुआ।

जानबूझकर नुकसान पहुंचाने की कोशिश उधर, इकान एंटरप्राइजेज ने अमेरिका के शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए आरोपों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने की कोशिश बताया है। हिंडनबर्ग की 2 मई को आई रिपोर्ट के बाद से कंपनी का मार्केट कैपेटलाइजेशन 6 बिलियन डॉलर से ज्यादा कम हो चुका है। कंपनी अब हिंडनबर्ग के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी कर रही है।

निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचाती है हिंडनबर्ग

इकान एंटरप्राइजेज के चेयरमैन कार्ल इकान ने कहा, जिस तरह से नाथन एंडरसन की कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचाती है उसे देखते हुए हिंडनबर्ग रिसर्च का नाम ब्लिट्जक्रेग रिसर्च रखना ज्यादा बेहतर होगा। उन्होंने कहा, उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग के फाउंडर नाथन एंडरसन, कंपनियों की छवि खराब करने के लिए गलत जानकारी को फैलाते हैं। निवेशकों के मेहनत से कमाए गए पैसे का नुकसान करते हैं।

हम चुप नहीं बैठेंगे, सभी जरूरी कदम उठाएंगे

कार्ल इकान ने कहा, हम चुप नहीं बैठेंगे। अपने यूनिटहोल्डर्स को बचाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए बढ़े हुए वैल्युएशन के सवाल पर कार्ल ने कहा कि नेट एसेट वैल्यू का निर्धारण पहले से तय मेथडोलॉजी पर बेस्ड है। उन्होंने कहा कि कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत है। कंपनी के पास 1.9 अरब डॉलर का कैश है।

जीनत अमान से मिली तारीफ से उत्साहित हैं वामिका

अभिनेत्री वामिका गब्बी स्ट्रीमिंग सीरीज जुबली में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान द्वारा नीलोफर के किरदार की तारीफ किए जाने से काफी खुश हैं। अभिनेत्री वामिका गब्बी विक्रमादित्य मोटवाने द्वारा निर्देशित हाल ही में रिलीज हुई है।इस बारे में जीनत अमान ने कहा कि वह जुबली में नीलोफर का किरदार निभाना चाहती हैं। वामिका ने कहा, मुझे उनकी फिल्में और गाने याद है। वह उस समय की सबसे आत्मविश्वासी, प्रगतिशील और बेबाक अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह हमेशा बाकियों से अलग दिखती थी। उनमें आत्मविश्वास है और आज तक इच्छा को फिर से परिभाषित करती है। उनके द्वारा तारीफ होना खुशी की बात है। उन्होंने आगे कहा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि उन्होंने सीरीज देखी है और उन्हें यह पसंद आया है। उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें मौका दिया जाता है, तो वह नीलोफर की भूमिका निभाना चाहेगी। मैं वास्तव में सम्मानित और खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें मेरे अन्य परफॉर्मेंस भी पसंद आएंगे। जुबली एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें प्रोसेनजीत चटर्जी, अपारशक्ति खुराना, अदिति राव हैदरी, राम कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अरुण गोविल के साथ मूवी में नजर आयेंगी दीपिका

रामायण में माता सीता का किरदार निभाकर घर-घर में फेमस हुईं दीपिका चिखलिया ने बताया है कि वो ट्रोल आर्मी को जवाब भी दे देती हैं। उन्होंने बताया है कि वह ट्रोल आर्मी से कैसे डील करती हैं। उनका मानना है कि अगर वह एक पब्लिक फिगर हैं तो पूरा देश उनके बारे में हर तरह की बात करेगा। अपने ओपिनियन बनाएगा। दीपिका चिखलिया ने लोगों से ये भी कहा कि लोगों को ये समझना चाहिए कि वह भी पेशे से एक एक्टर हैं और उससे भी पहले एक इंसान हैं। वह हमेशा सीता नहीं रह सकती हैं। उन्होंने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि वह अरुण गोविल के साथ एक मूवी में आ रही हैं। इसमें वह एक गुस्सैल पत्नी के रूप में दिखाई देंगी। इसमें वह अपने पति से दिनभर लड़ती दिखाई देंगी। दीपिका ने कहा कि वो एक एक्टर के नाते तरह-तरह के किरदारों को एक्सप्लोर करेंगी। उन्हें वो लिबर्टी चाहिए जिससे उनको तमाम तरह की चीजों को करने का मौका मिले। वो अपने फैन्स की उम्मीदों का भी ध्यान रख रही हैं लेकिन उनकी भी पसंद-नापसंद का लोगों को ध्यान रखना चाहिए। उसकी इज्जत करनी चाहिए। बता दें कि दीपिका सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। वहां ये आए दिन बॉलीवुड गानों पर या फिर किसी भजन पर रील्स बनाकर शेयर करती रहती हैं। कुछ पर लोग इनकी तारीफ करते हैं और कुछ पर इन्हें जमकर ट्रोल करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ परेशान करना जानते हैं। लेकिन कुछ लोग वाकई प्यार देते हैं। दीपिका चिखलिया ने कहा कि वह फेमस हैं। पब्लिक फिगर हैं। इसलिए उनकी यही कोशिश होती है कि वो अपने चाहने वालों को दुखी न करें। उनका दिल न दुखाएं। वो कुछ ऐसा न लिखें या पोस्ट करें जिससे लोगों की भावनाएं आहत हों। इसलिए वो रील्स भी एवरग्रीन सॉन्ग्स पर बनाती हैं। जिससे मयार्दा बनी रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि लोग उन्हें मैसेज करते हैं कि वो मुझे माता सीता के रूप में देखते हैं। इसलिए वो ऐसी-वैसी रील्स न बनाएं। कपड़ों को लेकर भी कहते हैं कि वह ऐसे-वैसे कपड़े न पहनें। दीपिका ने इंटरव्यू में आगे कहा कि उन्हें पता है कि उनका चेहरा माता सीता की छवि दशार्ता है। उनको लोग सम्मान देते हैं। इसलिए वह कुछ भी रिवीलिंग चीजें नहीं करती हैं। उनकी कोशिश सिंपल चीजों पर होती है। वही वो करती हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं। वह अपनी सीमा जानती हैं और उसका पूरा ख्याल रखती हैं। जिससे किसी को दुख न पहुंचे।

टाइम मैगजिन के कवर पर आई दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन के कवर पेज पर आई हैं। इसके साथ ही दीपिका वैश्विक हस्तियों जैसे बराक ओबामा, ओपरा विन्फ्रे और कई अन्य हस्तियों के एलीट क्लब में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने टाइम मैगजिन पर जगह बनाई है। इससे पहले 2022 में दीपिका को सिनेमा में उनकी उपलब्धियों और मानसिक स्वास्थ्य वकालत में काम करने के लिए द टाइम 100 इम्पैक्ट अवार्ड में नामित किया गया था। अभिनय के मोर्चे पर, बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ दीपिका की हालिया रिलीज पठान एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई। अब वह अपनी अगली फिल्म फाइटर की तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह ऋतिक रोशन और अनिल कपूर के साथ नजर आएंगी। वह प्रभास और अमिताभ बच्चन अभिनीत प्रोजेक्ट के में भी नजर आएंगी।

बघीरा फिल्म में नजर आयेगी अमायरा

बॉलीवुड अदाकारा अमायरा दस्तूर बॉलीवुड इंडस्ट्री में जाना-माना नाम है, लेकिन उन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है और महज 16 साल की उम्र में ही उन्होंने काम करना शुरू कर दिया था। अमायरा अब जल्द ही बघीरा फिल्म में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म इसी साल रिलीज होने जा रही है। अमायरा लगातार एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं और अब तक 25 फिल्मों में काम कर चुकी हैं और लगातार लोगों का अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीत रही हैं। इस अभिनेत्री ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत की थी। 7 मई 1993 को मुंबई में जन्मी अमायरा ने धीरूभाई इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई की है। इसके बाद अपने एक्टर बनने का ख्वाब पालने लगीं। स्कूलिंग पूरी करने के बाद अमायरा ने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। साथ में कॉलेज में भी एडमिशन ले लिया। अपने करियर की शुरूआत में अमायरा ने मॉडलिंग के कई शो किए और बाद में अमायरा ने अपने करियर की दिशा एक्टिंग की तरफ मोड़ दी। कई एड्स में नाम कमाने के बाद साल 2013 में अमायरा ने इश्क फिल्म से अपने करियर की शुरूआत की थी। ये फिल्म 26 जुलाई 2013 को रिलीज हुई थी। अमायरा के साथ इस फिल्म में प्रतीक बब्बर नजर आए थे। हालांकि इश्क फिल्म कोई खास कमाल नहीं कर पाई और अमायरा का डेब्यू बिगड़ गया। हालांकि एक्ट्रेस ने हार नहीं मानी और जी-जान से मेहनत करती रहीं। साल 2017 में अमायरा ने जैकी चेन के साथ फिल्म कुंग फू योगा भी की थी। अमायरा का ये पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट था। अमायरा बॉलीवुड में 25 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इस अभिनेत्री ने बॉलीवुड के साथ दक्षिण सिनेमा में भी कई फिल्मों में काम किया है। अमायरा ने हिंदी के साथ तमिल तेलुगू और दूसरी रीजनल भाषाओं की फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है।

काइली जेनर ने करवाया डिफ्रेंट्स लुक में फोटोशूट

हाल ही में हॉलीवुड दिवा काइली जेनर ने अपने कुछ डिफ्रेंट्स लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब देखी जा रही हैं। काइली जेनर द्वारा शेयर हर तस्वीर में उनका डिफ्रेंट लुक देखने को मिल रहा है। स्किनफिट और डीपनेक ड्रेसेस में एक्ट्रेस बेहद कातिलाना लग रही हैं। ड्रेस के हिसाब से उन्होंने परफेक्ट मेकअप किया है। इसके साथ भी उन्होंने अपने बालों का कलर ग्रे रखा है। अपने लुक से सबको हैरान करती काइली कैमरे के सामने गजब पोज दे रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस की ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं और वे कमेंट कर इन पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, काइली जेनर सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 389 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

काइली जेनर अक्सर अपने लुक्स के कारण चर्चा में रहती हैं। वह अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर तहलका मचाती रहती हैं।

मैं अपनी किताब के पन्नों को नहीं पलटती : प्रियंका

कॉल हर डैडी पोडकास्ट में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने मेजबान एलेक्स कूपर से कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने किसे डेट किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, हम भविष्य के बारे में बात कर रहे हैं.. मैं हमेशा यह कहती हूं - मैं अपनी किताब के पन्नों को नहीं पलटती। मेरा मानना है कि आप अध्यायों में आगे बढ़ते हैं।इस जोड़ी ने मई 2018 में डेटिंग शुरू की थी लेकिन जब वे पहली बार एक-दूसरे के जीवन में आए, तो प्रियंका झिझक रही थीं। उन्होंने कहा, मैंने उस समय निक को डेट भी नहीं किया था क्योंकि मैं बस, जैसे, मुझे यह जानने की जरूरत है कि मैं अपनी गलतियाँ क्यों दोहराती रहती हूँ। और गलती को दोहराना हमेशा ऐसा महसूस कर रहा था कि मुझे कार्यवाहक बनने की जरूरत है। हमेशा ऐसा महसूस होता है कि मेरी नौकरी या मेरे काम या मेरी बैठक को रद्द करना ठीक है या मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि वह आगे बढ़ें.. मुझे अपने रिश्तों में अद्रश्य महसूस होने लगा। (लेकिन) मेरे पति मुझे ऐसा महसूस कराते हैं।

पीटर क्विल का रोल निभाकर खुश हैं क्रिस प्रैट

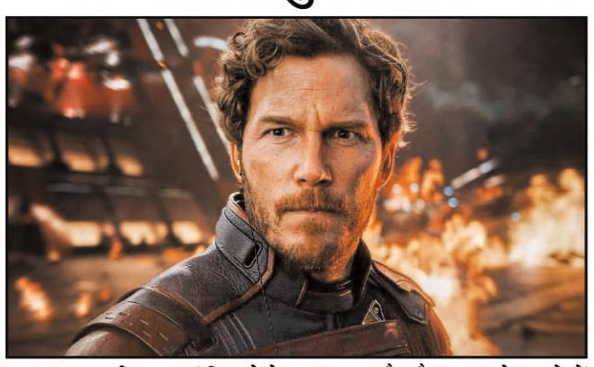

फिल्म गार्डियन्स ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 में पीटर क्विल उर्फ स्टार लॉर्ड का रोल निभाने वाले अभिनेता क्रिस प्रैट से क्रिस से पूछा कि उन्होंने अपने किरदार पीटर से क्या सीखा है, क्या वहां अपने सुपरहीरो अवतार के साथ कोई समानता शेयर करते हैं। इस पर अभिनेता इमोशनल हो गए। मार्वल की फिल्म गार्डियन्स ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम सिनेमाघरों में छाई हुई है। मूवी के बारे में क्रिस प्रैट कहते हैं, ये कहना बहुत मुश्किल है। पीटर क्विल के रोल में काम मिलने के बाद मेरी जिंदगी में कई बदलाव आए हैं। मैं ये सोचना पसंद करता हूं कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे ये किरदार इतने लंबे समय तक निभाने का मौका मिला और फैंस ने भी इस अपनाया है और इस आगे बढ़ाने में हमारे मदद की है। ये एक सम्मान की बात है।

तृप्ति और एमी भी नजर आयेंगे धर्मा प्रोडक्शंस की नई फिल्म में, 28 जुलाई को होगी रिलीज

भारत के सबसे अधिक पसंद किए जानेवाले मनोरंजन के केंद्र, प्राइम वीडियो ने आज घोषणा की कि वह धर्मा प्रोडक्शंस और लियो मीडिया कलेक्टिव के साथ मिलकर थिएटर में रिलीज की जानेवाली एक नई फिल्म का निर्माण करेगा। इस समय अनामित इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं, जिसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है और हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्वा मेहता, अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा निर्मित है। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी मुख्य भूमिकाओं में हैं और इसे 28 जुलाई, 2023 को थिएटरों में रिलीज के लिए निर्धारित किया गया है। थिएटरों में रिलीज होने के बाद, यह फिल्म भारत में और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम के सदस्यों के लिए देखने के लिए उपलब्ध होगी। विक्की कौशल-अभिनीत सह-निर्मित की जानेवाली यह दूसरी फिल्म है जिसका निर्माण प्राइम वीडियो और धर्मा प्रोडक्शंस मिलकर कर रहे हैं। यह कदम देश के सर्वश्रेष्ठ फिल्मकारों के साथ मिलकर भारत में विषय-सामग्री के परिवेश को बेहतर बनाने के लिए प्राइम वीडियो की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। धर्मा प्रोडक्शंस के करण जौहर ने कहा, आनंद तिवारी की आने वाली फिल्म कई मायनों में खास है।

यह एक माहिर फिल्मकार के हुनर से सजी हुई है, जिसमें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता - विक्की कौशल हैं, और यह प्राइम वीडियो के साथ हमारी संबद्धता की एक स्वाभाविक प्रगति भी है। प्राइम वीडियो के साथ मिलकर हमने दुनिया भर के दर्शकों के लिए कुछ सबसे यादगार कहानियाँ प्रस्तुत की हैं। शेरशाह और गहराईयाँ के डायरेक्ट-टू-सर्विस प्रीमियर से लेकर स्ट्रीमिंग पर रिलीज होने पर हमारी थिएटर में रिलीज होनेवाली फिल्मों को दुनिया तक पहुँचाने तक, हमारी फिल्मों की विश्वभर में सफलता प्राइम वीडियो के साथ हमारी संबद्धता की शक्ति का प्रमाण है। हम उनके साथ फिल्में बनाने - लाइसेंसिंग, ओरिजिनल सीरीज, ओरिजिनल फिल्में और अब थिएटर में रिलीज की जानेवाली सह-निर्मित फिल्मों में मिलकर काम करने के लिए रोमांचित हैं। यह घोषणा प्राइम वीडियो और धर्मा प्रोडक्शंस के बीच लगभग पाँच वर्षों के लंबे सफल सहयोग को और भी मजबूत करती है। प्राइम वीडियो की विशाल विषय-सामग्री वाली लाइब्रेरी में धर्मा की कई लाइसेंस प्राप्त क्लासिक्स फिल्में हैं, जिनको पिछले कुछ वर्षों के दौरान बड़ी संख्या में चाहने वाले मिले हैं थिएटर में रिलीज किए जाने के बाद कई नई फिल्मों को इस सेवा पर रिलीज करने के लिए निर्धारित किया गया है। पिछले दो वर्षों के दौरान, प्राइम वीडियो ने 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में दर्शकों को सेवा प्रदान करते हुए बेहद सफल रही फिल्में शेरशाह और गहराईयाँ को सीधे इस सेवा पर पेश किया है। एक कदम और आगे बढ़ते हुए, इस वर्ष की शुरूआत में, प्राइम वीडियो ने धर्मांटिक एंटरटेनमेंट के साथ ओरिजिनल सीरीज और फिल्मों की घोषणा की है। लियो मीडिया कलेक्टिव विक्की कौशल की आने वाली फिल्म के सह-निमार्ता भी हैं। अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी के द्वारा मिलकर बनाई गई कंपनी, लियो मीडिया कलेक्टिव मनोरंजन के क्षेत्र में प्रीमियम गुणवत्ता, नवीनतम विषय-सामग्री का पर्याय बन गई है। हालाँकि उन्होंने अपने करियर की शुरूआत हॉलीवुड में काम करने से की थी, लेकिन अमृतपाल का भारत की विषय-सामग्री के प्रति प्यार उन्हें पूरी दुनिया के दर्शकों के लिए भारत की विषय-सामग्री बनाने के लिए भारत वापस ले आया। फिल्मों, विज्ञापन और थिएटर की दुनिया में व्यापक अनुभव के साथ, आनंद तिवारी ने भी मनोरंजन उद्योग में अपने लिए एक जगह बनाई है।

पठान की सफलता के बाद बढ़ी सिद्धार्थ आनन्द की मांग

मुंबई (ईएमएस)। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद निमार्ताओं की पहली पसंद बन गए हैं। यह मांग पठान की सफलता के बाद बढ़ी है। दक्षिण भारतीय सिने उद्योग में निर्देशक के रूप में सिद्धार्थ आनन्द की मांग बहुत ज्यादा हो रही है। बीते दिनों खबर सामने आई थी सुपरस्टार प्रभास और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद को लेकर चल रही फिल्म एक बार फिर ट्रैक पर लौटने वाली है। इस फिल्म को बनाने के लिए पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने सिद्धार्थ आनंद के साथ हाथ मिलाया है। जिसके बाद जल्दी ही ये फिल्म प्री-प्रोडक्शन फेज में पहुंचेगी। लेकिन अब यह फिल्म कभी बनने की उम्मीद नहीं रही है। खबर है कि निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुद इस फिल्म को करने से मना कर दिया है। यही नहीं, निर्देशक ने प्रभास स्टारर फिल्म के लिए निमार्ताओ से लिया एडवांस चेक भी वापस कर दिया है। सूत्र ने कहा, वास्तव में, सिद्धार्थ ने निमार्ताओं से लिया एडवांस फीस का चेक भी लौटा दिया है। मैत्री और सिद्धार्थ ने फिलहाल किसी और फिल्म पर भविष्य में दोबारा काम करने का फैसला किया है। करीबी सूत्र ने बताया, सिद्धार्थ और प्रभास इस वक्त इंडस्ट्री के दो सबसे बिजी स्टार हैं। दोनों की डायरीज अगले कुछ सालों तक बुक हैं। दोनों एक कॉमन विंडो पर आकर साथ काम करने का वक्त नहीं निकाल पाए हैं। प्रभास इन दिनों आदिपुरुष के बाद सालार, प्रोजेक्ट के और राजा डीलक्स जैसी बिग बजट फिल्मों में बिजी हैं। वहीं, सिद्धार्थ आनंद इन दिनों ऋतिक रोशन की फाइटर को पूरा करने में लगे हुए हैं। इसके बाद वे यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म टाइगर बनाम पठान को शुरू करेंगे। साथ ही साथ वे ऋतिक रोशन की फ्रेंचाइजी फिल्म कृष-4 को बतौर निमार्ता शुरू करने जा रहे हैं। वहीं वे दूसरी तरफ अपने बैनर की पहली निर्मित फिल्म फाइटर-2 के काम को भी शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6429

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6428 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्दजाल - 7176

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क	
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली	
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त	
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज	
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा	
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी	
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं	
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा	
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा	
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द	
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र	

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

लव लव लव,लगान,राख,दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

शब्दजाल - 7175 का हल

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि	
छ	चि	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क	
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना	
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह	
व	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट	
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	झ	न	ती	
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क	
बा	जी	वो	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट	
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द	
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो	
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6129

	3		4	5		
2	30	7	31		34	2
1			3		7	
	28	6	31	6	39	3
4		1			5	7
3	30		32	7	34	
	5		6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6128 का हल

2	3	6	4	1	7	5
7	30	2	25	2	34	4
4	5	1	3	6	7	2
6	28	5	35	3	39	6
1	2	4	6	7	5	3
5	30	3	42	5	34	7
3	5	7	6	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सिर पर नहीं पिता का साया, मां दिहाड़ी मजदूर ; बेटियां खेलेंगी विदेश में हॉकी

सिमडेगा । परिस्थितियां चाहे कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, सिमडेगा की बेटियां हारती नहीं, बल्कि उसे हराने का जज्बा रखती हैं। ये बातें जिले के हॉकी खिलाड़ियों पर सटीक बैठती हैं, जो विपरीत हालात में भी ऊंची उड़ान हासिल कर रही हैं। एक दिन पूहले ही प्रतिष्ठित महिला जूनियर एशिया कप- 2023 के लिए दीपिका, रोपनी व महिमा का चयन हुआ है। तीनों ही खिलाड़ी किसान-मजदूर परिवार से आती हैं। इन खिलाड़ियों में शामिल दीपिका और रोपनी मुश्किल हालातों से लड़कर इस मुकाम तक पहुंची हैं। दोनों के सिर से पिता का साया काफी पहले उठ चुका है। परिवार वालों ने किसी तरह मजदूरी कर खिलाड़ी बेटियों के सपनों को न सिर्फ जिंदा रखा, बल्कि उसे हासिल कराने में हर मुमकिन योगदान दिया।

ये है तीनों की कहानी

दीपिका सोरेंगे जिले के केरसई प्रखंड के करंगागुड़ी सेमरटोली की रहने वाली हैं। दीपिका जब छोटी थीं तब ही उनके पिता दानिएल सोरेंग की हत्या हो गई थी। इसके बाद बेबश मां फ्रिस्का सोरेंगे ने राऊरकेला में दिहाड़ी मजदूरी कर अपनी संतानों का परवरिश की।

इस दौरान उन्होंने दीपिका सोरेंग के हॉकी के प्रति रुझान को देखते हुए उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ाने के लिए जी जान लगा दिया। रोपनी की कहानी भी कुछ इसी तरह की है। उसके पिता रातु मांझी का भी निधन हो गया है। रोपनी को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मां और घर के अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा है। अब बात करते हैं महिला की। महिमा भले ही ओलिंपियन सलीमा की बहन हैं, लेकिन घर की माली हालात बेहतर नहीं रहने से वो संघर्ष से ही आगे बढ़ीं। वो भी किसान-मजदूर परिवार से आते हुए भी अपनी प्रतिभा व लगन से हॉकी में अच्छा कर रही हैं। गौरतलब है कि तीनों खिलाड़ियों ने वर्ष 2017 में सबजूनियर नेशनल प्रतियोगिता में झारखंड टीम से खेला और गोल्ड पर कब्जा जमाकर चैंपयिन बनीं। तीनों ने वर्ष 2019 में भी जूनियर नेशनल में झारखंड टीम से खेलकर गोल्ड हासिल किया था। हॉकी खिलाड़ी दीपिका, रोपनी और महिमा लगातार झारखंड टीम से नेशनल प्रतियोगिता भी खेलती रही हैं। अब तीनों विदेशी सरजमीं पर झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

रोपनी पहली बार खेलेंगी अंतरराष्ट्रीय मैच

हॉकी इंडिया ने जापान के काकामीगहारा में 2 जून से शुरू होने वाले प्रतिष्ठित महिला जूनियर एशिया

कप 2023 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की है। जानकारी देते हुए हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने बताया कि इस टीम में झारखंड की तीन खिलाड़ी हैं महिमा टेटे, दीपिका सोरेंग और रोपनी कुमारी। तीनों ही खिलाड़ी सिमडेगा जिले की हैं। उन्होंने बताया कि दीपिका सोरेंग और महिमा टेटे पूर्व से जूनियर इंडिया हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते आ रही हैं। रोपनी कुमारी पहली बार जूनियर भारतीय महिला टीम के लिए चुनी गई हैं। भारतीय जूनियर महिला टीम ग्रुप चरण के दौरान पूल ए में कोरिया, मलेशिया, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी जबकि पूल बी में मेजबान जापान, चीन, कजाकिस्तान, हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान के सीरीज के बीच ही भारत दौरे के कार्यक्रम को बीसीबी ने स्वीकार कियाः यूनुस

लंदन । अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम अपने बांग्लादेश दौरे के बीच में ही समय निकालकर भारत में भी सीरीज खेलेगी। अफगानिस्तान को अगले महीने दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने के लिए बांग्लादेश जाना है पर इस दौरे के एक एक टेस्ट को कम कर दिया गया है। यह खुलासा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट परिचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने किया है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने हमसे अनुरोध किया था कि उनकी टीम एक टेस्ट ही खेलना चाहती है। इसके बाद वह भारत में एक सीरीज खेलने जाएगी और वापसी पर बांग्लादेश में बचे हुए मैच खेलेगी। साथ ही कहा कि हमने इस कार्यक्रम को अपनी सहमति दे दी है। अफगानिस्तान के साथ हमारे दो टेस्ट थे पर हमने इसमें से एक टेस्ट को कम कर दिया है और अब हम एक टेस्ट के साथ तीन एकदिवसीय और दो टी20 मैच खेलेंगे। हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के साथ बात कर रहे हैं और उम्मीद है कि एक या दो दिन के भीतर हम आयोजन स्थल पर कोई फैसला कर लेंगे। उन्होंने कहा, ''एसीबी एक प्रारूप खेलने के बाद टीम को भारत जाना चाहते थे। भारत में खेलने के बाद वे शेष सत्र में खेलने के लिए वापसी बांग्लादेश लौटेंगे।

यूरो डर्बी में एसी मिलान पर भारी पड़ा इंटर, सेमीफाइनल के पहले चरण में 2-0 से हासिल की जीत

मिलान । इटली के दो शीर्ष क्लब एसी मिलान और इंटर मिलान चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल के पहले चरण में आमने-सामने थे। इंटर ने सैन सिरो स्टेडियम में सात बार के लीग विजेता एसी मिलान को 2-0 से धराशाई कर दिया। मिलान के बड़े प्रशंसक टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और 2003 में चैंपियंस लीग जीतने वाले टीम सदस्यों की स्टेडियम में मौजूदगी भी उनके खेल के स्तर को ऊंचा नहीं कर पाई। अभी खेल शुरू हुए महज आठ मिनट ही हुए थे कि इंटर ने तीन मिनट के अंतराल में दो गोल कर एसी मिलान की रक्षापंक्ति की कमर तोड़ दी। पहले गोल आठवें मिनट में हाकान कालहोनोग्लू के बाएं छोर से दिए गए सेंटर क्रास को एडिन जेको ने जबरदस्त वॉली से गोल में भेज दिया। तीन मिनट बाद ही फ्रेडरिको डिमारकोज के पास को मार्टिनेज ने जानबूझकर हेनरिक मखतारयान के लिए छोड़ दिया, जिन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल कर दिया। थोड़ी देर बाद कालहोनोग्लू को तीसरा गोल करने का मौका मिला, लेकिन उनका प्रयास गोल से ठीक ऊपर निकल गया। दूसरे हाफ में इंटर को पेनाल्टी भी मिली, लेकिन रेफरी ने पिचसाइड मॉनीटर पर रीव्यू के बाद इसे खारिज कर दिया।

निशानेबाज दिव्या और सरबजोत ने किया कमाल, विश्वकप मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

बाकू । भारत की दिव्या टीएस और सरबजोत सिंह एक जोड़ी के रूप में तीसरी बार शानदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उन्होंने अजरबैजान के बाकू में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) विश्वकप में 10 मीटर एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 55 टीमों के क्वालिफिकेशन दौर में 581 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने सर्बिया के दिग्गज दामिर और जोराना अरुणोविच को 16-14 से हराकर पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले काहिरा और भोपाल में हुए दो विश्वकप में भारतीय जोड़ी पांचवें स्थान पर रही थी। सरबजोत का यह लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने मार्च में भोपाल में व्यक्तिगत एयर पिस्टल में सफलता हासिल की थी। दिव्या का इस स्तर पर पहला सीनियर मेडल है। तुर्किये के इस्माइल केलेस और सिमल ने कांस्य पदक जीता। भारत पदक तालिका में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। चीन एक स्वर्ण और एक रजत के साथ पहले स्थान पर चल रहा है।

रेसलर्स केस में राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई

दिल्ली पुलिस ने पेश की रिपोर्ट ; जांच के लिए एसआईटी बनाई, बृजभूषण के बयान दर्ज

पानीपत । जंतर-मंतर पर कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर बैठे पहलवानों के धरना का 20वां दिन है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट के आदेशों पर दिल्ली पुलिस ने इस मामले में की गई जांच एवं कार्रवाई रिपोर्ट पेश की।

जिसमें दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि पहलवानों के 164 के बयान दर्ज कराए जाएंगे। साथ ही बताया कि जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। पहलवानों की याचिका पर कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के वकील को स्टेटस रिपोर्ट की कॉपी देने के आदेश दिए हैं। जिस पर पुलिस के वकील ने कहा स्टेटस रिपोर्ट की कॉपी किसी से भी साझा न कि जाए। कोर्ट ने कहा कि वह मामले में इन कैमरा सुनवाई कर सकता है।

सहायक सचिव विनोद तोमर के भी बयान दर्ज

दिल्ली पुलिस ने कहा कि सहायक सचिव विनोद तोमर के बयान भी दर्ज किए गए। दिल्ली पुलिस की एफआईआर में विनोद तोमर भी आरोपी है। बृजभूषण शरण ने अपनी सफाई में कुछ वीडियो सबूत और मोबाइल डेटा जुटाने को कहा है। बृजभूषण से भी आगे पूछताछ एसआईटी करेगी।

पहलवानों की शिकायत पर बृजभूषण का बयान दर्ज किया गया और कुछ दस्तावेज मांगे गए हैं। बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया। 4 महिला पुलिस अधिकारियों सहित 6 पुलिस टीमों के साथ एसआईटी का गठन किया गया है। एक महिला दिल्ली पुलिस की निगरानी में 10 लोगों की टीम बनाई गई है।

देश-विदेश में दिल्ली पुलिस की जांच शुरू

दिल्ली पुलिस ने कहा कि पहलवानों की शिकायत पर पुलिस की टीमें उत्तर प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक और हरियाणा में जाकर पहलवानों की शिकायत पर साक्ष्य जुटा चुकी हैं। देश के बाहर जहां भी आरोप लगाए गए हैं, दिल्ली पुलिस संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है।

बजरंग बोले- हमारी कॉल हो रही रिकॉर्ड

सुप्रीम कोर्ट के सामने भी उन्होंने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर और शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी। दोनों ही मांगें पूरी हुईं। उन्हें यहां भी उम्मीद है कि उनकी मांगें पूरी होंगी। बजरंग ने कहा कि उनके साथ अपराधियों की तरह बर्ताव किया जा रहा है। उनकी कॉल रिकॉर्ड की जा रही है। यही नहीं शिकायतकर्ताओं को भी धमकियां मिल रही हैं।

डिस्कर थ्रोअर सीमा अंतिल के बयान पर जताया दुख

बजरंग ने कहा कि वह आईओए की तदर्थ समिति की ओर से महिला पहलवानों का तैयारी शिविर एनआईए पटियाला में लगाए जाने का स्वागत करते हैं। वह यह नहीं चाहते थे कि महिला पहलवानों का शिविर लखनऊ या फिर यूपी में लगाया जाएगा, जहां बृजभूषण का दबदबा है।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता डिस्कस थ्रोअर सीमा अंतिल के बयान पर बजरंग ने कहा कि उन्हें दुख पहुंचा है। हम सरकार या पहलवानों के खिलाफ नहीं हैं। हमारी लड़ाई भारतीय कुश्ती संघ के खिलाफ है। एक खिलाड़ी के तौर पर हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उन्हें भी यह समझना चाहिए कि हम यहां क्यों बैठे हैं। सीमा ने कहा था कि पहलवानों के धरने की वजह से कुश्ती की गतिविधियां बंद हो गई हैं।

17 से 19 मई को बिश्केक चैंपियनशिप के होंगे ट्रायल

दूसरी ओर, भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुआई में भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने 10 से 18 जून को बिश्केक (किर्गिस्तान) में होने वाली अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम के चयन को चयन समिति घोषित कर दी।

पुरुष फ्री स्टाइल टीम के ट्रायल साई सेंटर सोनीपत और महिला, ग्रीको रोमन टीम के चयन ट्रायल एनआईएस पटियाला में होंगे। फ्री स्टाइल टीम का चयन भूपेंदर सिंह बाजवा, अर्जुन और द्रोणाचार्य अवार्डी जगमिंदर सिंह, अर्जुन अवॉर्डी रमेश कुमार गुलिया करेंगे।

पटियाला में होने वाले ट्रायल की चयन समिति में तदर्थ समिति की सदस्य सुमा शिरूर, द्रोणाचार्य अवॉर्डी महासिंह राव, अर्जुन अवॉर्डी अल्का तोमर और नेहा राठी करेंगी। तदर्थ समिति ने 17 से 19 मई को ट्रायल निर्धारित किए हैं।

फुटबॉल एशिया कप

भारत 13 जनवरी, 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा

दोहा । भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम एएफसी एशिया कप कतर 2023 में अपने अभियान की शुरूआत 13 जनवरी को अहमद बिन अली स्टेडियम में ग्रुप बी में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी।

एशिया की शीर्ष 24 टीमों ने एएफसी एशियन कप कतर 2023 के लिए दोहा में कटारा ओपेरा हाउस में अपने ग्रुप स्टेज ड्रा का पता लगाया और 12 जनवरी से 10 फरवरी, 2024 के बीच कॉन्टिनेंटल शोपीस में लड़ाई करेंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा ग्रुप बी की अन्य टीमें उज्बेकिस्तान और सीरिया हैं। एशिया कप में अपने अन्य ग्रुप बी मैचों में भारत 18 जनवरी को उज्बेकिस्तान और 23 जनवरी को सीरिया से भिड़ेगा। एएफसी एशिया कप कतर 2023 के लिए एएफसी और एलओसी ने पिछले महीने पुष्टि की थी कि उत्सुकता से प्रतीक्षित टूर्नामेंट आठ स्टेडियमों में आयोजित किया जाएगा। इनमें से छह फीफा विश्व कप कतर 2022 के लिए स्थान थे, जो विश्व कप स्थलों पर खेले जाने वाले पहले एएफसी एशिया कप के लिए मंच तैयार कर रहे थे।

रिकॉर्ड तीसरी बार मेजबान, गत चैंपियन कतर को 12 जनवरी, 2024 को लेबनान का सामना करके एशिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता मिलेगी। 68,895-क्षमता वाला अल बायत स्टेडियम दो पश्चिम एशियाई टीमों के बीच उद्घाटन का गवाह बनेगा, जो पहले एएफसी एशियन कप इतिहास में केवल एक बार भिड़े थे। टूर्नामेंट के इतिहास में यह कतर का 40वां मैच होगा, जबकि लेबनान पहली बार किसी एएफसी एशिया कप के शुरूआती मैच में खेलेगा।

एएफसी ने जारी एक बयान में कहा कि एएफसी एशिया कप इतिहास में केवल तीसरी बार मिलने पर अपने संबंधित पॉट्स में शीर्ष फीफा रैंक की टीम, जापान (पॉट 1) और 2007 के विजेता इराक (पॉट 2) एक रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार हैं।

रिकॉर्ड चार बार के चैंपियन जापान ने 2000 में अपने दूसरे एशियाई ताज को जीतने के रास्ते में क्वार्टर फाइनल में इराक से बेहतर प्रदर्शन किया और 19 जनवरी को एजुकेशन सिटी स्टेडियम में यह मुकाबला तय कर सकता है कि ग्रुप डी में कौन शीर्ष पर रहेगा। वियतनाम के मुख्य कोच फिलिप ट्रूसियर, जिन्होंने 2000 के उस सफल अभियान में समुराई ब्लू का नेतृत्व किया था, वह भी अपने पूर्व नियोक्ताओं के खिलाफ सामना करना पसंद करेंगे क्योंकि वह 14 जनवरी को अल थुमामा स्टेडियम में अपने वर्तमान पक्ष के साथ उलटफेर करने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

जोस बटलर पर मैच फीस का 10प्रतिशत फाइन लगा: केकेआर के खिलाफ आईपीएल नियमों को तोड़ा; बाउंड्री रोप पर बैट मारा

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर पर मैच फीस का 10प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। बटलर ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के नियमों को तोड़ा है, इसलिए यह जुर्माना लगाया है।

इंडियन प्रीमियर लीग के 56वें मैच में आरआर ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 9 विकेट से हरा दिया। ईडन गार्डन स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी केकेआर ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 149 रन बनाए थे। जवाब में 13.1 ओवर में ही आरआर ने टारगेट हासिल कर लिया।

150 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान के यशस्वी जायसवाल ने पहले ही ओवर में 26 रन बना दिए। उन्होंने 13 गेंद में फिफ्टी पूरी कर 98 रन की नॉटआउट पारी खेली और टीम को 41 गेंद बाकी रहते जीत दिला दी।

बटलर ने गुस्से में अपने बैट से बाउंड्र पर लगे रोप पर मार दिया

मैच में जब आरआर की टीम केकेआर के दिए हुए टारगेट को चेज करने के लिए उतरी तब यशस्वी जायसवाल की एक गलत कॉल की वजह से बटलर कन्फ्यूज हो गए और आंद्रे रसेल की डायरेक्ट थ्रो पर रन आउट हो गए। आउट होने के बाद जब बटलर मैदान के बाहर जा रहे थे, तब उन्होंने गुस्से में अपने बैट से बाउंड्र पर लगे रोप पर मार दिया। जिस कारण आईपीएल द्वारा उनके ऊपर फाइन लगा दिया गया।

बटलर आचार संहित के उल्लंघन के दोषी

बटलर को आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल के द्वारा नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जोस बटलर ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत नियमों का उल्लंघन किया है। इस अनुच्छेद में खिलाड़ी को तब दोषी पाया जाता है जब उपकरण या कपड़े, ग्राउंड उपकरण का दुरुपयोग किया गया हो। बटलर ने इस सीजन में 12 मैचों में 392 बनाए हैं।

राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ ने पीके बनर्जी के जन्मदिन को एआईएफएफ ग्रासरूट डे घोषित किया

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारतीय फुटबॉल आइकन प्रदीप कुमार बनर्जी के जन्मदिन 23 जून को एआईएफएफ ग्रासरूट डे के रूप में घोषित किया है, खेल के शीर्ष निकाय ने कहा। पीके के नाम से लोकप्रिय, स्वर्गीय बनर्जी ने 1960 के रोम ओलंपिक में भारतीय टीम की कप्तानी की और कोचिंग लेने से पहले एक खिलाड़ी के रूप में एक शानदार करियर का आनंद लिया, जहाँ उन्होंने भरपूर सफलता का स्वाद भी चखा। पीके के जन्मदिन को चुनने का कारण बताते हुए एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, हम अक्सर भूल जाते हैं कि प्रदीप दा एक उत्कृष्ट शिक्षक भी थे। खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हालांकि एक राष्ट्रीय और एक क्लब कोच के रूप में उनकी भूमिका बहुत चर्चा में है, भारतीय फुटबॉल बिरादरी जमीनी स्तर पर पीके दा के योगदान, टाटा फुटबॉल अकादमी में उनके नेतृत्व, नवोदित प्रतिभाओं को प्रेरित करने और उन्हें ठीक करने की उनकी क्षमता को नहीं भूल सकती है। एक अनुकरणीय फुटबॉलर, बनर्जी ने 1962 के एशियाई खेलों में भारत के

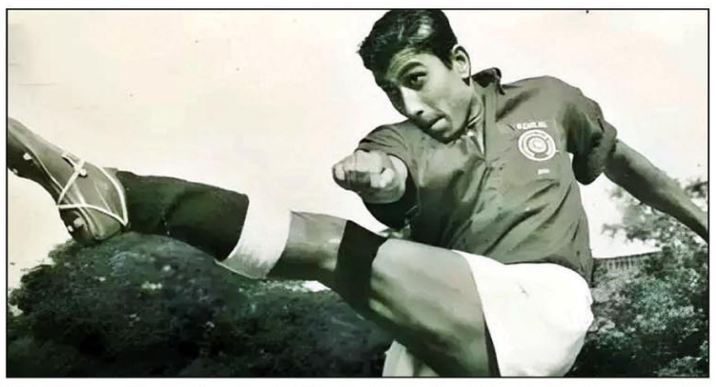

ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1969 में, जब फीफा ने अपना पहला कोचिंग कोर्स जर्मन कोच डेटमार क्रैमर के तहत जापान में चलाया, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में फुटबॉल प्रोफेसर के रूप में जाना जाता है, बनर्जी ने खुद को कोर्स के लिए नामांकित किया और प्रथम श्रेणी की डिग्री के साथ घर लौट आए। दूरदर्शन पर उनका फुटबॉल कोचिंग कोर्स कई हफ्तों तक चला। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बनर्जी को श्रद्धांजलि दी, जिनकी मार्च 2020 में मृत्यु हो गई थी, और कहा कि महासंघ खेल के निरंतर विकास को सुनिश्चित करके उनकी स्मृति का सम्मान करने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा, मैं जिस भी शब्द का इस्तेमाल करता हूं वह भारतीय फुटबॉल में प्रदीप दा के योगदान का सम्मान करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। वह हमारी सभी प्रशंसा के पात्र हैं। उनके जैसे कुछ ही लोग हैं, एक महान खिलाड़ी, एक महान संरक्षक और एक महान कोच जो जुनून से भरे हुए थे और हमेशा भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ते देखना चाहते थे।

मुंबई फ्रेंचाइजी आर्चर को देगी 10 करोड़ का सालाना कॉन्ट्रैक्ट

ऑफर एक्सेप्ट किया तो इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए भी लगेगी परमिशन

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को सालाना कॉन्ट्रैक्ट ऑफर करने जा रही है। फ्रेंचाइजी आर्चर को 10 करोड़ से ज्यादा का ऑफर देने का प्लान बना रही है। जिसे एक्सेप्ट करने पर आर्चर को इंग्लैंड से इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए भी फ्रेंचाइजी से परमिशन लेनी होगी।

मुंबई जोफ्रा आर्चर को जल्द ही कॉन्ट्रैक्ट ऑफर करेगी। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत ऑफर एक्सेप्ट करने पर आर्चर पूरे साल दुनियाभर की लीग्स में एमआई फ्रेंचाइजी से ही खेलते नजर आएंगे।

इस आईपीएल में 5 ही मैच खेले आर्चर

जोफ्रा आर्चर कोहनी में इंजरी के चलते इस आईपीएल के बीच सीजन से ही बाहर हो चुके हैं। कोहनी की इंजरी के चलते वे टीम के लिए 11 में से 5 ही मैच खेल सके और अब सर्जरी कराने के लिए टूर्नामेंट छोड़ कर चले गए। उनकी जगह मुंबई ने क्रिस जॉर्डन को इस सीजन के लिए टीम में शामिल किया है।

इन 5 मैचों में इंजरी ने आर्चर को खूब परेशान किया। वह इन मुकाबलों में 2 ही विकेट ले सके और उन्होंने 9.50 के इकोनॉमी रेट से रन भी लुटाए। हालांकि, मुंबई इंडियंस इस वक्त 11 मैचों में 6 जीत और 5 हार के बाद 12 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है।

आर्चर ने नहीं दी कन्फर्मेशन

मुंबई से सालाना कॉन्ट्रेक्ट पर तेज गेंदबाज और फ्रेंचाइजी के बीच अब तक कोई बात नहीं हुई है। अगर कॉन्ट्रेक्ट हुआ तो ये 2024 तक रहेगा। 2025 में आईपीएल का मेगा ऑक्शन होगा, उस ऑक्शन से पहले ही आर्चर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो जाएगा।

एशेज और वर्ल्ड कप के लिए छोड़ा आईपीएल

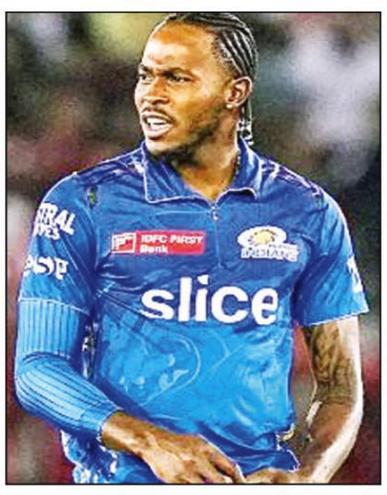

आर्चर इंग्लैंड से इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं। आईपीएल के बाद जून में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में 5 टेस्ट और इतने ही वनडे भी खेलने हैं। एशेज के बाद अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की ओर ध्यान देते हुए उन्होंने आईपीएल बीच में छोड़ दिया। अगर सर्जरी से पहले पूरा टूर्नामेंट खेलते तो उन्हें इंटरनेशनल मैचों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता था।

8 करोड़ में खरीदा था आर्चर को

आर्चर 2018 में पहली बार राजस्थान टीम का हिस्सा बनकर आईपीएल में शामिल हुए थे। लेकिन 2022 के मेगा ऑक्शन में उन्हें मुंबई ने 8 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि इंजरी के चलते वे पिछले सीजन एक भी मैच नहीं खेल सके।

इस सीजन भी वे टीम के लिए कुछ ही मैच खेल सके और अब सर्जरी के कारण टूर्नामेंट को बीच में छोड़ कर चले गए। इन सब के बावजूद मुंबई उन पर इन्वेस्ट कर सालाना कॉन्ट्रेक्ट देना चाह रही है।

दुनियाभर में मुंबई की 5 फ्रेंचाइजी

मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीम है, उन्होंने 5 बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। आईपीएल के अलावा फ्रेंचाइजी ने साउथ अफ्रीका, अमेरिका और विमेंस प्रीमियर लीग में भी टीमें खरीद रखी हैं। आर्चर ने अगर कॉन्ट्रेक्ट एक्सेप्ट किया तो वे पूरे साल डब्लूपीएल छोड़ कर मुंबई की ही बाकी 4 फ्रेंचाइजी से क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। जोफ्रा इसी साल जनवरी में में एमआई की ही फ्रेंचाइजी एमआई केपटाउन से क्रिकेट खेल चुके हैं।

कई इंग्लैंड प्लेयर्स को किया जा रहा अप्रोच

रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले दिनों आईपीएल की दूसरी फ्रेंचाइजी ने इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों को सालाना कॉन्ट्रैक्ट ऑफर किया था। जिसके तहत खिलाड़ी दुनियाभर की लीग्स में 12 महीने तक उसी फ्रेंचाइजी से क्रिकेट खेलेंगे, जिनसे उन्हें कॉन्ट्रैक्ट मिला है।

बड़ी नाक के बड़े फायदे...

मुहावरों में नाक ऊंची और नीची होने की बात तो हम सुनते ही रहते हैं। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने बड़ी नाक के फायदे गिनाए हैं। एक शोध के बाद उन्होंने कहा कि बड़ी नाक हमें कई बीमारियों से बचाती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया कि आम तौर पर लंबी नाक जुकाम और फ्लू के वायरस को दूर रखती है। वहीं बड़ी नाक हवा में मिले धूल के कणों और बैक्टीरिया को रोकने में प्राकृतिक अवरोधक का काम करती है। अध्ययन में बताया गया है कि बड़ी नाक वाले लोगों की सांस में सामान्य लोगों की अपेक्षा सात प्रतिशत कम प्रदूषक पदार्थ पहुंच पाते हैं। बड़ी नाक मुंह के संपर्क में आने वाले जीवाणुओं को भी दूर रखती है। नाक हमें कई रोगों से बचाने के साथ मुंह को भी सुरक्षा प्रदान करती है। बड़ी नाक होने से व्यक्ति में संक्रमण का भी खतरा कम होता है। वैज्ञानिकों ने अपने शोध के लिए दो कृत्रिम नाक तैयार कराई। एक नाक दूसरी के मुकाबले 2.3 गुना बड़ी थी। उसके बाद दोनों नाकों को दो होंठ युक्त दो अलग-अलग कृत्रिम चेहरों पर लगा दिया गया। उसके बाद इन चेहरों को बाहरी हवा के संपर्क में रख दिया गया। परिणामों में देखा गया कि छोटी नाक के मुकाबले बड़ी नाक में धूल के कण कम जमा हुए।

चेहरे की शेप के अनुसार रखें हेयर स्टाइल

मेकअप, कपड़ें, फुटवियर आदि तो हम अपने कम्फर्ट और स्टाइल के अकॉर्डिंग चूज कर लेते हैं लेकिन हेयर स्टाइल या कट के मामले में पीछे रह जाते हैं। अक्सर हेयर कट किसी न किसी एक्टर या एक्ट्रेस के हेयर स्टाइल को देखकर बदला जाता है, पर क्या आपने सोचा है जो हेयर स्टाइल किसी खास अभिनेता या अभिनेत्री पर अच्छा लग रहा है वह आप पर भी वैसा ही स्टाइलिश और अट्रैक्टिव लगेगा ?

सामान्यतः ऐसा नहीं होता और प्रशंसा पाने की जगह निराशा व शर्मिंदगी उठानी पड़ जाती है। ऐसे में यही ठीक रहेगा कि आप किसी को कॉपी करने की जगह अपने फेस शेप या बनावट के अनुसार हेयर स्टाइल रखें। इसके लिए बस आपको नोट करना कि आपका फेस किस शेप का है और नीचे दिए स्टाइलिश हेयर कट और हेयर-डू आइडियाज में से एक को चुनना है। ये नए और आकर्षक हेयर स्टाइल आपके व्यक्तित्व को निखारकर आपको एक नया लुक देंगें-

मोटा या भारी चेहरा

इस फेस शेप में चेहरे के आसपास एक्स्ट्रा फैट होता है जिसे छुपाने के लिए आप इन हेयर स्टाइल्स को अपना सकते हैं-

कर्ली या वेम हेयर- आंखों और चीकबोन्स के आसापास सॉफ्ट वेव्स से चेहरा ज्यादा आकर्षक दिखेगा और हेवी चीक्स से ध्यान भी हट जाएगा।

हेयर पार्टिंग- बीच की मांग साइड से मांग निकालें इससे चेहरा पतला दिखता है।

साइड बन- सेंटर की जगह साइड बन बनवाएं। जूड़ा बनवाते समय ध्यान रखें कि ये ज्यादा हैवी न हो।

शॉर्ट हेयर- शॉर्ट हेयर स्टाइल भी आपके चेहरे पर अच्छा लगेगा।

गोल चेहरा

गोल चेहरे वाले लोगों को ऐसे हेयर स्टाइल रखने चाहिए जिनसे उनका फेस पतला और लम्बा दिखे-

लॉन्ग कर्ल्स- घुंघराले और लंबे बाल विथ लेयर्स, आपकी खूबसूरती में चार चाँद लगाएंगे।

लॉन्ग बॉब्स- राउंड फेस पर चिन से 2 इन्च लम्बी लॉन्ग बॉब्स अच्छी लगती हैं।

बैंग्स- गोल चेहरे पर सीधे बैंग्स सूट नहीं करते। अगर आपको बैंग्स पसंद हैं तो उन्हे कर्ल करें।

लंबा चेहरा

अगर आपका चेहरा लम्बा है तो आपको उसे चौड़ा दिखाने की जरूरत है, जिसके लिए आप नीचे दिए हेयर स्टाइल ट्राई कर सकते हैं-

बैंग्स- स्ट्रैट हेयर को बैंग्स से चौड़ाई दें। बैंग्स से आपका माथा ढक जाता है जिससे चेहरा छोटा दिखेगा।

बॉब्स- चिन लेन्थ बॉब लम्बे चेहरे के लिए बेस्ट हेयर स्टाइल है।

नो लॉन्ग-स्ट्रेट हेयर- लम्बे और सीधे बाल इस फेस शेप पर बिलकुल अच्छे नहीं लगते। अगर आप लम्बे बाल रखना चाहती हैं तो वेव्स और कर्ल अपनाएं।

छोटे बाल- छोटे बालों को टॉप से वॉल्यूम दें, ये स्टाइल आपको अट्रैक्टिव लुक देगा।

अंडाकार चेहरा

अगर आपका फेस ओवल शेप का है तो आप काफी लकी हैं क्योंकि अंडाकार शेप पर हर हेयर स्टाइल अच्छा लगता है-

एक्स्ट्रा चिक बॉब- बॉब एक वर्सस्टाइल हेयरस्टाइल है, आप भी इसे अपना सकते हैं।

सुपर शॉर्ट बॉब- अगर अपने लुक में कम्पलीट चेंज करना चाहती हैं तो सुपर शार्ट बॉब हेयर स्टाइल ट्राई कर सकती हैं। इन छोटे-छोटे बालों में भी आप चिक और सेक्सी लगेंगी।

बैंग्स- बैंग्स में भी आप कई एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। फ्रंट ब्लट बैंग्स, साइड बैंग्स या साइड स्वेप्ट बैंग्स कुछ भी अपनाएं, अच्छे ही लगेंगे।

लेयर्स और मीडियम लेन्थ- ज्यादा लम्बे बाल आप पर अच्छे नहीं लगेंगें अगर फिर भी आपको लॉन्ग हेयर पसंद हैं तो लेयर्स के साथ कैरी करें। इसके अलावा एल्बो लैंथ हेयर स्टाइल भी ट्राई कर सकती हैं।

परफेक्ट शर्ट चुनें

हर किसी की बनावट परफेक्ट हो, ऐसा जरूरी नहीं लेकिन अपनी बनावट के अनुरूप पहनावा आपकी पर्सेनालिटी को बेहतर जरूर बना सकता है। खासतौर पर शर्ट खरीदते वक्त बनावट के अनुरूप सही प्रिंट और फिटिंग का चयन न सिर्फ आपकी कमियों को छिपाने में मदद करता है बल्कि आपकी पर्सेनालिटी को और भी आकर्षक बना सकता है। आइए जानें, अलग-अलग तरह की बनावट वाले शरीर पर किस तरह के शर्ट के प्रिंट्स भाएंगे।

शर्ट उन कपड़ों में गिनी जाती है जो हर किसी को पहनना पसंद होती है, चाहे वो लड़की हो या लड़का। ज्यादातर लड़कों को शर्ट पहनना पसंद होता है क्योंकि इससे एक फॉर्मल लुक आता है। अगर आप ऑफिस जाते हैं तब तो आप भी शर्ट पहना ही ज्यादा पसंद करेंगे, लेकिन कई बार लड़कों को शर्ट के साथ यह परेशानी होती है कि वो शर्ट पहन तो लेते हैं लेकिन उन्हें पहन कर भी उन्हें फॉर्मल लुक नहीं मिल पाता है। जिसके कारण वो शर्ट पहनना ज्यादा पसंद नहीं करते हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के डिजाइन और स्टाइल की शर्ट मिल जाती हैं। फैशन डिजाइनर्स के मुताबिक गर्मियों में कॉटन के साथ लिनेन के परिधान भी आराम और सुंदरता के मामले में सबसे आगे हैं। लिनेन गर्मियों में काफी कम्फर्टेबल होता है। सिंथेटिक कपड़े त्वचा पर रगड़ते हैं जिससे खरोंचे आ जाती है। साथ ही घमौरियां भी हो जाती है। लिनेन गर्मियों में पसीने को सोखता है। इससे इसे पहनने वाले आराम महसूस करते हैं। फैशन डिजाइनरों की माने तो अगर अच्छे कलर कांबीनेशन के साथ लिनेन को पहना जाए तो ये आराम के साथ ही ग्लैमर भी प्रदान करता है। गर्मियों में लड़कों के लिए बंद गले और चाईनीज कालर वाले शर्ट खास हैं जिनकों वे जिंस पर पहन सकते हैं। लड़कों के लिए कॉटन और लेनिन से बने हाफ शर्ट, सेमी लांग कमीज, शार्ट कुर्ता भी खास होते हैं। जरूरत है शर्ट खरीदते वक्त अपनी बनावट के अनुरूप सही प्रिंट और फिटिंग के चयन की।

शर्ट के साथ परेशानी

शर्ट उन कपड़ों में गिनी जाती है जो हर किसी को पहनना पसंद होती है, चाहे वो लड़की हो या लड़का। ज्यादातर लड़कों को शर्ट पहनना पसंद होता है क्योंकि इससे एक फॉर्मल लुक आता है। अगर आप ऑफिस जाते हैं तब तो आप भी शर्ट पहना ही ज्यादा पसंद करेंगे, लेकिन कई बार लड़कों को शर्ट के साथ यह परेशानी होती है कि वो शर्ट पहन तो लेते हैं लेकिन उन्हें पहन कर भी उन्हें फॉर्मल लुक नहीं मिल पाता है। इसके कारण वो शर्ट पहनना ज्यादा पसंद नहीं करते हैं।

छोटे कद वालों के लिए

अगर आपका कद अधिक छोटा है तो खड़ी लाइनिंग वाले प्रिंट की शर्ट आपके लिए सबसे सही रहेगी। अगर आप शर्ट के साथ टाइ पहनते हैं तो लंबी लाइनिंग की शर्ट पर पतली टाइ लगाएं। इससे आपका कद हल्का लंबा लगेगा और लोगों का ध्यान आपकी बनावट से अधिक चेहरे पर जाएगा।

लंबे कद वालों के लिए

बहुत अधिक लंबे कद वाले लोगों के लिए लंबी लाइनिंग वाले प्रिंट घाटे का सौदा है। बेहतर होगा कि वे हॉरिजंटल लाइनिंग के प्रिंट्स का चुनाव करें जिससे उनकी लंबाई और चौड़ाई का संतुलन बना हुआ दिखे। साथ ही, लंबे कद के लोगों पर स्लिम फिट शर्ट सबसे बेहतरीन दिखती है। कोशिश करें कि आपकी बेल्ट या पैंट शर्ट के कलर के कंट्रास्ट में ही हो।

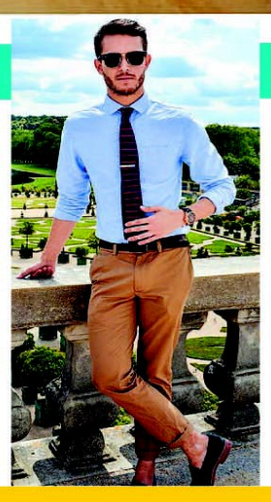

दुबले-पतलों के लिए

दुबली-पतली बनावट वाले लोगों के लिए मोटी हॉरिजंटल लाइन्स बेहतरीन विकल्प है। इससे उनके कंधे अधिक चौड़े लगते हैं और शरीर थोड़ा भरा दिखता है। इसके अलावा, उनके लिए चेक्स भी बेहतरीन ऑप्शन है क्योंकि इससे शरीर अधिक भरा दिखता है। पतली कॉलर वाली शर्ट या बंद गला शर्ट भी पतले लोगों पर अच्छी दिखती हैं।

भारी काया वालों के लिए

हेवी पर्सेनालिटी वाले लोगों के लिए शर्ट का चुनाव करते वक्त यह ध्यान रखना चाहिए कि शर्ट बहुत अधिक फिटिंग वाली भी न हो और न ही ओवरसाइज हो। डबारीक लंबी लाइन्स वाली शर्ट में उनकी पर्सेनालिटी थोड़ी कम हेवी लगती है। इन्हें चेक्स, बोल्ड कलर्स वाली शर्ट से दूरी रखनी चाहिए।

शर्ट पहनने का सही तरीका

आजकल मार्केट में कई तरह के डिजाइन और स्टाइल की शर्ट मिल जाती हैं जिन्हें आप अपने ऑफिस जाने के लिए भी पहन सकते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप हर तरह की शर्ट को टक कर सकते हैं। अगर आप पोलो शर्ट, रगबी शर्ट या फिर हेनले शर्ट आदि को पहनने की सोच रहे हैं तो इस तरह की शर्ट को कभी भी टक नहीं किया जाता है, लेकिन ड्रेस शर्ट, लंबी बाहों या बटन फ्रॉन्टेड स्पोर्ट को ही टक किया जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप अपने लिए एक सही शर्ट ले सकेंगे और उन्हें सही से पहन भी सकेंगे।

- आप जब भी शर्ट पहनें तो उसे कोनों से मोड़ते हुए टक करें। इससे वो सही से आपके शरीर पर फिट हो जाएगी और किसी तरह का फूला हुआ लुक भी नहीं देगी।
- अगर आप सफेद रंग की शर्ट पहनने वाले हैं तो उसके साथ अन्दर से कभी भी सफेद रंग की ही टी-शर्ट का प्रयोग न करें, क्योंकि वो उसमें दिखाई देती है। तो अच्छा होगा कि आप गहरे ग्रे रंग का ही प्रयोग करें।
- आप जब अपने लिए शर्ट लें तो उसके नीचे के डिजाइन को जरूर देख लें कि वो कैसा है। कई शर्ट में यू आकार का डिजाइन होता है। ऐसी शर्ट को भी टक किया जाता है और ये टक कर के ही बहुत अच्छी लगती हैं।
- शर्ट पहनते समय इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि आप उसे किस अवसर के लिए पहन रहे हैं। अगर आप ऑफिस जाने के लिए शर्ट पहनने वाले हैं तो उसे टक कर के ही पहनें और अगर कहीं बाहर घूमने के लिए पहन रहे हैं तो जरूरी नहीं है कि आप उसे टक करें।

टी-शर्ट स्लोगन का क्रेज

राह चलते किसी को घूर कर देखना अच्छी बात नहीं है। लेकिन क्या करें यह टी-शर्ट पर लिखी इबारतें जो न करा ले सो कम है। यह सिर्फ स्टाइल स्टेटमेंट ही नहीं आपके व्यक्तित्व को भी बयां करती हैं। यूनो वॉट योर प्रॉबलम इज, यू आर स्टुपिड'। 'ओह! आई फॉरगेट, यू आर इडियट'। 'आई एम नॉट डम्ब, एज यू लुक'। तांक-झांक कर हम आखिर ऐसे वाक्य चलते हुए भी पूरे पढ़ ही लेते हैं। थोड़ा अजीब लगता है न। पर क्या करें टी-शर्ट पर लिखी यह इबारतें इतना लालच देती हैं कि जब तक पूरा न पढ़ लें चैन ही नहीं आता। अटपटी-चटपटी इबारतें लिखी यह टी-शर्ट यंगिस्तान का लोकप्रिय फैशन फंडा है। यंग ब्रिगेड को लगता है कि अपनी मेंटल स्टेट के बारे में दूसरों को बताने का इससे अच्छा कोई जरिया नहीं। इसलिए ये लोग अपनी टी-शर्ट को ही चलती-फिरती ग्राफिटी बनाए घूमते हैं। कई मनोवैज्ञानिक सर्वे से भी इस बात का खुलासा हुआ है कि टी-शर्ट पर लिखे कोटेशन उस व्यक्ति का स्वभाव भी बताता हैं। कई युवा इतने क्रेजी होते हैं कि वे यूनीक स्लोगन टी-शर्ट को खोजने के लिए पूरा मार्केट छान मारते हैं। टी-शर्ट स्लोगन का क्रेज इसी बात से पता चलता है कि कई नामी कॉलेजों में बाकायदा हर साल टी-शर्ट स्लोगन प्रतियोगिता होती है।

भगवान को भी नहीं बख्शा

टी-शर्ट पर कुछ लिखकर या छाप कर अपनी बात कहना खेलों या किसी समारोह के दौरान तो अक्सर दिखता है। जैसे कई लोग अपने पसंदीदा खिलाड़ी या सितारे की तस्वीर छपी टी-शर्ट पहनते हैं। दर्शक खेल के दौरान 'आई लव इंडिया' जैसी कोटेशंस के जरिएं अपना उत्साह जाहिर करते हैं। लेकिन अब कुछ ऐसी कोटेशंस भी टी-शर्ट पर छपी दिखती हैं जिन्हें देखकर उत्साह बढ़े न बढ़े पर शरारती मुस्कान जरूर आ जाती है। कोटेशंस में इंसान तो छोड़िए भगवान को भी नहीं बख्शा जाता। एक उत्साही टी-शर्ट का नमूना देखिए, 'वेन गॉड मेड मी, ही वॉज जस्ट शोइंग ऑफ'।

हर विषय पर कोटेशन

टी-शर्ट पर लड़का-लड़की, पति-पत्नी, आप-हम, सिनेमा या राजनीति हर विषय पर कोटेशन मिल जाती हैं। यूथ बड़े शौक से इन टी-शर्ट को पहनते हैं। लेकिन कई बार इन्हीं टी-शर्ट में कुछ ऐसी भी कोटेशन होती हैं जो सार्वजनिक जगह पर बेहद अटपटी लगती हैं। जैसे 'स्माइल इज द सेकंड थिंग यू केन डू विद यॉर लिप्स'। ऐसे ही कुछ और कोटेशन अश्लीलता की श्रेणी में भी आ सकती हैं। लेकिन फिर भी यूथ इन टी-शर्ट्स को पहनना पसंद कर रहे हैं। अधिकतर 18 से 30 साल के युवा ऐसी टी-शर्ट खरीदते हैं। नई और आकर्षक कोटेशन बाजार में आते ही फटाफट बिक जाती है। हर तरह की टी-शर्ट बिकती है। इससे पता चलता है कि ज्यादातर कॉलेज जानेवाले या यंग वर्किंग लोग इन टी-शर्ट को पहनना पसंद करते हैं। पर इसके साथ ही कई लोगों को इन टी-शर्ट पर लिखे कोटेशन बिल्कुल पसंद नहीं आते। कभी-कभी इस तरह की कोटेशन भी लिखी होती हैं जिन्हें पढ़कर खुद ही झिझक होने लगती है। लेकिन पहनने वाला बेफिक्री से घूमता है। हालांकि कोटेशन लिखी टी-शर्ट गलत नहीं है पर हर चीज की एक सीमा जरूर होनी चाहिए। इस तरह टी-शर्ट कुछ अलग लगती हैं और क्रिएटिव होती हैं।

पैरों की सेहत का रखें ध्यान

पैर हमारे लिए क्या कुछ नहीं सहते। ऐसे में पैरों की सही देखभाल करना हमारा दायित्व बनता है। जानिए कैसे हम अपने पैरों की सही तरीके से देखभाल कर सकते हैं। हमारे हाथों की तुलना में पैरों की त्वचा अधिक मोटी होती है जिसकी रोजाना देखभाल नहीं करने से यह समय के साथ गंदी हो जाती है। अनेक लोगों को फटी एड़ियों की समस्या का सामना करना पड़ता है जो लम्बे वक्त में पैरों के स्वास्थ्य पर ध्यान न देने के कारण होती है।

माइश्चराईजिंग: हमारे पैरों की डेड त्वचा सेल्स को एक्सफॉलिएटेड करने की जरूरत होती है और नियमित माइश्चराईजिंग त्वचा को सूखने से बचाने के लिए महत्त्वपूर्ण है अन्यथा पैरों में बिवाईयां फट सकती हैं जिनमें खून भी आ सकता है। आपके पैरों की माइश्चराईजिंग चेहरे की देखभाल जैसी महत्वपूर्ण है। हर बार स्नान के वक्त पैरों को अच्छी तरह धोने या स्क्रब करने की आदत डालें। इससे आपके पैरों की केयर आसान हो जाती है।

चलने का स्टाइल: पैरों की त्वचा के साथ फ्रिक्शन की संभावना ज्यादा होती है जिसके लिये सही तरीके से फिट न होने वाले जूते या चलने का गलत स्टाईल जिम्मेदार होता है। पैर के तलुवे पर एक ही बिन्दु पर लगातार दबाव पड़ने से कॉर्न और कॉलस विकसित हो जाते हैं त्वचा कड़ी हो जाती है और बाद में इसमें दर्द हो सकता है।

प्यूमिस स्टोन से स्क्रब: झांवा पत्थर यानी प्युमिस स्टोन से पैरों की स्क्रबिंग करना डेड सेल्स को हटा सकता है और पैरों में समस्याएं उत्पन्न होने की रोकथाम में मदद करता है। प्युमिस स्टोन या फुट स्क्रब से स्क्रबिंग करके कार्न्स और कॉलसेज से बचाव करें यह डेड त्वचा को हटाने में मददगार है जो बाद में कड़ी और मोटी होना शुरू हो जाती है और चलने-फिरने के समय दर्द उत्पन्न करती है।

तलुवों की देखभाल

पैरों के तलुवों को मुलायम रखने के लिये इनमें कोई ऑयल ग्लैंड्स नहीं होतीं इसलिए किसी क्रीम को नियमित लगाने का रूटीन बनाना जरूरी है। यदि आपके पैर अत्यंत सूखे हैं और त्वचा कटी-फटी है तो रात में सोने जाने के वक्त किसी हैवी ड्यूटी मॉइश्चराईजर या पेट्रोलियम जेली का अच्छी तरह प्रयोग करें और बेहतर अवशोषण के लिये इसे कॉटन सॉक्स से कवर करें।

जूते हों सही

सही तरह से फिट आने वाले जूते पहनें क्योंकि ढीला या ज्यादा कसा जूता आपके पैरों को सही तरह से सहारा न देकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। नये जूतों की खरीदारी दोपहर के काफी बाद या शाम के वक्त करें क्योंकि कुछ एक्सपर्ट मानते हैं कि दिन के दौरान हमारे पैरों में कुछ सूजन आ जाती है।

हाइजीन का ध्यान

हमारे पैरों में फंगल इंफेक्शन होने की आशंका ज्यादा होती है और इससे बचाव के लिए हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पैरों को कभी भी गीला नहीं रखना चाहिए इन्हें अच्छी तरह से खासकर अंगूठों के बीच की जगह को सुखा लेना चाहिए। पैरों के नाखून नेल कटर की सहायता से सही तरह से काटने चाहिये। पैर दर्द करते हैं तो आप इन्हें सी सॉल्ट मिले गुनगुने पानी में डुबो सकते हैं। इससे दर्द से राहत मिलती है। अपने पैरों को रिलैक्स करने के लिये आप हाथों से हल्के गूंधते हुए तलुवों की मसाज कर सकते हैं। हल्के से हाथों को घुमाने और सॉफ्ट मसाज से आपके पैरों को रिलैक्स होने में मदद मिलती है।

बिजनेस शुरू करने से पहले समझें

बिजनेस की शुरुआत करने के लिए आप में सिर्फ जुनून होना ही काफी नहीं है। व्यापार की कुछ जमीनी सच्चाइयां भी होती हैं। उन्हें भी समझना जरूरी है। और भी कई बातें हैं, जो बिजनेस की शुरुआत और उसमें सफलता के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण हैं। बिजनेस में कदम रखने से पहले उन्हें जान लेना जरूरी है, क्योंकि छोटी-छोटी गलतियां ही विफलताओं की वजह बन जाती हैं। आज का दौर उद्यमिता का है। अच्छे कॉलेज से ऊंचे स्तर की व्यावसायिक शिक्षा लेने वाले छात्र भी आजीविका के लिए नौकरी की बजाए बिजनेस को चुन रहे हैं। कुछ ऐसे उदाहरण भी हैं, जिनमें मल्टीनेशनल कंपनियों के सफल अधिकारियों ने नौकरी छोड़ अपना बिजनेस शुरू किया है। कुल मिला कर हर दूसरा व्यक्ति बिजनेस में हाथ आजमा रहा है, जिसमें से कुछ के हाथ सफलता लग रही है तो कुछ अपने खुशहाल वर्तमान से हाथ धो बैठे हैं।

जमीनी सच्चाई

करियर के विकल्पों और आय की नजर से देखा जाए तो बिजनेस बढ़िया सौदा लगता है, लेकिन अगर इसमें छिपी अनिश्चितता पर गौर किया जाए तो यह खतरों से भरा काम नजर आता है। इस मामले में सोच की जो स्पष्टता जरूरी है, अधिकतर बिजनेस शुरू करने वालों में उसका अभाव देखने को मिलता है। यही कारण है कि व्यापार की जमीनी सच्चाइयों के सामने नौसिखिए बिजनेसमैन घुटने टेक देते हैं। इसीलिए यदि व्यापार करने की सोच रहे हैं तो इसकी जमीनी वास्तविकताओं के लिए खुद को तैयार कर लें।

शर्तें क्या हैं?

यह जरूर पता कर लें कि आप जिस चीज से संबंधित व्यापार करना चाह रहे हैं, उसकी शर्तें क्या हैं? उसकी प्रतिष्ठा, डिमांड और उसका बाजार कहां और कैसा है? प्रतियोगिता क्या, कैसी और कहां-कहां से मिलेगी? उस उत्पाद का भुगतान मार्केट में किस तरह से होता है? यानी भुगतान मिलने की शर्तें, पैटर्न आदि के बारे में भी पता कर लें। आपको उस व्यापार से संबंधित कुशल कारीगरों, आवश्यक मशीनों और ना जाने ऐसी ही कितनी अन्य गहरी बातों का पता पहले ही लगा लेना चाहिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**